جله حقوق تجت ناشر محفوظ بي

حصہ (عمر)

جالانوار

ملامحت تتدئيا فرمجلسي طيشه

نرجمه

مُولاناستِبِرُسسِن إِمدَا دِمِتَالِقَالَ دَرِهَالاتِ

حضرت امام مس عسكرى عابست إم

جلة حقوق تجق ناشر محفوظ أب

حصہ (ع

اللاوال

مُلَّا مُحَسِّمًا وَمُحَلِّى مِنْ اللهِ

ترجمه

مُولانات يحسسن إمداد متدالة

ورحالات

حَضْرَتُ إِمَامُ مُحَكَّدُ قِي عَلَيْ مِالسَّلَامُ

حَضْرَتُ إِمَامُ عَلِيْ شَقِى عَكَيْدِ السَّلَامُ

خَضْرَتُ إِمَامُ حسن عَسْكُوى عَلَيْتَكُمْ

ام بارگاه مارتن روژ کرای ه عفوط با کسی ایام بارگاه مارتن روژ کرای ه محقوط با کسی کانسی ایام بارگاه مارتن روژ کرای ه محقوط با کسی کسی ۱۹۱۷۸۳۳ می دند. ۲۹۱۷۸۳۳ می دند می در می

#### غالجنة ا

## عرض مترجم

ریمکا والکوار طبع جدید باز مبدر به شمل برجالات محدود این مبدند بر به شمل برجالات محدود این محدود و در دایات کولودی مسسدر معوظ رکھاگیا ہے تاکدا گرکوئ ال کوسلے محدود کی محد

ترم کیساہے اس کافیصل خود ناظر سرن کری گے اپنی الون سے مرف ہے کہ ایک اپنی الون سے مرف ہے کہ ایک دان کا ترم کر دوسری مشیقی میل ایسا ہی ہے جیسے ایک نیائ کا عطار دوسری مشیقی میل ایسا ہی ہے جیسے ایک تینی کا عطار دوسری مشیقی میل مشیقی میں کچھ نے کھی لگا ہوا رہ جا آ کم ہے اور انڈریٹ والا معذور ہے

وُالسَّلام مشجست " مسجسن اماد (متازالافاضل) اِس کماب بھارُ الانوائر بلائم کے ترجے کے جمارہ الانوائر بھرکے ترجے کے جمارہ تو تا ہیں۔ جمارہ تو تا ہیں۔ نیزاس ترجے کا کوئی جُریا کل کماب کابلااجازت شائع کرنا خلاف قانون متصور سوگا۔

مصنّف \_\_\_\_ مُلّا باقر مبلسى عليه الرّح مترجم \_\_\_ سنيجن ا ماد صاحب (متان الما فاضل) طالِع \_\_\_ سنده آفِ مل پيس رکاجی کتابت \_\_\_ جعفرندير ناشر \_\_\_ مفوظ کب کينبی ، مارش مذو کراچی ناشر \_\_\_ مفوظ کب کينبی ، مارش مذو کراچی

| 94      | برادر ایان سے سلوک                     | 4.   | کنیسند کی خسربداری                         |            |
|---------|--|------|--|------------|
| 94      | روافض كالجست اعتقادى                   | 41   | لهو ولعب سے نفریت                          | į          |
| 9.4     | اسنادحرزجاد                            | 44   | عسيم منايا                                 | į          |
| 1-1     | علار وفقها بعفراورآيك طمى أزمائش       | . ۳۳ | خسن ورباب سے نفرت                          |            |
| 1.7     | دریاتے دحبار کے باق کا علم             | 44   | شُكر الْحُكَمُ لُكِيلًا                    |            |
| 1.4     | كلجودكا شربت                           | 40   | اخيبادالعساوم                              |            |
| ا ماء ا | فضامي درما اور درماس محيليال           | 44   | سامان کس سے خربدا جاتے                     | ı          |
| 1-0     | ذلزلوں سے نجات کاعمل                   | 44   | عب لم الاخبار                              | ı          |
| 1.0     | أثمة طائرين كبطرف سعطوا في كعد مجالانا | 44   | غُسلِ الماتم برست والماتم                  | ł          |
| 1-4     | گرے نکلو تو مڑے دروانے سے              | 41   | تدفين الملم كيابي                          |            |
| 1-4     | مربيك كامي والسنس كرنا چاسي            | 47   | قت لِ امام پر مامون کی نوامت               |            |
| 1.2     | منبررسول سے تعادف                      | . *  |  |            |
|         | آب کے اصاب                             |      | باب چهارم<br>ام افضل بنتِ مامون سے عقد اور |            |
| 1.4     | زکریا بن آدم                           |      | احتجاج ومناظري                             |            |
| 1-9     | محستدبن عبىدالعزينر                    | 44   | مامون اورخطبت نكاح                         |            |
| 1.9     | عسل بن مبریاد                          | 24   | أمّ الغفسل كامبر                           | I          |
| 11-     | صالح بن محدّ بن سبيل                   | 22   | اختلان و احتباح                            |            |
| #1-     | خیران بن قراطیسی                       | λl   | فقبى مسائل كاجواب                          | l          |
| 111     | ابراميم بن محدّ سب دان                 | ۸۳   | بابرکت دن                                  |            |
|         |  | ۸۴   | أمّ الفضل كاشكايتي خيط                     | •          |
|         | ÷                                      | ٨٨   | يحيى بن اكثم سے مناظرے                     | 0          |
|         |  | 14   | رُعبِ المامت بين                           | ۵          |
|         |  |      | باب ترجم                                   | ø<br>^     |
|         |  |      | وضائل دمكارم الاخلاق                       | ₩<br>*     |
|         |  | 9.   | م سی بین بیس سرار مساس کاجواب              | ۵ <i>۵</i> |
|         |  | 91"  | چن رسوالات                                 | <b>0</b> 4 |
|         |  | 90   | ۵ اعباز امام                               | <b>5</b> A |

# معار الكنوارجل منهم حصداول در حالات صرت ام محد في عليت

14

12

| صفرتمبر    |   |
|------------|---|
|            | باب سوم<br>معیدات الم علیالشگام                         |
| 4.         | ا العلم قياف سے تبوت الكت                               |
| 44  <br>44 | ه ارزالهٔ شکوک  |
| Ypr.       | ور<br>۱۹ نتراپردازی کی سسنرا<br>۲۱ ناکرده گذاه کی سسنرا |
| th.        | ۲۷ مدتے کاصلہ<br>۲۳ مسلم الافکار                        |
| 0  <br>1   | ۱۲۷ شارع العسادم<br>مام کی رسواتی کے لیے                |
|            | ا بدردارباب کی خدمت                                     |
| 1          | ۲۸ مغیدهٔ خی الارض<br>۲۹ بصارت پلش کی                   |
|            | ام المعنون كا ورد دور بردكيا                            |
|            | ا سرس اليك اعب از                                       |
|            | مهم علم ما في الضيب<br>سيماتي                           |
|            | سے ایفطرسس وا ہے ہیں<br>اکلویتے منسرزند                 |
|            |   |

ولادت و وفات سن ولادت و وفات کی حقیق نقش غاتم القاب الكنيت وقت ولادت كلت شهادتين

ثِقلِ زبان على بن جُغرب مخدِّ كى عقيدت

|        | ۲۰۲         | شركا دفستل  | 104  | و سیرے جدیں یاآپ کے ؟                                   |            | حصردفامارهم  |
|--------|-------------|---|------|---|------------|--|
|        | <b>۲</b> -7 | صدة رخى   | 164  | ناسى زمان كاعلم   |            | حدْ مول لحسيثلا و روعا لنبق ستور   |
| - [,   | سار.        | محترين صفيه كى اولادكى جرأت ودليرى  | 109  | فارسی زبان کا علم<br>سقلانی زبان می گفتگو               |            | حضرت الوالحسن التامام على انتقى أبن امام محرتق عليها السّلام   |
|        | r.0         | بومربعص الظالع  |      | عطات محسرعطات عشلى                                      |            | باب اقل ایک بردس ک محت   |
| - / 1  | 1.0         | گریبان چاک کرنے کا جوا نہ   | 171  | المم اوراسب كامكالم                                     | 9          |  |
|        |             | بأبيبمر   | 175  | بريندوں كى نظريت الائم كااحترام                         | 9          | القاب كنيت ولاوت وشهادت اليك مندى شعبده باذك بلاكت اليك اور مجهدزه   |
|        |             | أولار إمام أورجالات بجفر كزاب   | 178  |   |            | التجاب منكونت المعادي التركير بربرير بربر  |
| f      | •/          | ا ولا دِا ام عسل النقى مديد السَّلام  | 140  | متركل ناماتم كى زيارت بريا بندى لكادى                   |            | المسيم كرامى المسيم كرامى المسيرة السطة بجين كانام المسيم كرامى المسيم |
|        | ٠,٨         | جعفر کا کرداد مرادران اوسف جیسا   | 174  | زعبِ أمّام ريسة وتا من و                                |            | والدة محت رم ١١٦ ايك ظالم حاكم عنجات   |
|        | .9          | جعفر کاامام کی تفتیش پرمقرر میونا   | 171  | میں امامت کا لیوں فائل ہوا ج                            |            | الريخ ولادت المناقب الله الله الله الله الله الله الله الل  |
| - 1    | -9          | جعر كذّاب كي معلّق لوقيع إمام عفر مجر<br>را                                   | 179  | زمین کے برخطے میں قبریں ہیں                             | 7          | الانتهام المحاسبة المناسبة الم |
| 7      | 7           | یرننگ خاندان ہے۔  | 14-  | طيّ الارض   | 3.4        | التاريخ وفات عات فن مخلفار وقت الماسية المسلم والمنظم والروح   |
|        |             | جعفرکنّاب کاحفرت جعفر کمیّار کے   | 147  | زينب بنت فاطم بونے كى دعويدار                           | 70         | باب دوم حق مد ا  |
| 7      | 110         | فاندان کی اولیکا فروجت کرنا   | 144  | مال کنیر کامفود م                                       | ro         | النام بهركمل أورا لعرص ورغ العسلان و   |
|        |             | روال اصماب المطلب المرابط المسترام  | 140  | بحيى بن اكتم كيمسأتل اوراك كيجوابات                     | 3          | 1 81 1 1   |
| . ,    | 14          | سهل بن بيقوب الولواس  | 14.  | سزاكے بحق سے اسلام للنے كى سزا                          | <b>Y</b> / | [ قوم كالبهب ع   |
| · 1    | ,,,         | اختيارات امام ا   | 141  | معرفت پرایک تفصیلی گفتگو                                | ۲          | [[مقرب المام محرفتي عليب للم ل لص البهور [اعب لا أورن الم  |
| rı     | 2           | وربان و وکسیل می  | 1/10 | يزداد طبيب  | <b>K</b>   | الالجوسس مشاسر سے البرون الاعب اللہ الاعب اللہ الاعب اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ الل  |
| 71     | 14          | ابوالغوث شاعراك مخذ   |      | باب چبارم   | r)         | باب سوم الزيرِ مَكْتَةُ جَابِ مِنْد  |
| 70     | ^           | بغامفهم ترك كياسي يوكول كى دعار   |      | خلفائے واقت   |            | ا اخلام معمد الدهار قبول بدارا ا   |
|        | <b>Y•</b>   | امحاب المم  | 14.4 | متوكّل كا ارادهٔ فسل                                    |            | ا استحابت دعار   |
| 77     |             | فارس ایک قابل مرتب شخص مقا  | 19.  | الأدة گرفت اری  |            | المكيت المام المحاوت المحاوت المحاوت المحاوت المحاوة ا |
| * 1    | . 1         | الوالبائسشم جغرى<br>العائج سيرير كالأيروة الميزاة                             | 191  | اسيري اود مجرا راده قسل                                 |            | البك معجب زه المعايم من أ  |
| "   Y1 | •           | ابوعلى كوحسين بن عبدر مبكافاتم مقام بنانا<br>ابوعل بن راشد كم متعلق امام كاخط | 197  | مرسینیہ سے روانگی                                       |            | مسترزون کامونے میں معرف ہوناہ اور السال کی ایرین میں اسلام   |
|        |             | البوس بن السيد صفى المام المطلق   | 191  | ا بنی باشم کا با پیاده جلوس<br>از تر برایت را بد ند گرو |            | بوالے اہم قاسرام من طرح کیا۔ ایما امرد مون کے قوض کی ادائیگی میں   |
|        | ٦           | ایسے بی مرہ می تودیوں سیم   | 199  | المتوكل كے قتل كى مپيش گوق<br>ديم س                     |            | التذك ون سے مرے ليے يه انتظام ہے ١٢٨ تارك التقية مادك القلوة كرابر   |
| 232    | Fig. of the |   |      | متوکل کے لیے بردعار                                     | -          |  |

| 1      |                                 | 9     | garagement (1) in the control of the |
|--------|---------------------------------|-------|--|
| 797    | مهتدی کی مرتبِ عرکاخات۔         |       | قد خانه بمي آيكو يابندنه كرسكا   |
| 197    | مهدی کے متل کی میشیں گئی        |       | كيت كحور اآت كالمطيع موكيا   |
| 194    | تین دن کے بعد خوشخری کی اطلاع   |       | باب نجيم   |
| 191    | گثده غلام کی نشاندی             |       | انب رالتوم يحب راتطني  |
| Y97    | عسلم منايا                      | 141   | نی کی بڑی اور راسب   |
| 199    | الند فضل بردح كرے               | 729   | ماسوس کی نشاندسی   |
| 7.0    | مستقبل كالمسلم                  | 711   | معتركى تيدس ربائيا كاعلم   |
| 14.95  | مشکوة سے مراد                   | YAY   | بنن توسواری نسل فطع کرناچاستا ہے۔  |
| مي م   | کنیزکی موت کاعسلم               | YAY.  | ميذلول كاخطره  |
| 4.4    | عروہ بن کیلی کے لیے مد دُعام    | 717   | عسلم اصلاب وارحام  |
| 7.0    | زبری کے لیے بد دُعام            | 7A T  | عسىلم ارجام  |
| ria    | ابن بلال سے برأت كا اعسلان      | 47.7  | بغيريوشنانى كى تحرير كى مشتاخت   |
|        | بابشتم                          | YAW   | ع كوجاؤ بيا <i>س كاكونَّ خطره منب</i> ي  |
| 1.     | تفاسيراً يات قراني واقوال زري   | 44.44 | المستقبل كاعسلم  |
| P.A    | اپنے کام سے کام رکھو            | 140   | کھوڑے کی فروخت کا حکم  |
| m.9    | واقفیوں سے ترکی موالات کرو      | 747   | عسلم بَلا يا   |
| r.9    | م انگلی کے اشارے سے بدایت       | YAZ   | کس نے کونسا مال بچرا یا  |
| ۳1٠    | ایک دوستدار کو دُعار کی تعسایم  | 7/1/1 | تيري ما ئيدادواليسمل مائے كى   |
| "!-    | حزب الله كالمشماد               | TAA   | بغيرطلب خاتم بخشي  |
| PII    | فقسه ہے گناہ معان ہوتے ہیں      | YA 9  | قرآن كامخلوق خدا بهونا   |
| 1 111  |                                 | 749   | ا توبى ، دىسىل امامت   |
| 414    | ڪم تقيت<br>سائزنفع              | 79.   | دعار دليسل امامت   |
| 1412   | • • • H                         | 19-   | علم ما في الضميسيد   |
| MIT    |                                 | 197   | علم الانساب  |
| . 412  | - 1                             | 192   | عيم مستقبل   |
| المالم | لوگن کے تین طبقے                | 190   | معتسبزكي معزولى  |
| 1710   | ا مَن كَنْتُ مَوَلًا وُ كامِطلب | *94   | مستعين كاركذارى بعداب  |

### حضه سوم امام بازهم حضرت ابومستدا مام مسن عسكري علالت الم

| 767  | قيدهاني ب                          |      | باب اقل الله                         |
|------|------------------------------------|------|--------------------------------------|
| 107  | زمین کے خزانوں کی کنجیاں           |      | سكونت ولادت العاب اولوس خام          |
| 707  | تنام أمُسِّتُ مِرابِرِينِ          | 77.  | جائے سکونت                           |
| YOY  | حجّت الله ا وردومرون مي فرق        | 77.  | تاريخباك ولادت اورشبادت امام         |
| rom  | ایک زارکے ساتھ سلوک                | ראץ  | القاب وكنيت                          |
| raci | حضرت على كالوب بكانى سيخطاب        | 777  |                                      |
| 797  | ا مأتم مستجاب الدعوات سوتلسير      |      | باب دوم                              |
| 707  | خواب اوربیداری میں کوئی فرق نہیں   |      | نصوص در اماست                        |
| 104  | بدكا دعورتون سيمتعركى ممانعت       | 777  | امام محتر تبقى علايك لام كاارشاد     |
| YOA  | فرش پرانبیار کے قدولاکے نشان       | 477  | امام على النَّتَى عليك الم كانص      |
| 74-  | صاعدنمران كاايمان لاناء            | TTZ  | نعوص اواضر                           |
|      | با ب چیارم                         |      | بابسوم                               |
|      | معحدات وكرامات                     | ì    | مكادم الاخلاق ودنكر أتمور            |
| 444  | سنگريدے پرائمة كابرين كى مبرى      | 444  | سرِاقدش كا نور                       |
| 7 70 | معجب ذنا شرمهرسلاقي                | YWW  | الحلاع أمدامام دمدى عليستيلام جو     |
| ŤY Y | فعدي فون كيدل دوده لكا             | 240  | فهودا ماقم عوعلاك اودانبدام مناثر    |
| 44.  | ولمت الارض                         | 440  | اسعاق كُنْدى كَى تَسَاقَعَنِ قَرَانِ |
| 741  | کنویں کے بان کا مبدہونا            | 464  | وشمن سے درس كاطرليقة                 |
| 424  | عسكريتين كے روضه كى كرامت          | 445  | شاعر متوكل سے سلوك                   |
| 747  | ورندي محامع وفت امام د كلت بن      | 714  | علم المت اعالي بشدگان                |
| 747  | زمن نے صب مرورت سونا جاندی اگل دیا | 4149 | رعب المت                             |
| 127  | تبل كاغذ برخود بخود حلي لسكا       | 10   | 10 mm 3.68 3117                      |

چندا ومعتزى كورت رسى اس كے بعد مبتدى كى كومت اجرمعتدى حكومت بوكى اورعتدكى كورت مے بائ سال گذرجانے مے بعد آت نے شہادت یا اُن اورسر من دائے می اپنے والد بررگواد کے بېدى دفن كير كيد . وقت شهادت آئ كى عركل جيبين سال كى تى د يىمى كهاجا تاسى كى مال عنى آت ربع الأول سنت مرك ابت اى تارىخول يى بيار موت اور ٨ ربيع الاول روز معب ( مناقب آل الى كالب جلدم مستسل حمرين طلحه نياين كتابٌ كشف العمسه " مي كتسبير كياسية كرآبٌ كى والادسكاري مين موقى آيت كى والدة كلهى إم ولد تحيس عن كانام نافى سوس مقار آيكى كنيت الدمستداورلقب المالص تغار (كنع الغرجارم صلك) آت نهررين الاولسناندوس وفات بانى وسطرح آب كارس وفات مے وقت وہرال کا تفاعین یاسے ۲۳سال اور چذماہ لینے پدر برگاہے ما تعديد اوران كى رحلت كے بعد مائخ سال چدما و اپنے مرد المت ميں بسرکیے آپ کی قرمسرمن رائے و ساخرہ ) جی ہے ۔ دکتف العزملز امالیے) ما فظ عبدالعزيز بغدادي كابيان ب كرآي كالقب عسكرى ب المسارح بيره تولد ہے اور سند موے اندر عبدر عند نیں وفات یافی آب ک فرسام و يں ہے ۔ اوريمي كماكيا ہے كہ آب ساس موس ولد موست اور مربيع الأول مناتلهم كومرمن واشدمي وفاحت يافى المس وقت آب كاس مبارك هوت اطابيس مال كالنعاء آبيت كى والدة كامي ام ولتضيي جن كانام نامي حربيه مقار آپ ک قرمری رائے میں آپ کے پدر کائی کی فیر سے پہلویں کی وتشف الغ ميلا مسكل ) كماب الدلائل مي حميدى كابيان ب كرحفرت الوحسة دا المس عسكرى ابن حضرت المام مسلى النقي على سيكله ماه ربيع الأخراس المدهم الكريوك اور ٨ ربيع الأول روزهب من يسير من أي في انتقال فربايا 'أس وقت آي كا سِن مبارک انفائیس سال کاتھا۔ ﴿ کشف الغِم جلام مَسِیِّ ﴾ اعسلام الوزي مي سبع كدحصرت الومحست والمحسن عسكري عليست لام مرنة منوره یں روزمید مررسے الآخر سا محکو تولد موے اور ابت سے سران رائے يى مرري الادل منت مو وفات يانى اس وقت آب كاسن المائيس الكا مقارآت کی والدہ گامی ام وارتعیں جن کورٹ کے نام سے بادکیا جا آ اتھا۔ آٹ کھسے

میں نے اپنے شاک سے مناب کر حفظ امام التقاعالية الدحضرت اماحسن عسكرى عليست الم مُسَرِّمَن رَك (سام تحطبس محقه مي سكونت يزريتم أس نام عسكر تقااسي ليے ان دونوں حضرات كو يكم رعسکتین ) اورمرایک کوعلیده عسکری کے لقب سے یادکیا جا آ اسے۔ إ على الشرائع باب ١٤٦ تاریخیائے دلادت و وفات اور جك ولادت مرت المت وم والرافي حضرت الوحمدا مام ن السكرى عليك للم مدينه منوره كا مدرماه رسي اللو يس تولد بوك يرب كالدو كرامى ام ولد تصين عن كااميم كرامي مدينه معار آب كى منت الم كاب مصباح معنى ب ب ك حضرت الوجوس بن على بن مخر بن على الرصا على المست دس ارسي الكورسيد موكولولد بوك -ينخ مفيد عديد الرحري كتاب حدائق الرياض " ين مي مي تاريخ والدت وقيم ررتيال الاعال - حالق الرياض ) كاب الدروى يسبع كرآب كى والده كالبم كرا فى حديث مقارآت مرب ا کے اندر ماہ ربیع الا خرمی تولد ہوئے ۔ بریمی کہا گیاہیے کرآٹ ووسٹ نبد کے ڈ آب كى وللدت ٨ رربع الآخرروزميس كومني منوره مي بونى اوري في الك آپ مقام سرمن دلتے کے اندرکٹ کے حویں تولد مہست اورائیے پدر مزرگزار صوت اماع کا آئی جا باختين مال برك يواق ك دفات كي بعض ذاب كاحداست جرسال بطر الداري

مصباح كفعى بس سي كرحضرت البحسستدا مام صن عسكرى علىست للم دوشنيد کے روز جار رہی النانی مست موس ولد سوے - اور می کوا گیاہے کو دل میا النانی آي كاري ولادت بير آپ كانعش خاتم :" انا الله شهيك " يا عِيونِ المعجر التي سي كم مهارے اصحاب كى روايت كيم طابق آيك كى والدة كلى كالم مركب سليل مقا. اور مي كباجاتاب كه حدثيث مقا ممميع برب كران كانام كستيل مقاريه زنان عارفات وصالحات يس سيحين روايت مي ير مجى ب كرات السائد من الدروك . حضرت المحسن عكري عليات والمعربين الآخرس وربي الآخرس ولدسوت آث کی دالدہ گائی ائم ولدتمیں جن کوحدیث کے نام سے پیکاراجا آنا تھا۔ ( کافی حیلدا مستند) دس بان : الله عمر ال عمان بن سعيد اور حين بن رُدح فريني رسيني سع -تصانيف وفرة الوف مداه م من عسرى عبرت الم كاب هف مولى في جو آپ کے حالات پڑت کم تی عب کے ترجے کا نام « رمالہ منقبت " ہے ہو اكشرمساكل علال وحرام برستلى اسكتب كى استدائى عبارت يرب : اخبرفي على ين معسِّده بن على بن موسى . خیری نے کتاب موسوم بہ مکاتبات الرجال عن العسکری " سی احکام دین کے ايك حضد كالبحى تذكره كليه-نیقیات : آپ کے ثقات دمعتدین ) س سے مل بن جفوحفرت الم مل المنتی علی کے ا كاربردازم ـ الواشم داؤوب قاسم عفرى عبنول في ايم كا زاند دكيما - داورين الديزيد مشالوري، محدِّن على بن بلال ، عبدالسرين جعرحيري في الوحروعث آن بن معيدهري وتيات وسمّان ١٠ سماق بن ربيع كوفي ١ الدّالقاسم مجابرين يزيد فالكاور الرامين عبيدالتري الإليم فيشالورى مقد وك لارد أب مع وكلاري فحري احرب حبز اور تعبد بسياليتل بي ان دواولد أب کے پربنگارا ص کے فرزنر کا زماد بھی دیجا تھا۔ ا صحاب : محدن صفار مدين علارسي ب مادنيا بدي العالين بع عرفافا في اواله بعري آيك الماتيا

مثت امت چیرسال یمی آٹ کے انقاب البادی السراج اورالعسکری این آٹ اوراٹ کے پررندا اورات کے جدنا مار سسب اپنے اپنے زمانے میں ابن رصا کے نام سے مشہور آت کے عہدا امت معت دی آخری جند ماہ کی حکومت رسی بحروبتری گیارہ ماہ ارشائیس اوم حکومت کی اس کے بعد احرمعتم علی اللہ ی حفر متوکل نے بنیں سال کی دن حكومت كى يكروب إس كى حكومت كوما كانسال موت توالشرقعانى في سين ولى حفرت الوقم ا ما حسن عسکری علایستندام کی قبعق روح فرانی - اوراً بین می سرمین دائے میں اپنے پدر گرا تا ا ہمارے اکثر اصحاب کاخیال ہے کہ آب کوزبرسے شہدیمیا کیا ۔ حمی طرح آپ بدر يزركوارا ورجذنا مدار ملكح بيع ائت اطهاركو زميرس شهيدكيا كياده لوك اس كى دسيل ميم حفرت الم جعفرصادق عليكست ام كى يرواب بيش كريت من كراب في الرايا: والله مامنا الأمقتول شهيد " ( فالكاتم مميسب كس ( اعلام الورى عروس ) معتول وشهيدي -)دوالله علم ا القاب وكنيت آیٹ کوانصامت 'البادی ، الفق <sup>د</sup>ا لزکی آ النقی کے القاب سے یادکیا جاما تھا۔ آپ کنیت الومستدمی نیزائ کے اورآٹ بدرعالى تدرحضرت الممل من منتى عليك إم اورات كحربر نامدار صفرت الممست تعلى جوا لینے اپنے زمانے میں ابن الرصا کے نام سے مشہود ستھے۔ آئے کی والدہ گرامی اُم ولئے تھیں جن کا نام مامی حدیث ہے۔ آپ کے صرف ایک من رزندا مام قائم البخر علیت لام بن به (جوانعی تک زنده بن ابهاری تطرول سے پوت ب ( ماقد آلِ إِن فالب ملديم مسائع ) حب خدا کا حکم ہوگا کا سر ہوں گے۔) أي كاربك كعلما موا كندى مقاء آپ كالقش خاتم الله سبكان من لدمقاليد السموت والأرض " منار ( فصول المهمّد )

تحدین اساعبل علوی سے دوایت سے کے علی اب

اونائس جابك شدرية تمن آل محمر مقاا ورآك الوطالب برنشة وكماكر تامقا ایک دن حفرت الوجستدا مام حسن عسكرى علايست الم اس كے باس سطے مقے راوی کا بیان ہے کرامجی آیٹ ایک ہی دن میٹے تھے کراس کی گردن آٹ کی عظمت و جلات قدر کے سامنے حبک کئی ایٹ کے سلمنے اس کی نگاہ مذاکھی حب ایٹ اس کے پاس سے اسٹے توبہرن صاحب بھیرت بن جکا تعااورا تیک مرح سراتی کررماتھا۔ ( اعلام الورى م ٢٥٩ ، الارشاد مفيدٌ ص ٢٧٠ )

شاع متوكل الولوسيف تعير كابيان ب كرمريد ميال الوكابيا بوايمين اس وقت بالكل منكدست عقاسين في اوميول تع ياس المااعات كيد رقع المع المرمراقامدم حكم سع بينس ورام والس آيا الوسي في الين دل یں کہا اب یں فود سرامک کے دروازہ برمواؤل گا۔

الغرض جب میں حضرت المحسسة عاليہ الم کے دروازے برمیونیا توا ندرسے الوجمزونكلا اس كي بإس ايك مسياً وتقيل مى حبراي چارسودريم تق.

أس نے كما ميرے ، قا فرات ميں كرنے يرقم إن مولود برخون كراس تعا لل تح

ے علم امامت اور اعال بندگان <u></u>

الوالقاسم ملى بن دانسيست روايت ان كابان بے كرحفرت البخست مالىت الم كے زائے مي علودي مل سے الك شخص طلب عاش مے بیر مرمن دائے سے بلا جبل کی طرف بطا ۔ راستے میں ایک مروبہالی سے الماقات ہوگئے۔ اس نے اوجھا کہاںسے آرسے ہو ؟ مظوی نے کہا سرمن دائے سے آول ہوں۔ أس نے ایجیا افلال کل کاوروازہ فوال جگرہے متم پہچاہتے ہو؟

آب فرمایاکج بات میں تم سے کہوں وہ اس تک بہونجادو کے ؟ أس في الما الجي ال

آب نے فرمایا اجھا جاؤ پہلے می صورت سے اُس کا تقرب حاصل کر کے انس م ارنے کی کوشش کرور میرحب وہ تم سے مانوس ہوجائے تواس سے برکہا کہ ایک سوال میرب زمن مي آياب مس آب سيوجينا جا بتا بول -

وه لفتناكم كالروهور

م كناكريه بتائي "وو ملكم جس ك كلام كانام وآن ب الروه آب ك ياس أ توكياكس كے بيے برجائز ہے كہ وہ اپنے كام كا وہ مطلب مذ بنامے جاتب نے بنا الم بالما

أس كيجابين وه كيكا وال اس كه يديداً زب كونك وه كلام اسفكا جب وه يدكم تومير مم كميناكه: عيرآب كاكيافيال ب كرموك ملب التيف

کلام کے دومعی مراون لیے بوں جو آپ محدر ہے ہیں اس طرح آپ ملطی کردہے ہیں۔ الغص وه شاگرواید استاداسحاق كندى كه پاس بهونجاا وربر سالمقت و م

كيساتداش في الشاكسادك سلف يستلامين كيار

کندی نے کہا کیا کہا ' بھرکیز -

شاكد نے يرسند مربين كيا توه موج مي بركيا اور لولا بمعين سم س

يبوال تم كس فيا ياي ؟

مس نے کہا کسی نے نہیں۔ سوال از خود میرے دل یں سیا ہوا۔ کندی نے کیا ، برگز نہیں ، تم جیسا آدمی ایسا سوال کری نہیں سکتا۔ سی تباکو ، پی

مرکس نے بت ایاہے ؟ بالآخسرام كوكهنا بإكر فحبس صفرت الجحرس عسكرى عليست المهم في فرايات

سے بیروال کیا مائے۔

كندى نے كہا' باں ابتم نے مجے بات بتائ ہے۔ اِس مسم كاسوال تومولئے اللہ

کے اور کے ذہامی آئی نہیں سکتار وس كے بعد اُس نے آگئ گوائی اور اُس وقت تک تناقض قرآن كے معلّق وكي اللہ

ووسبحبلاديار

و مناقب جدم مهوم

(ع) = رُعبِ امامت تلحكري دحمة الشرسے روایت ہیے ۔ ان کاببان ہے کم میں ایک دن ابعل محدین ہام رحد اللہ کی والوراحی میں چیوترے برمجھا ہوا تھا کہ ادھرسے ایک ضعیف شخص كا كذريوا ، جوا وفي كوش بهين موسى مقاء أس في الوطي كوس لام كيار أمنون في جواب الم م يا. الوعلى نے كہا محص معلى سے بركون تھا ؟ مسيفكا سي الوعلى ني كمها ويهاد بيهاد يدا قي حفرت الوحستدا ماحسن عسكرى على السيل ما المازم ب كياتماراجى چا بتلىپكراسى ابين آقاكاكوني حدَيث سنو؟ میں نے کہا، بال ۔ انخول نے کہا' تمعارے پاس اس کے دینے کے بلے کچےسپے میں نے کہا اہاں دودرہم می رہی گے۔ ؟ امنوں نے کہا اس کے لیے برکا فیاہے۔ العرض میں اس کے بیچے گیا اور اس سے حاکر کہا کہ تم کو الوعلی بن ہمام بلاتے ہیں کیا تمان کے باس جانالیسند کرو کے ؟ اسنے کہا'جی ہاں سرویتم ۔ بحرسم دولوں ابوعلی س بہام کے باس آئے وہ اُن کے پاس بیٹے گیا العلى كفي محصا الماره كباكراس وودرهم وست دور میں دینے لگاتو اس نے کہا اس کی کیا صرورت ہے۔ میں نے احرار کیا اور وہ دو در مماس کود بیسیے -بعرالِدِه بن مهام في أس مع كما شاء مدادة محد إحضرت البحستد المم ناعكرى م كامتعلق توكوتم نے دیکھ ہے اسے بیان کرور أس نے کہا میرے الک علویوں میں سب سے زیادہ مردِصالح نفے امیں نے تو ان جیاکوئی آدی بی بنیں دیجھا۔ وہشکی اورندلگوں زین برسواد موسقے اور بردوشتہ اور جیشنبہ کو مرمن رائے میں دارالقلاف کوجا یا کوٹے۔ جہانچہ حبب آیٹ دبنے معینہ دن میں تشریف بد سیاستے تو وبال توكون كاعظيم ازدام موحانار ساوسه واست سوادليل سيمعي ميرس بيواد خيرى تجراور

مردِعلوی نے کہا ہجی بال -اس نے کہا ، مقیں حصرت من بن علی کا بھی کچید طال معلوم ہے ؟ مردِعلی نے کہا مہیں۔ اس نے کہا ، تم کہاں جا رہے ہو ؟ مرد علوی نے کہا ، بلاچیل کا ادادہ ہے۔ مسس نے کہا ، بلازعبل کیوں جارہے ہو ج مردعلی نے کہا اروزی کمانے کے لیے۔ المسس ني كها الجهاتومين تم كوكياس دينارد حسن بن على عالي الميام مك بهو تخادور مس نے مروعلوی کو پچاس دینار دیے اور وہ سس مرانی کے ساتھ والس آیا سرا بہونیا ولوں محفرت ام مس عماری علیہ اللہ کے بیت الشّرف برماطر سوے ۔ اون باریا اون س کیا، دونوں سیت اسٹرف میں داخل ہوئے حضرت المص مائسکری علائسے کام صحن خانس حب الامعلىك في للم كانظر أس مروِّ عبل بدانى برفيى توآت نفر الأعم فلل لىنى *لان بو* آت نے وایا تمارے والدنے تھیں میرے لیے وصیّت کی تھی، تم اس كويراكرن كي لية تعيد، تعاديب باس جار سزار دينارس ده مجم دو-مهرس نيعض کيا بجي إل يكركس نے وہ رقم آت كے سامنے ركھرى-بھرآت اُس مردعوی کیون متوجر موسے اور فرمایا 'تم طلب عاش کے لیے بلادیہ جارب تقريس بران في تعير كابس ديناردني الم المسس كما تعواب آت الب تم كوي إس دينا را در ديتي س يد فراكرات ندائ مروعلى كومچاس دينا رعطا فرائع. (كتفن الغشه جلام صنة)

آپ نے مجسسے فرمایا ' مجربہ ان لوگوں کو والپس کمرود۔ بیوباری اسے بہنے کے لیے آگے گرما تو کھوٹسے نے اس کی طرف ایسا رُخ کیاکہ وہ ڈرکے مارسے بھاگا۔

ظذم كايبان سے كروه گھوڑا مم نے حيوڑا آپ اپنے گھوڑے پرسوار ہوئے ! ور مم و إںسے چلے تو وہ بوباری معرد و فرتا م اور اولا:

اس گھوڑے کا الک کہا ہے کہ قریب کہ ہیں آپ اسے فرید کرے جائیں اور بھر اسے والسیں خرک دیں۔ اگر آپ کو عمر سے کہ یکھوڑاکمی قدر بد سرشت و شریر ہے اور اس کے بعد جی آپ اس کو فرید ناچاہتے ہیں تو فرید نیجے۔

آپ نے فرایا کہ مجھ علم ہے

بولاً ري في كها ويولي من في ووخت كيا.

آية في معمد عن فرا ياكه هوا الساور

میں اسے لیس کراص کلبل آیا۔ مذاس نے کوئی حرکت کی اور ندمجھے ستایا۔ تیب

میرے آقای برکت متی

اس طادم کامیان ہے کہ میرے آقا تمام طویتین اور اسمیتین ہی سب سے دبایہ مروضان کے سے اس سے دبایہ مروضان کے سے استحدال کا یا آتا تمام علویتیں اور استحدال میں سبات استحدال میں میں ماتے استحدال میں سب ایک بادود انے کا اینے استحدال فراتے۔ آپ کے لیے ابخیرا ادر انگودو میرہ لاک جاتے تواس میں سے ایک یا دود انے کھالیے اور فراتے:

ا محتر! اسے مع وائد اپنے بچوں کودے ویا۔

مين الإجينا كياسب أعطام واول ؟

آپ دراتے ، إلى مب يجاؤ .

الختو بمين في التسعيبة كوفي أدى نبي إيا - ( عينة الشيخ طا الوالا)

ادرسي بن زياد كغرتونا فى كابان ب

كيس مطرات وألى م معتقل مبالغ أمر برى برى التى كماكرتا مقا

گدے ہی گدے نظرائے وائن ہی جگر نہوتی کہ آدی پہیل ہی اس کے اندسے گذرجائے۔
میں کا بیان ہے کہ گر مجب میرے آقا وہاں ہچر بختے آؤ کیا آدی اور کمیا جانورسب
خائوش ہوجاتے و نزخی والی ہنہنا میں وہیج بوقی نزگر حوں کا آواز۔ آپ کو دیجے کرسارے جانور
ادھرادھ سرط جاتے ورمیان میں وہیج واستہ خالی ہوجاتا اور آپ بغسے کسی مزاحمت کے
اندرواض ہوجاتے اور اپنی محضوص جگہ پرٹشرلیت فرما ہوجاتے و اورجب و ربادسے برامیج نے لائے
خلیف وربان کو تک و زیبا کہ حضوت ابوجست مدام صن عسکری ملائے سے بامی کسواری لاؤ و

یداوار می روون می حرون می حرون می است در این به به به در اور می است در در می است در در می است در در می است می ا ساد مورد دار می تشریف می جانبی -سواد بور در است تشریف می جانبی -

اس طازم کابیان ہے کہ ایک دن خلیف نے معینہ دلوں کے طاوہ آپ کو آبالیا۔ چیز آپ بر بہت شاق موئی خوف محاکہ عواوں اور ماشیوں میں سے جو لوگ آپ کے مرا دورمنزلت کود کھی کرآپ سے حد کرتے تھے انھوں نے خلیف سے آپ کی جنگی کردی ہوگی آپ جے سوار موکر و باں تشرفین ہے گئے اور وارا کی لافر پہونچے تو کھا گیا کہ خلیف تو در مارسے انتھ جیکا اب آپ چا بیں تو بیاں تشرفین کھیں اور جا ہیں تو تشرفین نے جائیں۔

رب بی جا بی ریاد می مازار سی کرآپ و بال سے بیلے اور جا اور دوں کے بازار می آئے می ارزار می آئے می ارزار می آئے می ارزار می ارزار می ارزار می ارزار می می ارزار می ار

العرص بھا ہے۔ من آپ جاکراس بیوباری کے پاس بیٹھ گئے جوآپ کے بیے جالور وغیرہ خما کرنا تھا۔اس نے آپ کے سامنے ایک الیسا خطرناک ونٹریکھوٹرا میش کیا بھس کے پاس اس کی کوئی ہمت نہ کرتا تھا۔ بیوباروں نے اسے آپ کے باقد اصل قیمت سے مجی کم فینی گھائے پروٹر کروہا۔

آپ نے مجہ سے فرمایا کے محسد اکٹو جادد اس پرزین کس دو۔
میں نے اپنے دل میں کہا کہ اعنوں نے مجے میں کوئی الیسا کام کونے کا حکم مہایا ہے جوم سے باعث اورت ہوا ہو اس لیے میں نے آگے بڑھ کراس کا تنگ کھولا اوراکسس آ ہوت پرزین دکھ وی ۔ وہ بالکل جب جاپ دما 'اس نے کوئی حرکت ندکی میں اسے لیس کرآپ کے باس آیا 'تاکہ اسے لیس کراپ کے باس آیا 'تاکہ اسے لیس کراپ کے باس آیا 'تاکہ اسے لیس کراپ کے باس تا ہوا ہوا ہا وہ دور تا ہوا کہ اسے لیس کے موال ہوا ہوا ہا ۔

سمی تعراط کارم وکول کی طرف دیکھتے ہیں توسمال بند بند کانیے لگتاہے اورول اس طرح ارنے الكناب كداين قالوس بالبرموج الأس عاسوں نے جب پرک او وہاں سے مالیس والی ہوگئے۔ كتاب الحلاء الشفارس مرقوم سير كوالوحفوري نے بتا یا کہ ابوطا ہر بن بلبل دیک مرتبہ جج برگیا۔ اس نے دیکھاکہ علی بن جفر ہوائی بڑی بڑی رفسیں داد و دمیش می*ں خرچ کررسے ہیں*۔ جب ج سے والبس آیا تواس نے حضرت الوحسة دا ماحس عسكرى طليست لام كي طالك آت نے جواب می محسد رفر ما یاکمیں نے علی من جعر سران کوایک لاکھ دیٹارخسر پا کرنے کی اجازت ویری ہے اورتم کو می اتنی میں دقم خرچ کرنے کا اجازت ہے ۔ یکام اس امری دیل ہے کہ ان وائد ، کے پاس زمین کے خز انوں کی تجال ہے۔ ومناقب جلدم مسكلك ال = تمام أئمة علم من برابرس

ایک مرتبه میں حفرت الوحمستندا ماخشن مسکری علیاست پلام کی الماقات کی غرض سے عسكر بيونيا ومغرى وجرسے بہت تقدكا ماندہ تھا إس كے ايك حام كى وكان يركيا، و بي طركرسو ادماً يحدام وقت كم كي جي حضرت الوجم مندا ما حسن عسكري علايسط الم في المحلك على الم میں نے مسکوں کیا کہ آت ہی نے دروازہ کھٹکھٹایا ہے اس کیے فورا اسلا دروازہ كمولااورآب كي قدرول كولوسد ديار آب سوارى برسواد يق اوركني علام آب كي كرد سفيد آئ نے سب سے سپل بات جوزائی وہ می کراے ادرسی استوا " بَلُ عِبَادُ مُكَارِّمُونَ لَا يَسُبِ تُوْمَنَهُ بِالْقُولِ وَهُمُ بِأَمْرِ الْعَلَوْنَ و سورة الانبيام أيت ٢٠-٢١). رحد : رجد بالشرك مكرم بندے ہيں أس كے قول پرسبقت نہيں كرتے ا وراسى کے حکم ریمل کرتے ہیں - ) میں نے عون کیا مولا ا میرے لیے یہی آیت کافی سے ۔ ورحقیقت میں ایک و مناقب مبلد ۲ ص<del>۱۷۷</del> ) بي جي كي آب كى خدمت ميں حاصر بيوا مقار (م) = قيدخاني ؟ كناب احربن محربن عياش بسرسي كدالواتم حصرت المحمن عمرى علىكستيام كرسات قيدخاني سق اودمعترف طالبين كمتعدد لوكوا ك ساخفر من المويرس ال دونون كومي قيدس وال دياتها-محرين اساعيل بن الإميم بن يوسى بن حبفه كا بيان بدك جب حفرت الوحى الاحتى قديريه كئ توفاندان بنى مباس اوراس اطران كمخونبن بي سے صالح بن على وغيرو صالح وصیعت کے پاس پہویجے اوراس سے کہاکہ: حضرت الوجم تدعیات لام کے ساتھ ورائجی نرقحا صالع بن وصیعت نے کہا ،حتی الامکان میں نے دوشرمے فطالم ترین لوگ ان پر اس كي كروه وونون عن آيك نماز اورعبادت كود ميكر ان سي نماثر سركة -اس كے تبدائس نے اُن دولوں محافظوں كو يلول اُ اُن سے اچھا ، بناؤتم دولوں كيا اس مرود (ا مام سن عكري ) كمتعلق كما راميد ؟ امنوں نے کیا ، ہم ایسے فص کے متعلق کی کہیں جون مجرد در مسے رہتے ہیں اور رات مرعبادت کے سواکیوںسے کوئی بات کرتے ہیں ' نہسی اور کام میں شنول ہوتے ہیں - وہ اگر

کومطلع کردیا کرتا تفاکشیں آرما ہوں محراس مرتبدادادہ کیا کہ حروت زیادت کروں گا اورسی سے بیل ملاقات مذکروں گا اورسی سے بیان مسال ملاقات مذکروں گا ڈائی ہے جس کے گھر قبام کیا اس سے کہددیا کہ میرے آنے کہ کسی کو الحلاع ذدیا جب بین نے شب کو اُس کے بہاں قیام کیا 'و گھر کا مالک مسکوا تا ہوار کو وینا رہے کہ آیا' اس کو فوجیرت بی و کو دینا درم سے ابن اور کہ لا یا ہے کہ بیم بیشی کو دیدوادر کہ والسٹری اطاعت میں شنول ہوتا ہے اس کی جا جب برآری الشکوت ہے۔ ( منتا دا مواج کے صفح اس کی جا جب برآری الشکوت ہے۔ ( منتا دا مواج کا صفح اس کا حاجت برآری الشکوت ہے۔

#### الس على كالون مخطاب

محدب على شراعي و مبتدى

کے مقربین میں سے مقا اس کے ساتھ اُمٹھتا بیٹھتا تھا اس کولگوں کے واقعات وحالات سے کافی وافقیت مقا اس کابیان سے کمیں اکثر مہتدی کے باس شب میں بسرکریتا مقاد ایک شب کومہدی نے مجمد سے کہا ؟

المعمد أكياتم كووه دوايت معلوم بي جونون بكالى في مفرت على علاليس الم

نقل کی ہے و

میں نے کہا'جی ال، یا ایرالمومنین' نوٹ کابیان ہے کہ میں نے حفرت علی کو دیکھا کہ آپ نے ایک شب کو بارباد باہر نمل کرآسمان کی چا نب دیکھا 'مچر تھے لیکا را: دیکھا کہ آپ نے ایک شب کو بارباد باہر نمل کرآسمان کی چا نب دیکھا 'مچر تھے لیکا را: لے نوفت ! کیاتم سور ہے ہو؟

کے ذوت ! الٹرتعالی نے بندے عینی میں کا طرف وجی فرمائی کہ ہما اسرائیل سے کہ دو کرمیرے گھروں میں حب واخل ہوں توخفوع قلب مختوع نظر اور پاک صاف ہا تقوں کے سامتدا وداخیں رہمی بتا دو کہ اگرادیا نہ کیا تو ، نہمیں اُن یں سیکسی کی فریادس نوں گا' اور زکسی کی دمار کو قبول کروں گا۔ دمار کو قبول کروں گا۔

کشف الغت میں بھی ولاک خمیری سے ابو ہاشم کی بھی موایت مرقوم ہے دکشف الغت جلد س مووی اعلام الوری میں کتاب ابن عباس سے بہی دوایت درج ہے۔ ( اعلام الوری عرب کتاب )

الله الله اوردوسرول مين فرق

المبی میں یہوج ہی رہاخا کہ آپ میری طرف متوجہ ہوسے اورفر ایا سنو السّرافائی این طرف متوجہ ہوسے اورفر ایا سنو السّرافائی اپنے این جبّت کوساری محلوق پرواضح کر دیتا ہے اور اِسے ہرشے کا علم عنایت فرادیتا ہے این پڑا پرو دنیا کی تمام زبانوں کو تمام لوگوں کے نسب کو اور زمانے کے تمام سونے والے آمندہ کے حواوث کوجانتا ہے۔ اگر ایسانہ مو تو تھے حجبت خلا اور محجوجہیں میں کیا فرق ہوگا۔ ؟

مربیات رود پرمیت مین افزایخ مین ، مناقب جلدی صفای ) ( منتازلوایخ مین ، مناقب جلدی وایت مرقوم ہے اعلام الوری کافی اور ارشادی مفید مین بھی نصیرخادم کی بھی روایت مرقوم ہے ( اعلام الوری مین مین علام کافی حیدا صورہ ، ارشاد میزیم )

الكائل كيما تفسلوك

اس قدرعفوسے کام نے گاکہ اس کاعفور شدوں پر محیط موجا سے گا اوریہ در پھے کومٹرک بى كين ليس كركم و والله رَيْنًا مَا كُنَّا مِنْ مِنْ إِلَيْ وَيُدَا وَيُنْ مِنْ اللَّهِ وَاللَّهُ مَا كُنَّا مُنا مُنْ مِنْ إِلَيْهِ ( ساطرب معى الشري يع الميم مشرك نبي بي ) يرسن كر مجع ايك واقعه بادآ ياكه مارے امحاب من سے مكر كے باشد نے پریات کی بھی کہ رسول انٹر صلی علاق کے دسلم نے اس آیت کی قرأت فرائی ہے کہ: وو إنَّ الله كَغُفِي اللهُ نوبَ تَجْمِيعًا وسورة الرو آيت ٥٠) بعنی استر تام گناموں کوخش دے گا۔ ) مکر سوال بہت کہ وہ تخص میں نے مرکب احتیار کیا ہے اس کا کیا ہوگا۔ 9. يرسن كرسي نے اس كى يہ بائٹ نالپسندكى اوراسے ڈانٹا تھا۔ المجين اين ولي يبوي بي رامعاكم حفرت الجستدا مام سعب كري ني ميرى طرن وسيحا اوراس آيت كى تلاوت فران : إنّ الله كالعضور أن يسترك بِه وَيَغُونُ مَادُونَ ذَالِكَ لِمَنْ يَشَامُ (مورة النسادآييت ۲۸) رْجَم ( بیشک النوشرک کومعات نہیں کرے گا اس کے علاوہ جس کو جائے گاموان داقعًا اسْ خَف نے تم سے کتی علی بات کی تھی۔ دفتار ایخ مذات ) الدّ على الما المرك تفسير على فالنسير) الما فالنسير) كراكب مرتب محدن صائح نے حفرت الوجم سقدا ماخ سن عسكرى علايستنك المست إس آيت كانفيرادمي " يِلْهِ الْأَمُومِينَ تَبْلُ وَمِنَ ابَعْلُ ، رسوره روم آب، تحصد: والتربي كاحكم ب اوّل و آخسه آب ن فرایا کرحکم دینے سے بہلے می اس کوا ختیار سے کرحکم دے یا ندد اورحسكم ديي ك ليدمي اس كوا ختساريب كمام ما في ركه بامنسوخ كرد، يسن كمسيد است دل بي كما كمعجع ب وسريعالى كا دوس مقام رعي ارت و الله الم ألْخُلُق و الكامورة مارك الله ويت العامين" (سوره الاعرات آیت ۴۵٪ رم : ( آگاه بوجا و اس کے بیعنق ہے اور اس کے لیے امری ماکسی اسررب العالمین )

دل یں ریسوال بھی متحا کھونین سے اس جگہ کون لوگ مرادیں ؟ توجه ائمہ طاہرین ہیں جوالٹر ا كان لائے بن اوروہ ہم وائمة ) بن ۔ است مدات ملاس مرس ا مزيرالوبإرشى خصفرت الومحستدا الممسن عسكرى عليست بالمرسي مندرج فزلي آبيت كانفسسير ريافت كن " شُكِر أَوْرُ ثِنَا الْكِتْبَ اللَّهِ يُنَ اصْطَفَيْنَا مِنْ عِنْ ادْ سُلَّا فَيِنُهُمُ ظَالِمُ لِنَفْسِهِ \* وَمِنْهُ مُ مِنْقَالُهُ وَمِنْهُ مُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّاللَّمُ اللَّالِي اللَّا اللَّا اللَّالِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ال الله النَّهُ يُرَاتِ إِلَيْ اللَّهِ اللهِ السره فاطم آيت ٣٠) زمين د ميرسم في منسى ليف بندول بين سے منتخب كوليا انف ين كتاب كا وارث سنادیا اسب الناس کچه قوایت نفس پرطسم کرنے والے بی اورکیومیسان دوسی اول کی اندرے حسکم سے سیکیوں میں سقت ہے جلنے والے ہیں۔) أين في فراياس آبت من ظالع لنفسسه سے مرادوه ميں جوامام كا آنسا نہیں کرتے ، مفتصد سے وہ مرادین جو امام کی معرفت رکھتے ہیں اور سابق بالغیرا يرسن كرس لين ول بسوچه لسكاكر بربري چنرسي جوآل مخركوانشيف ے اور بہونے کرمیں روسے لگا۔ آپ نے میری طرف دیکھا اور فر مایا 'سنو! آل مخری عظمت شان جو تصافیع فین یں ہے اس سے ایک بری چیر ہے اوروہ یہ کہتم اللہ کا مشکر اواکرو اس نے مشہد آل مستدر کے دامن سے متمسک درہے کی توفیق عطافرائی۔ قیامت سے وق جب شام الوك ابنے اپنے امام وسردادے ساتھ بلائے جائیں کے توتم آلی مستدے ساتھ بلائے جادُ مع يمتا داخب م يخيرب . (مثار الخرائع موس)

کن کرتے ہیں۔ یاد دکھو ! ہم اُکت خواب بی بھی ولیسے ہی کام کرتے ہی جیے بداری ہے ۔ ( رطال کی مندسے کشٹ الفرجلد س مسلسے )

## (۱۷)\_\_\_انبیارا ومونین اورمنافقین و سرانقین و مشیاطین کے سونے کے طریقے

موربن کیئی نے احرب اسماق سے روایت کی ہے کہ ایک بادس نے حضرت اوج تدا مام میں عدی علیات الم سے عض کیا امیں آپ برقریان ایک بات میرے دل میں کھٹک ری ہے جس کی مجھے بڑی فکر ہے میں تے چا ہا کہ آپ کے پدرِ بزگوارہے دریافت کروں گروقے نیمل سکا۔

' آپٹے فرمایا کے احرا وہ کیا بات ہے ہ میں نے عرض کیا امولا ! آپ کے آبائے طاہرین کی بیروایت ہم تک پہو کی ہے کہ انبیا داکی نیند بشت کے بل دچیت ) ہوتی ہے امونین کی نیددائیں کروٹ ہوتی ہے امنافقین بائیں کروٹ موتے ہی اورشیا طین مغد کے بل موتے ہیں۔ ؟

آپ نے فرایا م ہاں ایسا ہی ہے ۔ میں نے عمض کیا ' مولا ! میں فری کوشش کرتا ہوں کہ اپنے واسخے ببہو ذکروہی ) پرشوُوں ' گرمکن نہیں ہوتا ' نیندسی نہیں آتی ۔

پر مودن کون میں ہوئی ہیں ہوئی ہی ہی ۔ بیمن کرآپ ذرا درین خامیش رہے مجھ فرطایا 'احجعالینے دونوں ما تھ استینوں سے اندر کی طرف لینے کہ فرول میں کرلو۔

میں نے ایسا ہی کیا۔

معرات میں اندرداخل کور کے اندر دائی میہو پڑسے فرایا اور بیتن بارکیا۔ احمد کا بیان ہے کہ جب سے آپ نے اپنے بامقد میرے پیلوؤں میں کے تعریب کے میر میں کہ میں بائیں کرد شد سے سو ہی نہ سکا 'ننیدی بنیں آتی ۔ دکانی جلوا میں اندامی میں اندامی بنیں آتی ۔

اکے پر کانور لول متحدیث کرو حن بن فزلین نے ہمی بیان کیا کہ میں سال سے ذکہ متعد کے ہوئے تعام ہی

محدب على كابيان سيركم خداك قسم مهدى ق فورا حضرت على علايست الم كالس روایت کوایت کانے اتھ سے لکولیا اس کے بعدوہ برابروسط شدیں اُٹھتا ، تنمال میں این راسم مناجات كرنا ودس أس كويه كيتة بوت ممنتاكه: "ك يون إواقعًا دنياس زا بدون بين زندگى بسركرت والون كااوراخرت كالر رغبت كرف والون كاكياكنا- الله در مرق الذهب العراب المام مستجال عوات بوتاب محدبن بهام سے دوایت سے اَن کابیا ہ ب كمير، والد فحفرت الجحب تدامات عسكرى عليك الم كوخط اكم اكرمار، يها دورك كاحل صالع ميوما ثلب اوراس دقت بى ميرى نوج بما المدسي آيت وعا دفرائيس كرحسساني ضائع نه مواور مي وسلات ولادت موجائ، يزسعادت مترميل بدا موجوا مي حفرات سطّ آبِّ نے اس رقعے کے اوپراپنے المقد سے تمسدر فرایا ?' السرتعالیٰ نے جس تم چاہتے ہو ولیدا ہی کردیا۔ ہے۔ د رجال شی صفحه ) چانچمل سلامت ريا ادراد كايدا سوا-(10) = ہمانے خواب اور سباری میں فرق ہیں ہے اُن کابیان ہے کہ حضرت الواحسن ا ما علی علیست الم سے مسرمن رائے سے نکلتے وقت میں و بال موج دیما میں نے دیکھا کم حفرت الجمعت مدا مام حسن عسکری علاست لام یا بیب دو جل سے ہیں کورے پیٹے ہوت ہی گہراگذی رنگ ہے آپ کی جلالت شان کو دیکھتے ہوئے مجل طِلِتعب بوا مجه ورتفاكه كبيرات تحك رواس -جب رات ہوئی تومس نے آٹ کو خواب میں دیکھا کہ آٹ فرما رہے ہیں -"میراوه رنگ صن پرتھیں تعبب ہوا پر اکسی بندے کے اختیار میں تنہیں ہے اللہ کے اختیارس ہے ، وجس بندے کے لیے جو تنگ جاشا ہے احتیار کرتاہے اور پراوگ کے میان سبق آ مذرب اس بندے کے دنگ براس کی مذمت نہیں کی جاسکتی۔ ہم ائمتہ عام لوگوں کی طرف نهين و كرجيد وه ملك بن سيمي معك جائين ، بم السّب شبات قدم اوروفيق تفكر كي و ا

میں قریب بہونچا تو آئٹ نے اپنا دست سبادک بیری آ شکوں پر عبر دیا اس ایک دم بینا موگیا۔

آب نے فرمایا کیام اس ابسا طرم قداول کے نشا نامت اور نعوش دیکھے ہو؟ د کھو ! پرحفرت آدم کے قدموں کے نشانات ہیں۔ وہ یہاں پیٹھے تھے۔ یہ ماہیل کا نشانِ قدم ج يرشيت كانشان قدم ب ـ برفرح كانشان قدم ب يقيدار كانشان قدم ب \_ يرم لاش ك قدم كانشان دريدياره كانشان قدم سعدين فنوخ كانشان قدم سرريد متوشيخ كانشان فدم م برسام کانشانِ قدم ہے۔ یہ ارتخشر کے قدم کا نشا ن ہے۔ یہ ہود کے قدم کانشان ہے۔ یہ صالح کے قدم كانستان سيريدلقات كانشان قدم ب ديرابراسم كانشان قدم برسير ولط كانشان قدم براسائیل کانشان قدم ہے۔ یہ الیاس کانشان قدم ہے۔ یہ اسٹان کانشان قدم ہے۔ یہ یعقوت کا نشان قدم ہے۔ یہ یومنٹ کا نشانِ قدم ہے۔ یہ شعیب کانشانِ قدم ہے۔ یہ موٹی کانشانِ قدم يريش بن نون كانشان قدم ب برطالوت كانشان قدم ب ريد داؤد كانشان قدم ب ويرسيمان كا نشاك قدم مي ايخفر كانشان قدم مي ايدوانيال كانشان قدم مي يداليس كانشان قدم مدريه ذواً تقرین کا نشان قدم سے ، برشا آورین اردیشر کانشان قدم ہے ، بر وی کانشان قدم ہے ، بر کاآب كانشان قدم ب رقصى كانشان قدم به ، يه عذان كانشان قدم ب ، يه عدمنا ف كانشان قدم برصرالمقلب كانشان قدم سب ، يرعبدانشر كانشان فرم سب ، ير ميرس حدرسول انسطى الشيطي الم كانشان قدم ميد ايرالونين كانشاق قدم ب ايراب ك بعد ك اوملياء ك نشانات قدوم ہیں بہری مشاعل کے رہیں ہے کہ پرحفرات اس برچلے اور منتھیں۔

چرفرهایا و ان نشا بات کودیجها و پرین خواسکه اثارو نشا ناس سیدان می شک كرنے والا النّزكي وَات مِي شُك كرينے والاسے النسے انكاركرينے والا ١٠ انترتعا لى كى وَاسّے المكادكرنے واللہے ر

اس کے بعدفرایا : اپن نگاس سچی کراو ارصلی ۔

سي ندايي نطري حمد ايس تومين جيبا تنام پروميايي بوكيار

على بن عاصم كابيان بريش كرمس براكي كے قدون كے نشانات يركوا النين بوسددیا · میراه علیستسده مرسے دست مبارک کے لیسے لیے اورعض کمیا : مولا ایس محوود المعول سے تو آیٹ حفرات کی نظرت کرنہیں سکتا ، سوائے اس کے کہ تنہائی می آیٹ حفر ات ہے تولًا اور آپ صفرات کے وشینوں سے تبرّا کروں اگن پرلعنت میجوں۔ میرٹولا این وائیں کہ مسیدا کیا مشرموکا ؟ میری ما قبست کسی ہوگ ؟

آبادی میں ایک عورت محق میں کھن وجال کی توگ بہتے تعولیت کہتے تھے میرا دل اس کی طرف اگل بوائكروه مدكار اورزانيرتني ومجه كراب محسوس بوئى المردل بي سوجاكه ائت عليم التلام كاتول ب أننِ فابره مضتمرو اس طرحتم اس كورام سے بجاكرطلال كى طرف نے آؤ كئے " میں نے اس متعہ کے متعلق خفرت ابوجم تر علیات ام کوخط اکھ کراکٹ سے مشور جا با اورمیمی دریافت کیاکہ کیا اتنے عصر کے بعدمیرے لیے پرجائز ہے کہ تعرکول ؟ آب نے اس مے جاب می محسر رفر ایا ، متوسے تم سنّت اوا کرو کے اور برعت کی خت کرو گئے اس کیے محتین متع کرنے میں کوئی حرج نہیں ۔ گرائیی عورت سے متعربہ کروجو بدکا دی اور زناكارى مِن شہورمد الروم تعادے ذہن میں ہمارے آبائے كام كا برقول ہے كرزن فابروسے متعا اس طرح تم اس کورام سے نکال کرصلال کی طرف لاؤ کے ، مگر می عورت بے عزت مشہور ہے ، مس كماس كى وحرمية تمعي في عرّت مرموجاور آی کی اس مدایت کے بعد میں نے اس سے تعربنیں کیا، مگرمریرے بھا تیوں اس بطروسیو**ں میں سے ایک**شخص شاذان بن سعد نے اس سے متعہ کرلیا۔ یہ بات مشہود ہوتی<sup>،</sup> بات اور كربهوني اودمعا للخليف وقت كے سامنے بيش موا اوراس كى وج سے استخص كويجى كافئ لقصا اشفانا پڑا گرانٹر نے میرے مولاک برایت کی مرکت سے مجے اس سے بچا لیا۔

وكشفت الغير مبلدس مسترس-۲۰۲۰)

#### (۱۸) = فرش پرانبیام کے قدموں کے نشانات

علی بن عاصم آمی کوفی ہے روایت ہے ان کا بیان ہے کہ ایک مرتبہ میں حضرت الوقعت تبد امام سن عسکری علیات کام کا ضعہ یہ بر بھادی ساتہ ہوئی نیز ا خدمت مي حاصر سواتواك في فرمايا:

كَ عامم إديكيو محمارك بإول كمنيج جوفرش سياس برببت سانبيا و مركبين اورائمسة راشرين بيرهم هي عني -

ميس في وص كيا ، مولا ! مجريس اس محرّم وش بر احيات جُوتا بهن كرن آول كا آب نے فر مایا سے علی ا یہ مجو آج متصارے یا وسیس سے تحس اور معون سے سا

سماری ولایت کا قرار میس کرتا۔

میں نے اپنے دل میں کہا ، کاش میں اس فرش کواپی اسکوں سے دیکھ دلیا۔ آب نے فرایا اچامرے قریب آؤ۔

آت فرايا ميرے بدر بزرگوار في معمرے جد ناماد جاب رسول ا مىلى الشيئة الميل يروديث بال فرائى ب كه " وتخص ابنے صنعت وكر ورى كى وجست الببيت كى نعرت نكرسكما بوا ورتنها أيون من بهارك وسننون يرلعنت بعيجتا موقوا متراس كم كتام لائكة كمد بهويخيا مائ اورحب تميس كون بهارد وكشنون يربعنت مبيجاب توميا استكى معامدت و ماومت كرته بي اورج مارى وتعنون برلعنت بني بعيمنا ا ملائكه اس يا يهيية بي - اوروب اس معنت بيين واله كاكواز مل كمة مك بيونمتي ب تووه سب أس من ك ياستغفارك تين اس كي تعراف كتين اوركية بين كم مرورد كارا! تولين إلى ی دوج برای وحتی نازل فراحس نے بترے اولیا دی نفرت کے لیسی کی 'اگراس سے نعرت كرف كاس من قدرت بوتى توده اس سے زيادہ نصرت كرتا-" بعراس تعانی کی طرف سے فرا آق ہے کہ اے میرے ملائکہ بمیں نے متعاری و كوليغ اب بندے كي من قبول كيا ميں نے معارى و عاش شنيں اور تام نيك بندول ك کے سامتداس کی روح برخی رحمت نازل کا داورمیں نے اسے بی لینے منتخب اورنیک بندو الوباشم جغرى سے معامت ہے ان کابیان ہے کھیں نے حضرت الجمست علیم سے دینے تنگ مس اور قسی کی عنی کا حال آب کو کو میجیجا۔ آي نياس كح واب مي محت ريز ايا ( د كلرادً) آن تم ظري نازلي كوسيا یناندایسا بی بوا فررک وقت قیدخانے سے ران کی اور فانے اور کار ایک اور مان کے مردعی مين ان دون تنگ مالي مبلاتها عجي جاميا مقاكرات سي كيد مرد جامون مر انى اوراسے خطى مذاكم حسكار كمرجب ميں كمرب كاتوات نے ايك موديا ربھيے اورخط مي جب تعید کسی چیز مارتم کی صرورت مواکرے تو مانگ لیا کرو شرم نرکیا کرو متم مبتنا مانگو کے دول •اعلام الدرى اور ارشاد شيخ مفيدس مي الوبانتم كي مي دوايت مرقوم ب-ر املام الوزي مهي الارت و مهي ) (19) = صاعر صرائي كالسلام لانا محدین بارون سے روایت ہے آن کابیا كرير والدن م ايك ما حب كرسا قد الوالقلاصا عدن الى كيماس ميما تاكرين أم

میں نے اس سے پوچھا متمارا نام کیاہے ؟

اُس نے کہامیرا نام بہت بن صلت بن عقبہ بن سمعان بن عانم بن اُم عانم ہے ،جو ایک زن عربیہ بن کی رہنے والی تعیق جن کے باس ریسنگریزہ مقاحس پرامیرالمؤنین علیست الم سے

إس واقعد كى طرف الوباشم في الني مظمي اشارة مي كياب ر (اعلام الورى حدوم) ( عيبة الوسي فسلاء كشف الغرجد وسلا ، مختار الخرائ مناف عبد المسلا)

- معزیمار مه کی سلائی

الوجع محربن عيسى بن احرزرجى كابيان،

كميں نے سرمن رائے میں شارع سوق ہرواقع ایک میدز بریے اندرایک نوجوان کودمکھا ' مجھے بنايا كياكريه التى فرجان وسى بنعيلى كاولاديس سيء

راوی نے اس کا نام نہیں بتا یا مگراس کابیان ہے کمیں ناز برا م رما بھا جب سلام

بإحراران فارغ بواتواس فوجوان في محمس لوجها:

مين في المراه المركوفيس حفرت المرالونين عالمستسلام كالمسجدكا

اس نے پر دریافت کیا کہ کیا آب دوسی بن عسی کے گر کوجائے ہیں جوکو فر جاہی ہے ؟ میں نے کہا' ہاں میں جانتا ہوں۔

ہس نے کہا ہمیں اُن ہی اولادیس سے ہوں ۔

اس فوجوان نے بیان کیاکہ میرے والدکے دومجائی اور بھی تھے۔ بڑا مجائی دولتمند تھا ا در صحیہ فیے کے پاس کیے درمقا۔ ایک دن چوٹا محاتی بڑے کے پاس گیا اورانس کے جوسودینارٹر ایلے۔ بيد عائي في دلي كماكمين حقرت حسن بن على بن محدين رضاعيهم السّلام كياس جاوُل كا ، وه برار مشرس زبان بس . اک سے عمل کروں گا کہ جموساڑ معانی کومجھائیں شاید وہ میرا مال والیس کوسے . يه ابتدائے شب کاوا تعدیمنا ، گرحب سے ہوئی تومیں نے ارادہ مرل دیا اوردل میں كباكنهي اك كي باس نهي وبلك ما دشاه كرمعاحب اسباس تركي ك باس حاكر حميد ت معانى ك ا = سنگریزے آئٹ طاہرین کی قہری

سے روایت ہے 'ان کابیان ہے کہ ایک مرتبہ میں حفرت الجمحستدا مام صن عسکر نحا کی خدیت میں حاضرمقا کہ اہل میں میں سے ایک تنص کے لیے حاضر خدمت ہونے کی آپ سے طلب کی گئے۔ آپ نے اجازت دی تو ایک مروشکیل وطویل توسیم اندر داخل موا اورسلام کیا۔ سَبْ في من جواب سلام ديا اور فروايا " بيط ه جاكر.

روميرب ببلوس بيطوكيار

میں نے دینے دل میں کہا ، کاکشن علوم ہوتا کہ یہ کون تفس ہے ؟ حفرت المحسة علاس للم في فرايا برسنگريس والي أس زن عربيركا الأنك ص كرسنگرزے برمرے كابائ كرام نے اپن مبرى ثبت كى ہى -

يدات ندائل سے فرا يا الاؤوه سنگرزه كال ب؟

اس نے ایک نگریزہ نکالا ، حس کے ایک کنارے پرایک صاحب مخدخال کی نے اسے دیا ' اس پرانی مہرشیت فرمائی۔ اسامعلوم مواہے کرگوبالیں اب جی دمکھ راہول کہ

میں نے اس مردمنی سے وجیا اتم نے دولاکواس سے پہلے میں دیکھا تھا ؟ اس نے کہا ، بنین فدای قم ایک وصد سے تمنا تھی کہ ایک زیارت سے سروی

اوراس وقت برجوان ساسف آئے جن کومی نے بھی در کھا ہی در مقا۔ اوروه يركبنا مواچلا گياكم ك البيت رسول إآت حفرات برانسرى رحمت اور با نازل بورآپ حضات سي بعض ذريت بي معنى رسي كوايي ديتا بول كرآپ كاحق مجيم طررح فرض بيحس طررح امراكونين عليك للم اوروبيك ائت كاحق وص تفار حكت والإ آت مک سوئی ہے۔ بیشک آپ اسٹر کے ایسے ولی میں کہ آپ سے مدم علم اور ناوا تفیت کا کوئی م

#### س ف فصدي تون كے بدر دوروزكلا

مفام رَب کے ایک طبیب جس کی عرسوسال سے کچھ زائد تھی نے یہ روایت میان کی ہے اُس نے کہا کہ میں متو کال کے طبیب خاص خنیشوع کے منتخب شاگر دوں میں مقار ایک مرتبر حفرت امام میں بن علی بن محر بن علی الرضا (امام میں عسکری) علیات لام نے میرے اُستادے باس اپنا آدمی جیجا کہ اپنے حلقے کے کسی خاص الخاص شاگر دکھیجے دو ، وہ میری فصد کھول دے۔

اُستاد فی معمنتوب کیا اور کہاچھ ت بن رضائے مجھ سے ایک ادمی مانگا سے جوان کی فصد کھول دے ۔ لہذا تم جاؤ۔ اور مرجی جان لوکراس زمانے میں روت زمین پر اُن سے بڑاکوئی عالم نہیں ہے الہذا جر بچے وہ کہیں اس پر عمل کرنا معترض نہونا۔

اس طبیب کا بیان بے کرمیں آپٹی خدمت میں حاَ حز ہوا۔

آپ نے سنہ اہا معاق اس جرے میں بیٹھ کر انتظار کرو کو مناسب وقت اللہ کا کوخود کا اول گا

حالا کومس وقت میں آپ کی ضرب ہیں بہونجا ، وہ وقت فصد کے ہے بہتن تا مرآپ نے مالا کومس وقت میں آپ کی ضرب ہیں بہونجا ، وہ وقت فصد کا مناسب وقت نہ تھا۔ ایک بڑا طشت لاکر رکھا گیا میں نے رگب اکمل کی فصد کھولی ، خون مسل جاری رہا میہانتک کہ وہ اوراطشت خون سے لبریز ہوگیا۔

آیسنے فرمایا اب اسے روک دو۔

میں نے روک دیا۔ آپ نے اپنا اعمد صوبا اور کے کوباند صوبا۔

بمرتجه سے فراما ، جاؤ ، دوبارہ اسی مجرب میں سلید جاؤ۔

میں تجرے میں جا بیٹھا اور آپ نے میرے یے کافی مقداری کرم و مُفندی غذائدا بمجوادی دمیں فی کم میر موکروہ غذائی کھائیں) اور میں وہاں عصر کے وقت تک بیٹھ کرانت فارکر تاریا۔ آٹ نے مجھے عصر کے دفت بھر بلایا اور فر مایا :

فصدکمولو۔ (اوراس کے پیرطشت منگایا۔) میں نے فصدکولی نواس مرتبر مجی آثا نون نسکا کہ طشت بحرگیا۔

آب نے فرایا اب اسے روک دور

مين فيروك ديا. آئ في في إمركوبا نده ايا اورمع مجرجرت يوالس كديار

یسوچ کرمیں اسباس ترکی کے پاس بہونچا تودیکھاکہ وہ تطریخ کھیلنے میں معروف ا میں و إلى بیٹھ کو انتظار کرنے دگا۔ اتنے میں حصرت امام من عسکری علائست لام کا آدمی میرے باس میرونچا اور لولا:

چلیے آپ کومیرے مولانے یا دفر مایاہے۔

میں وال سے اُکھ کوامس آدمی کے سمراہ جل دیا جب آپ کے ضورت میں بہونیا ؛ آپ ایٹ نے فرما یا کیوں ، اول شب میں توقیس میری خردرت بھی مگر میج ہوتے ہوتے ہوتے ہوتے

نے ارادہ برل دیا۔ اجھا جاؤ وقعیل ہو تصاری چوری ہوگئ تی ، واپس ہوگئ ہے ، دیکھنا اپنے مجائی م مرکزشک درکرنا ، بلک اس کے ساختہ حسن سلوک کرنا 'اسے کچہ دیدینا اور اگرتم نددے سکو تومیر یاس جمجے دینا امیں اسے وے دوں گا۔

ده کهنا بے کریس کرجب میں دہاں سے جلا توراست ہی میں میرا غلام مجے لا اور رئمت اسالا م

بت ياكه دينارون كى تقبلى مل كى -

ابوجبز زرجی کا بیان ہے کہ دوسرے دن وہ نوجوان مجھے اپنے گھرلے گیا' میر ضیافت ک مجرانی کنیزکوآ وازدی کم"لے غزال " یا "لے زلال "۔

مار ہوں ہے۔ میں نے دیکھاکہ ایک صنعیعت العمرکنیز آئی 'اس نوجوان نے کہا ' لے کنیز! فرااس مان مہر اور کی اقد آنہ ہاں ک

مرمه کی سلانی اورنومولود کا داقعه توسیان که

اس کینرنے کہا' منیے' میرے میہاں ایک بخیہ اسکے سخت درد وتکیعن میں جہ موا' میری مالکہ نے محبرے کہا ؛

ذراحضرت ا، محن عسكرى على السيق الم ك كمرجا اورحفرت حكيم سي كمركم وه

تاكداس بجركوشفاموجات.

میں آن کی صرمت میں بہوئی اور درخواست کی حضرت حکیم نے فر مایا:

ذراوہ سلائی تولاؤ حس سے اس بچہ کو سرمہ رنگایا تھا ہجوا بھی گذشتہ شب پیدا ہے۔
یعنی حصرت ا ماجسن عسکری علی سے اس بچہ کو سرمہ رنگایا تھا ہے۔
میں اسے لیکرائنی ماکہ کے پاس آئی ا وراس سلائی سے اُمفول نے اپنے بچے کی آنکھ میں سرمہ لگایا تھا
فور اُسْفایا ب موگیا۔ وہ سسلائی ہمارے باس عرصہ نک رہی اُس سے شفاحاصل کرتے دہے۔
نعدیں وہ سلائی کہیں گم موگئی۔

ا دِحِفْ زَرِّی کا بیان ہے کہ کھرمین محدکو فرمیں اوالیسن بن برسون برمی سے وال اُسے سے واقعہ بیان کیا اُکھوں نے کہاکہ اس اِٹمی نے محد سے مجابی واقعہ ہے کم مکاست بیان کیا تھا۔ رکال الدین جاد ہوں فاقعہ ہے

بہ رحفرت ہم مل صفری ) صرف یا کا پروچات میں آیا اور سے دم مک آپ مجروہ راہب وہاں سے والیس ہوا 'آپ کی خدمت میں آیا اور مرتے دم مک آپ ہی گی خدمت میں ریا۔

مختارالوائع صيروه

مبس وبإن رات مرد مل حيب مبع بونى اورآ فتاب طلوع بوا توجيح بلايا المشت منگوايا \_ ميرفرايا فصدكمولو-میں نے فصد کھولی ؛ تواس مرتبہ مجائے مُرخ خون کے اُس میں سے دودھ کے اندسفيد اده تكلناشروع بوااوراتنا نكلاكر فستت عركيا میٹ نے فر مایا کراب اسے روک دو۔ ميں نے اسے روک دیا است نے ماعد کوباندہ ایا۔ مجھے ایک تھان کیرااور ما رب ردید الود قرط یا اسے سے لو) میں نے بے لیا اور وض کیا 'کوئی اور حکم ؟ آپ نے فرطیا' باں' زیر عاقول ہیں جو کھے اُس سے بات کرو۔ میں وہاں سے اُٹھ کرسیدھا بختیشوع کے باس آیا اورسارا قصربیان کیا۔ اس نے کہا کہ سا دیے حکما ، کانس براتفاق ہے کہ انسان کے بدن میں زیادہ -زياده سات سيرون سرقا مي اوراتنافون جناتم في بان كيا المراني كي في عدانا يا فك تونعب خيزب اوداكس سيمى زياده تعبث جزيب كماس ميس ووده نكلار وو تعور می دربرد چارا میرام دولول مل کتب دن اور تین رات مک کتابی ويجعة سيبه كددنياك تاريخ بس اس طرح كأكوتى واقعدرو خام والبوا مكريم ي كونى اليسا والعربين بختیشوع نے کہا اس زمانے می نھانوں کے اندعم طب کاسب سے ٹرام ديرعاقول كارام يب اس معلوم كري -فيالإ بنتشوع في أس ك نام خط لكهاا ورسارا واتعاس مي مخرركياء میں بختیشوع کے پاس سنکل کرویرعاقول بپونجار وابب نے محصے لیے حجا ' تم کون ہو ؟ مبن نے کہا مختیشوع کا فرستادہ ہوں۔ اسَ نه يوجها "كياتمعارسياس اس كأكونى خطرب ؟ میں نے کہا ،جی ال سے ۔ بین کراش نے اور سے ایک زنبیل دیگاتی ۔ س نے وہ خط اس میں دیکھ دیا۔ اس في اور كميني ليا ، وه خطار ما اور فورًا في أتراكا -اس فرمست بوجها كماتم بى في فصد كمول تقى ؟ میں نے کہا بجی ہاں۔

میں نے اُن سے کہا کہ اہ معلیات لام نے وعدہ فر مایا ہے کہ وہ آج سربر میں سہاں تشریب کی سے بہر میں سہاں تشریب کی سے بہر میں سہاں تشریب کی نہازی کی مسائل تقعیم اور جمینا ہوں اس کی تیادی کرانے کے مدالی قسم معام من منازی خال میں بڑھ کر میرے گھرمی جمع مہوی رہے تھے کہ خدائی قسم حضرت البحد منازی عالمیت لائے میرے مکان بن داخل ہو تی جہاں سب داک جمع سے م

آپ نے آتے ہی ابتدائیسلام کیا۔ ممسب نوکوں نے آپ کا ستقبال کیا۔ آپ کے ماعقوں کو ایسے دیے۔

آپ نے قرمایا کمیں نے حجفر بن شرلین سے وعدہ کیا تھاکہ آج وال کے آخری مصفے میں اگریم لوگوں سے طوں گاراس ہے میں نماز ظہری سرمن دلئے میں بڑھ کے کا فری تھے ہوں تاکہ الیفائے عہد موجائے راب أبنے اپنے مسائل اور ضرور بات میرے سامنے مبائی کور چوں تاکہ الیفائے عہد موجائے راب أبنے اپنے مسائل اور ضرور بات میرے سامنے مبائی کور چاہی سب سے پہلے نھر بن جا برنے اپنی حاجت بیٹی کی اور وض کیا فرزندر مول ؟ ایک ماہ کا عرصہ مواکد میرے ارفیا کی آنگھیں ہے نور موگئیں ۔ آپ الشرسے دعاء فرائی کو آس کی آنگھوں کی بھارت دول آئے ۔

آپ نے فروایا 'اُسے بہاں ہے آؤ۔ وہ آیا لواکٹ نے اُس کی آنھوں پر اپنا با تھ بھیراا وراس کی بصارت لوٹ آئی ۔ اس کے بعد تمام لوگوں نے بیکے بعد دیگے سے اپنے اپنے مسائل وحوائج ہیش کیے آپ نے سب کی حاجت برآری کی ' آن لوگوں کے لیے وعائے خیر فروائی اوراسی دن والیس چلے گئے ۔ ( مختار الخوائج مستالا )

= كنوس كايان اطاعت المميل ورباكيا

محدی عبدالشرسے دوابت کا ایک مرتبہ حضرت اوجستدا مام حس عسکری علیائے الم ابھی بہت کسن تھے کہ کوئی میں گریے اور آپ کے اور آپ کے بدر بزرگا دحفرت امام علی انتی علیات ام نماز میں شخل سقے عورتی چینے چلانے کئیس ۔ آپ نے سام بر برد کرنا دختم کی توفر بابا:
مورتی چینے چلانے لگیس ۔ آپ نے سام بر برد کرنا دختم کی توفر بابا:
مرسب برایشان مزمو۔

مرسب برسیان مربید. برکمر رآب کموی کے باس کئے اور دیکھا توکوی کا پانی اوپر تک بلندم دکیا سف ۔ اور ایام سن مسکری علای سیال میانی کے اور کھیل سے ہے . · طالدض

جعفر بن شرلین جرحانی سے روایت ہے اُن کابان ہے کہا کی مرتب ہوئی سے روایت ہے اُن کابان ہے کہا کے مرتب میں جھٹے کا کہا ہے۔ مرائی ہے کہا کے مرتب میں جھٹے مامز ہوا میں ہے اور اس سے کچھ اور ایک کے بیاد میں سے کچھ اور ایک کہ برمال کس کے میر و مراجات و ریافت کروں کہ برمال کس کے میرو کرویا جائے ۔ کردیا تھا میں نے چا ہا کہ ہے۔ میں ہے کہا ہے ہے۔ مربیا ہے کہا ہے ہے۔ مربیا ہے کہا ہے ہے۔ میں ہے ہے ہے ہے ہے۔ میں ہے۔

خادم مبارک کے سپروکروو۔ رادی کابیان ہے کہیں نے ایسا ہی کیا ' مابر نسکلا اور ابولا رمولا آپ کے ج

رادی کامبان ہے کہ میں کے الیسا ہی گیا ' ماہر مطلا اور جون میسوں آپ کے شیعوں نے آپ کو سلام کہاہے۔

اپ نے فرایا کیا ج سے فارغ ہونے کے بعدتم جرجان نہیں جاؤے ؟ میں نے کہا جی بال مجادُل گا۔

ار بن مراج المجاسنو الم المجاسنو الم آئ سے ایک شوسترون دن روز مع الربع الله کو قبل اف دو برجر جان میں وافل ہوجاؤ کے آؤ وہاں کے شیوں کو بتا دینا کرمیں اسمی دن آن بیاس دو بہر کے اجد بہونچی گا اجہاجا وُ ضاحا فظ 'تم اور تتعارا سارا مال والسباب سلامت میں اور تما ایس دو بہر کے اجد بہونچی گا 'اجہاجا وُ ضاحا فظ 'تم اور تتعارا سارا مال والسباب سلامت میں اور تم اپنے اہل دعیال تک بخیر وعافیت بہونچ گے ۔ متعاریے فرزند شراعی کے ماں ایک بخیال ہوگا ، انشرائس سے اپنے وین کی سبوگا ، انشرائس سے اپنے وین کی سبوگا ۔ میں اس ایسے دوستوں ہیں سے ہوگا ۔

میں منے وض کیا فرز فرسول المراہیم بن اساعیل جرحانی آپ کا شیعہ اور آپ کے دوستوں میں ہے دوستوں میں ہے اور آپ کے دوستوں میں تقسیم کرویتا ہے۔

اور آپ کے دوستوں میں تقسیم کرویتا ہے۔

ہے اور اپنے کے دوستوں یہ ہرویہ ہے۔ آپ نے فروایکہ اللہ کاشکر ہے کہ الواسحات ابراہم بن اسماعیل ہمارے شیعوں سامتہ ہم ہرائی کو ایک فرزند عطا کر سامتہ ہم کرند عطا کر سے کہ دیا گائی ہم ہوں کو معاف فرائے اورائی کو ایک فرزند عطا کر سے کا قائل ہو وائی کا قائل ہو وائی کا فائل ہم جن بن علی نے کہا ہے کہ جب لوگا لو کہ ہو وائی کا فائل ہم ہم کا فائل ہم ہم کا فائل ہم ہم کے بعد میں سرمن دلت سے رخصت ہوا، فرلیفٹہ جے ادا کھیا اور میچے وسلامی حبیب کہ آپ نے فرطیا تھا روز جمع ہم رہیج اللہ فرق لی از دو پہر جرجان پہر نے کی لیے آئے۔
میں کہ اور کہ باد کہنے کے لیے آئے۔

آيًّ آي الكي الكيم الرسيس من اومي الآي مي يجيه يعيم مقام كرير سوق را مقاكر جهور وص بيعس كادانيكى كالظاهركوني مورت نظرتبي آنار است مي آپ ميرى طرف متوج موت اورفرايا ، فكر دركرو بمعال قرض الله يقالي يكه كرآب زين فرس سه وراجعك اورليف تازيل في سه زمين يرايك خطالكايا اورمجدت فرمایا: کے ابد ہاشم ؛ نیمے اندوا وراس خطسے درمیان جو بجدسے وہ لے اور دیمیو اس بات کوکی بینطام رمه کرنا۔ مين نيج اترا اورد ميما تودال سوية كاليك ولاستام سن اسا كماكاني جب ي دكه ليا اوراب يوسوين لكاكما كراس سے بورا قرص ادابوكيا توخير ورد اليفة وض فواه كوكسى ندكسى طرح راضى كرنا بيريب كارعلاوه ازي حارب كازماند آرباب اس ميس كرم كميرون ويوم کی حرورت ہوگئے تجھے ان اخراجات کوبھی وسکھناہے۔ میں برسون ہی رہا تھا کہ آپ میرمری طرف متوقر ہوئے ، اس کے بعدم ک ابنے تازیائے سے زمین پرایک خط کھینچا اور فرمایا کے الوماشم ! اپنے سواری سے اتروا وراسے ى بىلاسى سى دكيا اسى بوشىدە دكىنار میں سواری سے اتر الدرد کھا تو ایک ولاجاندی کا نظر آیا میں نے اسے انھا کہ اپنی دوسری جیب میں رکھ لیا۔ میریم کمچہ دور مزید آگے جاگروالیس ہوئے ۔ آب لینے گھ تشرلف سركم اورس اين كمروالبس أكيار گر میریخ کوسی نے آیئے تون کاحساب دگایاکہ کتناہے ، پھرسونے کے دلیے کوورن کریے اس کی قیمت کا معارہ سگایا تو وہ باسکل قرص کی رقم سے برابریتی ۔ رنم متی اور نہ زیادہ اس کے بعدس نے دیکھاکہ موسم مر ماگذار نے کے بیے مہیں کیا کمیاسا مان بینا ضروری ہے حسس اسرات اورفضول فري عجى مُرسُواوركى بھى درسيد، اس بِكتنى رقم فرح بيوكى . عيرمبين نے جاندی کے واسے کو وزن کر کے اس کی قیمت کا زوازہ دیگایا انو دواؤں رقم برارہی تکلیں انجازی كى رقم زيادة تقى اورية اخراجات ومصارت كى رقم زياده بحتى ...

عجادی کے دیے وورن رہے اس میت اسارہ دیایا کو دووں رم برابری سین جہادہ کی رقم زراجہ کا اس جہادہ کی رقم زراجہ کا در متارا لازی کا میں جہادہ کی رقم زراجہ کا کا خذر پر از خود جہلنے اور ایکھنے لیگا

ابو ہاشم سے روایت ہے اُنگا بیان ہے کہ ایک مرتبہ میں حضرت الا محس عسکری علیست دام کی خدمت بیجا فرج

(4) \_عسكريتن كے روضے كى كرامت

> ر مناسب می امام کی معرفت رکھتے ہیں <u>'</u> کے دربند بھی امام کی معرفت رکھتے ہیں <u>'</u>

روایت کا کی ہے در مقرب ایک امام سے معلی علی ایک کے در مقرب اب امام سن عسکری علی سے در مقرب ابور امام سن عسکری علی علی مقدر است کمان ارب اخراص دُرد ! تجے نہیں علوم کرتے ہے گئے۔
کون مقید ہے ۔ بیرایک مرد صالح اور مراعبادت گذار ہے ۔ مجے دُر ہے کہ اس کی وج سے آہیں ا

پر میذاب نازل ند ہوجیے۔ اس نے کہا کو ریکہتی ہے ، میں توان کو در ندوں کے والے کرنے والا ہوں۔ اس کے بعد اس کے بعد اس نے حاکم سے اجازت لیکرا مام علائے ہام کو در ندوں کے کہتے میں وال دیا 'اورجب بورائیتین ہوگیا کہ اب در بذے المغیس کھاچکے ہوں گے ، وہ اخیب لیکھنے یہ گیا اور دوسرے تاش میں لوگ بھی دیکھنے کے لیے بہوئے تو دیکھا کہ امام علائے ہام مماز ہے۔ میں اور تام در ندے آپ کو چلق میں لیے ہوئے آپ کی زیارت یں معروف اور اطاعت میں برائی

سی اور کام درندے آپ تو تعظ یا ہے ہوئے آپ کا فارٹ کی کوف کروں کے اس کا اور کا میں کا بنا گئے۔ میں اس لیے جورًا حکم دیگیا کہ آپ کو اکس کٹیرے سے نسکالا جائے کی کیونکراس میں آپ گئے۔ فضیلت تنی ۔ ( کافی جدد صلاح )

م = زمین نصب فرور سونا اور جاندی اگل دیا

الوہاسم سے روایت ان کابیان ہے کہ ایک دن حفرت الو مستدا ماجس عسکری علیست یام این سواری پرسلا ہو کرموالی طرف تشریع ہے جس بھی اپنی موادی پر سوار موکر آپ کے سامق مو تعلیا

بجيمي نزتمار اورايك معمى انمطاكرفرايا: لوبيمصارى دونون جادرول كي قيمت منابغ

وه قیت میکوس با مرنسکلاا ور دروازے برآ کر قم شار کی تو واقعًا اصل قیمت مع نفع بورى يورى تقى مد نم مقى اورى زيايده مبرس والدى تحريب بالكل مطابق \_

( مشارق الانوار برسی )

ا = قيرفانه جي آپ کويا بندر کرسکا

الونجف مصری سے دوایت، اوروہ اس صدیث کولینے رجال کے ذریعے سے ابولیقوب اسحاق ابن ابان تک بہونیاتے بن. الوبعيقوب اسحاق كابيان ب كرحفرت الومستدامام حسن عسكرى علاكست أم جس وقت قيدخاني بهم مقيّد مقع اكتب لين أصحاب اوراين شيعول كي ياس آدى بيج ويأ كرت ع كفال رات كوعشارك وفت فلال بن فلال كرهم فلال مقام براجانا المهي

حالا کدتیدخانے کے برے دارا ن واحد کے لیے سی قیدخانے کے دروازہ سے مرانبي موته تعدر دن مي ادر دات ميد

چا بخدمریا نجی دورتمام بپرے دارمعزول کرکے دومرے بیرے دارمنعین کے جاتے اور الفیں سخت تاکیری جاتی کرتید خانے کے دروازے سے سر کر جرانہ ہونا۔

دوسري طرف آپ كاصحاب معيمندمقام يرميح كا جلت اورآب وبال بر حسب وعده تشرلین لے جاتے ۔ سرب لوگ اپنی اپنی حاجتیں آب کے سامنے بیش کرسے اورآپ سرایک کاچتیت اور منزلت کے مطابق ان کی حاجت دوائی فرماتے۔ میروہ لوگلینے این گرون کوائیں چلے جاتے ۔ اور آپ قیدخانے میں آجاتے ۔ (عیون المعرات)

ال= سرش هوط المي آميكا مطع بوكيا

احمد بن مارت قر و بني كابيان

كهيں اپنے والد كے سا مقوسرين رائے ہي درشائقا. وإلى ميرے والدحفرت الوجسيند ا مام صن عسری مالیست لام کے اصطبل میں نعسل بندیتے۔

مستعین کے باس ایک خجر متا احس کے قدلی بندی اور ولعبورتی میں کوئی اس کا شتل دُنخا بِحرق مُرْتُوابِي لِيسُت پرزين كينے ويتا اور ندمنوس سگام لسكانے ويتا عنا يما محرول

اس وقت آب کی تسریر دارسے تھے کہ اتنے میں ناز کا وقت آگیا ، آب نے اپنے اِتھ سے قلم ا كاغذركما اور كاز برص كي لي أعظ كريج كئ يكرس في نظر المطانى توديكما كمات كا فلم خود بخود كافذ برهل رباب اود كم اماراب يهانك كدأس في سريك وَرَك بهو بإداء به ومكم المرسي سیدے می گری ا رجب آب ماز برص کرفارغ موٹ اوروالبس آئے تولم کولسنے ہاتھ ہوسے لیا اور فري مي اول مارياني ديار

پرسی نے کتاب مشارق میں حن بن حران سے اور اُمغوں نے الوانحس کرخی سے روا ك بدأن كابيان ب كرميراباب كرخ مي بزار كاكام كرتا تصار ايك مرتبراس نع كيوس ك الك كله مرن لك يجل كے يہ محد ديا حب ميں وبال بيونجا توايك خادم مير يكس آيا وراكس في ميرا ورمير باب كانام مي كرجي واددى -

اورلولا: چادىمعارى مولانىمىس كىلاياسى -

میں نے کہا مرامولاکون سے حس کے باس میں جاول ج

أس نے كيا: ميرا كام بيغام بيونيا نامقا اب كل كراايا دكرا آب كاكام ہے . بسن كرمس اس كے بیچیے سے پار وار وہ مجھ ایك ایسے عالی شان مل میں فرا

كره كي حِزّت بوني مي مجي كوئي شك نبي بوا - وبال بين ني ديكاكرايك صاحب مبزراً

پرجیتے ہوئے ہی جن کے چہرے کے لورسے آنکھیں خرو ہونے لیں۔

حب میں اُن کے پاس پہونچا توا تغوب نے مجھ سے فرمایا ' وہ چوکہ لیے کا کھے تم اللہ سواس دوچادری س رایک فلال جگری بن سوقی سے اوردوسری فلال جگری اور بیف ا كاسباب مخارت مي بسيه ان مي سع مرجاد دي ايك رقع ركا بواب حس براس چادر کی قیمت اوراس پر نفع کی رقم میں ایک میں ہوتی ہے۔ چنانچہ ان میں سے ایک کی اصل قیم میں تينيس ديناراودلغ دكودينا دوقوم ب- دوسرى كى صل قيمت تيره ديناراور لغ دودنسيا

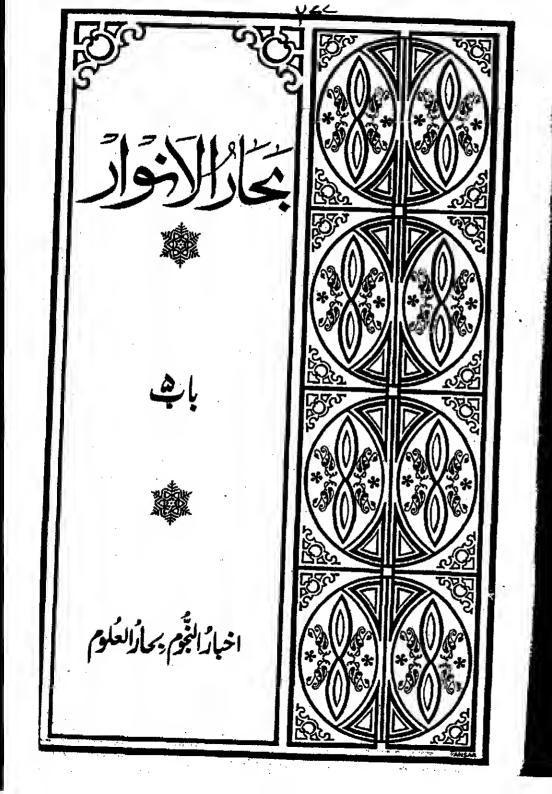
مرفوم ہے . جا زا وروہ دونوں جادری سیسكرآ ؤ-استخص كابيان بيركمس وحدونون جادري سيكرآث كاحدمت بماحاف

اورآب كے سلف دكھدي ر

آت نے محد سے زمایا ۔ مبلوجاؤ۔

میں سینے گیا مگرآپ کے رعب وجلال کی ومرسے ست نہونی کرنظرا مطا

الله يكا طرف ديكيون -اس کابیان ہے کرمیرآٹ نے فرش کی ایک جانب باحقد برصالی حالانکر دیا ہے



اور فح وسرصانے والے مع ہوگئے ۔سب نے اپنی اپنی تدبیری مرکوئی میں اُس کی پشت ستعین کے بعض مصاحوں نے کہا 'آب اُ پناادی بھے کرحفرت من بن الرضا د امام من عسكي بالسيسيام كوكيون نهي بالسيق في يونكه ما تووه اس پرسوار سوجائي كے ورج مستعين في آدى يميح كرحفرت البحب مدوليت لم وبلوايا اورمير والد يني ان كاكام نمام كردے كا می آئے کے القامتعین کے باس گئے۔ حب آئي ستعين كے گريں داخل ہوئے تودينا الكر كمركے صن مي وہ ت كوالهواب - آب ني ابا م تعاس خيت كى بشت پردكا اور با تقريطة بى خيت كوب يذاكيا اس نے آپ کوخش آمدیکها اور اولا وراآپ اس خیت رکے مقدی سلام لگادی -آي فرايا معاواس كولكام نكادو مستعین ند کیا انہیں الکیس جا تہا ہوں کہ آپ ہی سگام لگائیں۔ آت نفرایا اجها اگرتم بی جاسته بوتویس بی اس کولگام لسکا کے دیتا بول-يركه كرآت اسط ابني جادرانك طرف ركعى اور بشره كراس فحبت رك منسس لكام لكادى اوروالس آكرائي جكرمين كي -مستعین کی کہا ، دراس کی پشت پرزین می آوگس دیں۔ آت في مير والدس فرمايا معادُ اس برزين كس دو-منعين نها، نبي ريي عي آب مكس دي تومېر بوگار آت مير اصفى اورائس بردن كس كريلي آئے-منعين في كما أي اس پسواد مي بوراسكتين ۽ آب نفرمایا مکون منزل يكر كرات بوهد اوز حبة رمي چپ چاپ كھوار ارآب بلامزاحت اس برسوان موسى السي كودالى جال بردالا ووه بهرين رفتان على الله الروالي الكيار مستعين ني كوا اس ريم يكوام والموسين في مقايا . حفرت اوم تدنيمير والدس فرايا عاداس فيركى لكام بكرواور يجلو ر ساقب جديم مدسي مفتار الخرائج ده اس کی ملام پڑو کرنے آئے -

غلام کیاا ور داسب کی انگلیوں کے درمیان ایک سیاہ رنگ کی ہڈی می است نكال لايا والم على المستقبل من وه مرتبى في الله

اس كه لعداتي في اس الربيس فرماياكه اب دوباره بارش كه يا دعسا

كرولو جالون كرتمهاري دعامين تاثيريه -

وامب نے ندامت کے ہاتم دما کے لیے اٹھائے ، بادل اگرچہ گھرے موٹ متھ ليكن اب بجائ برسنے كے يَحْمِنْ سَكَ اور ديكھتے ہى ديكھتے آ فتاب كل آيا ورطلع صاف مولكيا خليغ وقت يرسب كجدد كيدر إحقائك لكاء له مستمر إير مركسي بي إ آپ نے فرمایا ' یہ ایک نبی کا مگری ہے جواس دامہب کوکہیں سے ہاتھ آگئ ہے اس طری میں برصفنت ہے کرجب بھی اس کوزیر آسمان مرسنہ کیا جلسے گا فورا ہی رحمت بارال کا نزول ہوگا۔ بہی وم یمی کرجب بے دامیب اس بڑی کو اپنی انگلیوں میں دکھ کر ذراسا برمبٹر کر آتھا بارسش شروع بوجاتی متی ر دامه می دا تی کوئی کرامت نہیں ہے ۔ حرف اس مُری کی وجہ سے نزول رحت باران سوتاريل. (اس كي بعدجت لوگ ولال حمع مقصب كواس بوكشيده نبي کی مفری کا داز بتا باگیا ، حبی کی بنا دبر جولوگ اینا عقیده جهود کرنعیاری مودیدے تنے پھرلیے تعییر

بروابس آگئ اورحقیقت امرکوحان گئے۔)

( مُجَدُّدُ لِل كُنُّ صِيلًا / كَسَعْتُ الغِرْ مِلْوس صلامًا )

سے جاسو*س کی نشاندہی* =

الوماتم حبفرى سے روایت سے کرایک بار حفرت المجسستدامام من عسكرى عليك المعلى مهار سائعة قيد موت اس قيدخان كا واروغه صالح بن وصيعت تعار قيرخاني ممارس ساعق ايك مروجى عي تقاجس كادعوى

جِنَا يَ حِفرت الجمس مَدا ما حس عسكرى عليست لام قديون كى طرف متوجر بوئ اور فرطا الرَّتِم وكول مِن ايك شخص اليها خرم والحوتم من سي نبي سي توسي بتا تاكرتم لوكول كولا في

بركه كراكي في أس مروحي كى طرف اشاره كيا - وه مجمع سے نكلا-س نے مرفرال شخص تم س سے نہیں ہے۔ اس سے احتیاط برقوا وراس سے کڑوں یں ایک۔ تحسیریمی ہے حوامی اس نے میعان وقت کومقل کرنے کے لیے تم لوگوں کی گفتگو کو نبى كى برّى اود رابب

على بنسسن بن سابورسے روايت ہے كي ایک مرتبرحفزت الماح س عسکری ملاکست الم سے زمانے میں سرمن رائے میے اندرقع ط پرکھیا خلیغروفت نے اپنے کا جب اورلیے اہلِ ملکت کوبھم دیاکہ سب نوک نازاس شسقام

چاب<sub>خ</sub> به نوک تن دن تک سل استسقا بر کے لیے صحابی ماکر نماز طریعے رہے

چی تھے دن جانلیق اپنے مضاری کے گروہ کے ممراہ اور دامیوں سے ساتیونکا ان کے ساتھ الک لیا راہب می تعاجب وہ دعار کے بیے ہاتھ اسٹاتا معا ، قوفر ا بارش ہونے لگی متى ـ يرد كيم كربهت مع مسلما نول كاليمان خطرے ميں پراكيا ' لوگر جران تھے اور نسر انبيت کی طریت مائل ہوستے حیارہے ستھے۔

يصورت ديكه كرخليعة وقت في حفرت المصن عسكري على ستالم كياس اينا آدى معيجاءات استراس فيدسق رات وتب مع مكالاكهار

خلیف وقت نے عرض کیا وزندرسول ! آب این جدک ات کی خبر لیمے بلاک

آپ نے فر مایا' احیاکل میں صحرامیں جاؤل گا' اورانشار الشریعائے ساسے

چنائجند دن جائین لین راہوں کے ساتھ بجر نبکلا ادھر سے حضرت او محستدا امام صن عسکری علی لیست کام جائے ہیں اس کام سے ایسے آئینے ویکھاکہ اس راہب نے اپنے اِتعا تعبیلائے اور بادل گھرنے لگے۔

اب نے نے منادم سے کہا جاؤا وراس رامیب کا دامہا ما مخرکم اواولاس کی وواولا انگلول کے درمیان وجیزے اسے جیس کرمیرے باس اور

(۳) <u>معتمد کی قیدسے رہائی کاعلم</u> حمدين البازعغوان خصصفرت الومحستد ا ما م حسن عسکری علاست بلام کی والدہ گرامی سے روایت کی ہے کہ ایک دن مفرت الجست ف مجس كباكر و المحدرايك معيبت آنى ب على ب اس سے جنگاره مذل كے يين كرس روسنے اور پينے لگی ۔ آب فرمایا مصف محصاصل نبس معمر سرووان مورسها جنا پخرجب سندم كا ما وصفر آياتوان كى والده كونه أعظم كل منطق جين -برون مدند کے باشندوں کے پاس خبر کے قبتس میں جا یا کرتیں۔ الكيرتبدائنين خبرطي كمعتنرسة حضرت الومحسستداوداك كيمهانى حبفركوعلى بن جرين كى قيدس ديدياب ادروه على بن جرين سے سر كمدان كاحال معلوم كرا ديا اوروه بتاتا رمبًا كرحفرت المجمست مدون كوروزه ركهت بهذا ورشب بمبرنازي پرصت رسمني بي-معترف ايك دن معرال كامال لوجها على بن جريف في وي بتايا-اس نے کہا احیابی جاکراًن سے میراسلام کواور بہر کہدوکہ اب آی آزادیں لینے کھونشرلیت ہے جائیں میں نے آپ کو آن سے اپنا معالحب بنایا۔ على بن جرين كابران بركرجيمين قيدها ذك وروان بربيونجا توديكم اكر وروازے پرسواری زین کسی موتی تیا دیکھڑی ہے۔ اندر گیاتو دیکھا کہ آپ بھی موزے بہنے ایرانی سبرحادردوش يردك تارسيطي بيار حب آب نے مجھے دیکھا تو چلے میں نے آتی کوربائی کا حکم شنایا توسواری حب محوث برسوار موسيع توكفوت ربء میں نے اوجیا اب آپ کیول کھوے ہیں ؟ آت نے فروایا ، حفر کے تنے کا سطار کرر ایوں . میں نے کہا ، مگر رمان کا حکم توصرف آٹ کے لیے ہوا ہے۔ اس کے لیے توسی ہوا التيفة والما معتدت والكوكم دولال ايك كوسة استبن السب جادلال وہ برے سا تعدنہ ہوگا تو وہاں کیا ہوگا ، یہ بات تمسے بیٹ یدہ ہیں ہے۔ على بن جرين كابيان ب كمس معتد كي باس كيا اوروباس سد والبس أكرتبا ياكم معتدف

ین کر کھے لوگ اسطے اوراس کے مباس کی الماشی لی تواس پرسے وہ تحرر مرآمہ بونى حس مين ائس في تأم قد إلى كى لورشيده كارروانى درج كى تى بعين يسلسطان كومطلخ كبا كيا مفاكر سم اوك قيرخان ي نقب سكار بجاكة كى فكرس سي -ابو إشم كابيان سي كرحضرت الم حسن عسكرى علاست الم ودرس ركعة تعالم سے وقت آپ کا غلام آپ کے گھرسے ایک چراے کے سرمبر تھیدیں آپ کے لیے کھانا لا تا اور ہم نوگ بھی اسی سے افطار کرتے تھے۔ ایک دن میں صعبت کی و درست روزه نه رکھ سکا تو دوسری کومفری میں حاکمیس مے سوکھی روٹی کھائی تاکرسی کوتے رہ جل سکے راس کے بعد میں آپ کے باس آ کرمبی گیا ۔ آب نے دینے خلام سے کہا ؟ او ہا تم کے ہے کھے گھانے کی چیز لاؤ سے دور ہے۔ يين كرمين سكوايا "آب ف يوجها" الوياتم وكون سكرار ب يو جب م رون سے نہیں ہو توسومی دون کھلے نے سے کیا قرت آئے گا ۔ گوشت کھا و تاکم تھاری کمزوری دور ہے میں نے عرض کیا واقعًا 'اسٹر' اص کارسول اورآٹ حفرات سیتے ہیں 'آٹیا ہ كوالشرك لامت ركھے۔ اورس نے کھانا نشروع كيا۔ آپ نے تین با د فرطایا ، (ب تین وق دوزہ نہ رکھنا 'اس لیے کردوزے سے جوکھ پداہوتی ہے وہ تین دن سے پہلے دور منہیں موتی۔ موجب وه دن آياهس من آب كور مائي منه والى متى . آپ كاخادم آيا اورلوجها: المَّتُ الْآك كاكما نالاُول ؟ آپ نے فرایا الاقر ہا آخیال مقاکر ہم اس میں سے نکھا سکیں مح مگر کھا ناظر کے وقت آیا 'آپ دون سے تھے اعمرے وقت آٹ کورالی مل . ا بَ نِهِ وَمِا إِذْ اللهِ يَهُمَا مَا مُؤكَّ كُمَا لِينَا السُّرْمَةِي مِبَاكِ كِر -( مثارالزائ موسا- ١٣٠٠ ، مناقب ملدم صنصم - ) اعلام الولى مي بجى الوباشم كابي روايت الني استادس مرقوم ہے -( اعلام الورى مصحر مهم )

چنانچرالیسا ہی ہوا کچہ تو در گلیں نے اگر نبا ہی مجادی اور کچھیل ہوباتی رہ گئے تھے وہ سوکھ کرصشفہ بن گئے ۔ اورالنڈ نے آب کے منٹورہ کی وجہ سے تھے اس نفصان سے بچاہیا۔ د کسٹف الغم

(٤) = علم اصلاب وارحام

محرب علی بن امراہیم ہمدانی سے روایت ہے اککا سے اوا یت ہے الکا ہے ہمدانی سے روایت ہے الکا ہے ہمدانی سے روایت ہے الکا ہیا ہم میں نے حضرت الوحمستدا مام حن عسکری علا لیسٹ بام کو ویضہ لکھا ، حبری التب الکی کہ آپ دعار فرمائے ۔ کہ آپ دعار فرمائی الشریح میری چھا زاد ہن کے بطن سے لاکا عطا فرمائے ۔ آپ نے جواب بی محسد پر فرمایا ، الشریح میکن نوائے عطا فرمائے ۔ جنائی ہے آپ کی دعار اور السکی عنایت سے میرے بہاں چاہیے ہیدا ہوئے ۔

علم ارهام

ابن فرات سے دوایت ہے اُن کا بیان ہے کہ میں سرمن سائے کے محقے عسکریں ایک راستے پر بیٹھا ہوا مقاا در مجھے اولادی بحد متناسی ۔ اتفاقاً اوھرسے حفرت الوق سندا مام سن عسکری علیات الم کی سواری گذری ۔ میں نے آپ سے عض کیا مکم وزنڈ رسول ؟ آپ کے علم کے مطابق میری قسمت

بیں اولادہ یا مہیں ؟ "ت نے سر پلاکر فرمایا ' ہاں ۔

میں نے عرض کیا تھریہ فرادیجے کہ نو کا ہوگا یا اولی ؟ آپ نے فرایا اولا انہیں۔

پهريرے بياں روكى پيدا ہوئى ۔ (مندر الزائخ مالات)

كشعن العنه مي ابن فرات كے بجائے حيفرى محترسے يہى دوايت مرقوم ہے۔

وكشف الغرجارس صربيل

وكشفت الغر جلاس مسطك )

﴾ — پېغېروشنانی کې تخرميفلان کې ہے

 كې كې كې ئى دجەسى ئىلى دى دىنى دىلى ئىلى دادرىس ئىلىك ئىلى ئىلىكى دۇنىكى دۇنىكى دۇنىكى دۇنىگى دۇنىگى دۇنىگى دۇنىگى ئىلىدىكى دىنىدا.

معِرَبِ جَعَرُ كُونِ سِكُرلِ بِنَ تُعْرَائِ حَدِي الرَّالَةِ مَسَّلًا)

• حمري في محدوى سے روایت ک ہے اس کا بیان ہے کہ جس وقت مقرت الجسم لا الم عن مسکری علی است الم معرکی قیدسے رہا ہوئ قدیس نے آئیہ کے ہامڈ کا کھی ہوئی پر در کھی اللہ میں اللہ علی اللہ علی اللہ علی اللہ علی اللہ علی اللہ علی اللہ میں اللہ علی اللہ اللہ علی اللہ علی اللہ اللہ علی ا

وشمن توبماريسل وقطع كرنا چاہتے تھے

کھری ہی ہے دوائید اِمّر کے سسادسی ثقات دمعری ) میں شمار کیا جا گاہے ۔ اس نے بیان کیا کہ ، اس نے بیان کیا کہ ، اس نے بیان کیا کہ ، اماست کی دلیوں میں سے ایک وہ روایت بھی ہے جوحفرت حن بن علی عسکری علیات است وقت والادت حفرت م ح م د (ابن حسن) کے متعلق بیان کی گئی کرآ ہے نے فر مایا :

د ان ظالموں نے مجہ لیا مقا کہ وہ مجھے قسل کرکے ہماری نسل کوقیلے کردیں گے لیکن انفوں نے دی اللہ ہے کہ اُس قاد دُرطِلت کی قدرت کیسی ہے ۔

اس کے بعد آبٹ نے اس مولود کا نام موُمّل دکھا۔ (مجھ الدعات صفعی ) (عنبتہ کرشی م<u>صلا</u> کا ا

مختاد الحزائج میں بھی محد ب اقرع کی یہی روایت مرقوم ہے۔ دختار الحزائج میں میں الخرائج میں مانی جلد: ص<u>ویہ</u>)

پوشیاربونڈیوں کاخطوہ ہے

کتاب الدلائل میں الدیکرسے روابت ہے کہ میرے ایک دوست نے میرے سلنے یہ تجویز میش کی کہ آؤم ہم اورتم دونوں ل کر مختلف اطراف وجوانب سے ماغوں کے میل خریدیں یہ میں نے حصرت الوجم سقدا مام حن عمکری م کوخط اکھوکم آپ سے مشورہ جایا۔ سے میں نہ نہ میں اور اس میں تا والکارٹ کی مذہب کی وزارہ اور آلدا اور

آپ نے فروایا ' اس تجارت میں تم بالکل شریکب نہ ہو۔ کیا تھای نظر مڈلول اور مجلوں کے سوکھ کرچشفہ بن جانے پر نہیں ہے ؟

آت نے فرمایا بیائے گفرحاؤ کل جواللہ کرے گاوہ بہر کرے گا۔ دوسے ون مجرکانیتا ہوا آیا اور اول کر ابن بغا کا آدمی نگینہ لینے آگیا ہے۔ آب نے فرمایا اس کے ساتھ جاؤ الشرو کریے گاوہ بہتر کرے گا۔ ينس في كما " قا إمين اس مع الركيا كول كا ؟ آت مسكرات اور فرمایا ، تم جاو اورسنوكدوه كياكت اب اورج بوگا وه بهتري بوگا يونسس كياا ورخ ش وخرم والبس آيا اوراولا : مولا ! ابن بعال في محصي كماكريرى کیٹری آلبس میں حکوری میں کیا تہسے مکن ہے کہ اس کے دوٹکویے کردو اور حبارا حتم موقائے آپ نے فرایا ، روردگارا! تراشکرے تنے ہیں ایسے دگوں می قرار دیا جترا آبِّ نے اوجیا مجرتمنے کیا کہا ؟ پونس نے کہاکہ میں کے اسے مطمئن کر دیاہے کہ اجھا میں کوشش کروں گا۔ آب نے فرط یا محصیک جواب دیا ۔ (مناقبہ آلوان طالب جلدیم مشہر ۱۳۲۰) ( لوط: ) يهي قعة لعينه حفرت المام على النق عليت للم كيم عجزات مي مي مندرج سيما ود بظامروي دوست ہے اس لیے کہ کا ورائ می کے اصحاب بیسے مقار ال ساس محود المحوث كوشام سقبل بى فروخت كردو الحسين بن زيد بن على سے روايت ہے اُن کابيان د ہے کہ ميرے باس ايک تھوڑا مقاحس پر تھے بهت ناز مقا اوداكتر محبسون اوصحبتون مي امين اس كا تذكره كياكر احقار ايك دن بيس اس پرسوار موكرحفزت الوفسسد كے كامر بهونيا۔ آت نے اوجیا وہ گھوٹا کہاں ہے ؟ میں نے کہا ، وہ آپ کے دروازے پر کھڑا ہے۔ آپ نے فرمایا ' اگرگوئی گا کمک ہے تواس کوشام ہونے سے پہلے ہی فروخت کردو۔ اس يادير ندكرو. آيت ابي بين تكسكين بلث عق كركوى أيكاا وريات كه لكى -راوى كابيان ب كمي اس فكرس وإن سه أمطر حلا اورجاك بي بعالى سعاس كا

چاہذاس نے ایک خطابغیرروسٹنائی استعال کے ہوئے لکھا اورتمام خطوط کے سانخذاسيمي دكوديار ا ام علایت لام نے ہمارے مسأل کے جواب دیدے اوراس کے بہیے براس کا اوراس کے والدین کا نام لکھ دیا۔ اری ہ مام محددہ ۔ یدد محدر اس عنش اکیا دب عن سے افاقہ موالو آپ کے حقیق ام مونے کامعتقد الوعلى مطبرى كابيال بي كرقا سے آئے کواطلاع دی گئی کہ چے ہرجانے والے پہاں سے والیں آرہے ہیں' آمینیں ڈر ہے آ کے بھے توبانی نایاب ہوجائے گا ' پیلے مرجائیں گے۔ آت نے اس کے جاب میں مخرر فر مایا اوالیں مذاکر ج کو چلے جا و اسٹا راسلا طرح کاکوئی خطرہ سی ہے۔ لهُذَا جِولُكِ ابِي والسِ بَهِينِ بِوسُهِ مِعْ وه فِج پرجِهُ كُمُ اومِعِ سلامَ رہے . انفیل مایس کی کوئی اذبیت نہیں ہوئی۔ مشتقيل كاعلم كافرر خادم كابيان بدكر إنس نقاش بماسه سيرو ک حاست په برداری اور خدمت کیا کرتا تھا۔ ایک دن وه کانیتا مواآیا اور عن کرنے ملا الے میرے سیدوسرواد! میں وہ كرتا بون كدميريدابل وعمال كاخيال ديك كا. آي فرايابميابات سه اس نے عرض کیا اس اب میرااس دنیاسے کوچ کا انتہام ہوگیاہے۔ آت نے فرایا الے ویس اس اسام ؟ يونس نے كہا' ابن بغا دما كم ) نے مجھے ايك نگيند دبا محا جب ميں اس پيفتش كري مكانووہ يك سے دوكريس بوكياس كوكلى شيخ كاوعدہ سے ساوروہ ابن بغلب الجبزار تافيالوں

الواشم جعفري كابيان

بوع مسلم المعالی الوالحسن عالیت المام نے رحلت فرائی توان کے فرزند حفرت ابوجمہ تدحین عسکری عالیہ اللہ اُن کی تجہز و کفین بی شخول ہوگئے ' اور آپ کی ہجیشنولیت سے آپ کے غلاموں نے یہ فائدہ اُٹھایا کہ آپ کے نباس و فقدیات دغیرہ سب ایمٹا کمیں ہے گئے ۔

جب آب اس سے فارغ ہوئ تواپنی نشست گاہ میں اکرتشرلین فر ما ہوئ ا اوران سب خادیوں کوطلب کیا اور فر ایا : جو کمپر میں ادھیوں گا اگریم لوگ سے سے بیا دو کے قویمری

سزاے مفوظ رموکے اوراگرم لوگ اپنے انگار پری احرار کرتے دہے تویس تمیں خود بناؤں گاکرتم میں سے کوٹ خص کیا چرنے گیاہے۔ اور مجاس وقت تم میں سے چیخص جس سزا کاستی علیہ۔

گا اس گووه سزادو**ل گ**ار

اس کے لجوفر مایا الے قلاں او یہ برچیزی ہے گیاہے اور اے فلاں تو یہ چیزی

ئے گیاہے۔

ان سب نے آفرار کیا 'کر' بی اوں۔

آبيت في والي الصواليس كرور

بعرات سكوملت كي اورسب في مام جري والبن كردير.

اسماعیل بن محدبن علی بن اسماعیل بن علی بن عبدالندین عباس سے دوایت ہے ان کا بیان ہے کہ ایک موتید میں مرداہ مان کا بیان ہے کہ ایک موتید میں حفرت الوحسة را ان کا بیان ہے کہ ایک موتید میں مقدرے تویں نے دُن سے اپنی پرسیشان کا شکوہ کیاا ورقع کھائی کہ میرے باس ایک درہم بھی نہیں ہے اسرومت میں بہت ننگدمت ہوں۔ مذکھانے کے لیے کچر ہے مذون کو خوات کو۔

ایٹ نے دوا یا تم اسٹر کی جوئی تم کھاتے ہو۔ تم نے دوسودینا دلوڈین میں وفن کر رکھے ہیں ' بیمیں اس لیے نہیں کر روا ہول کرتھیں کچہ دینا نہیں چاہٹا۔

بهرآب فداب غلام سے فرایا کریٹرے پاس جو کھی موود اسے دیے۔

آپ كے غلام نے مجے سود بنارديے۔

ميركث وكاطون توقر بوشد ادرفرايا بسنوجق وقت تحييل ابينه وأل يكع بوسته

اُمغوں نے کہا' میری مجدیں نہیں آ تاکہ تمعیں کیا دلئے دوں ۔ میں ابھی اسی لیس وٹیٹ میں مقاکرٹنام ہوگئی ۔مغرب کی نماذسے فارغ ہوا آوسائنے دوڑا ہوا کیا' ا ورلولا : ۲ ہب کا گھوڑا ابھی ابھی یک بیک مرکبا۔

اب میری سجد مین آیا که حفرت الوقعت شدعلیات ام نے اسی امری طرف اشارہ کیا ہ دوسرے دن میں حفرت الوقعت شدا مام من عمکری علیات بلام کی خدمت میں حافری اور طربی بدکر رابع تاکہ کاش آت اس گھوڑے کی جگر کوئی دوسرا گھوڑا دیدیتے ۔

المحدير ع كه كهند سه يهد بى آب فرايا ، بال بال مين اس كلورك ك جر

دومرا كموراديا بول.

برگر کرآپ نے لیے غلام سے فرہا کہ میراکمیت رنگ کا گھوڑا انفیں دیدد۔ بچر محجہ سے فرہا یا میں متعارے اُس گھوڑے سے مبرتہ اس کی عمر بھی طویل ہے اول کی جال محی آھی ہے۔ کی جال محی آھی ہے۔ کی جال محی آھی ہے۔

اعلام الواری ، ارشاد اور کافی جی علی بن زیدسے اسی کے شل روایت ہے۔ ( اعلام الواری مناقع ، ارشاد مستقع ، کافی جلدا صنافع )

١٢ = عسلم بلايا

اتفاق ہے ایک مصیبت وارد ہوئی میں پریشان ہوااور حفرت الومستد طیست ہوں کی خدمت خطاب کے المحسن مصیبت کے لیے المحس کی خدمت خطاکورکر دریافت کیا کہ جس مصیبت کے لیے آپ نے والے مقاکیا یہ وہی مصیبت ہے آپ نے جواب دیا 'نہیں' اس سے مجامخت مصیبت۔

میں نے جب جبی تو کو تو معلوم مواکہ یہ اعلان کیا گیلے ہے کہ جو تھے پکرا لاے اس کو ایک

درم الغسام على الدرات مع على و مستعدالغر مبدر مستود )

مختار الخوائخ مِن مجى على بن محد بن زمادسے اسى كے شل دوايت ب ر ختار الخوائخ ب

نذكرو كيا به

ی نشانی *ضرود کمتی* ـ چنانچ میں ایک مرتبہ حصرت الوم تبیشن عسکری علاکستے لام کی خدمت بیرح احراد ا میراارادہ مقاکمیں آئے سے انگڑئی کے کیے جاندی دغیرہ مانگوں جس کوبرکت کے لیے میں اینے یاس رکھوں میں آت کے باس بیٹھ گیا اور مالوں میں یا وندرما کرمیں کس مے آیا تھا۔جب وبال سے چلنے كااراده كياتوآت في ميرى طرف ايك انتوعى جينك دى اور فرط يا : وتمهارا راده جيأندي ماشكنه كأمقاء مين تميس بن بنائي المحومى ديبًا بول اساس تحيين نگيندا ور منوائي كائبى فائده مؤكيا - الشرخفيس مبارك كرے-ومناقب حبدم صكك (١٧) = قرآن مخلوق خداب الوباشم كابيان يبي كدايك مرتبهم برسيحاي آیاکیس حفرت الوف سدا ما حق عسکری علالت ام سے دریا فت کروں کہ آب کا قرآن مجید کے متعلَّق كياخيال ب ؟ وه مخلوق ب ياغير خلوق (الجهي يهات يمر حول ي يم عني كم) آت مرى طرن متوقر بوك اورفر مايا كيا حفرت الوعبدالله إم حفرصادق على روايت تم تك بين بهري جن س تي في فرما ياكر جب سورة قبل هو احدة احدا نازل موالو السُّرتعان في اس كے جارم زار رفیق فرمائ اوريسوره ملائكه كے جس كروه كى طرف موكر كُرْزما تقا توسب نہابت خضوع وخشوع كے ساتھاس كے سائے جھك جلتے اور كھتے كراس كى نسبت رب العرّت تبارک وتعالیٰ کی طوف ہے۔ ( مختار الخزائح مشیع ) السير آپ كى ئونى دىل امات تانكى كتاب الدلائل مين على بن محدث حسن سے روایت ہے اُن کابیان ہے کہ ہادے اصحاب کی ایک جاعت ابوازے مسمن رائے آئ میں بھی ان اصحاب کے ساتھ تھا اور خلیف وقت صاحب بھرہ کی طرت جار المحقاد دیم لوگ اس يد سك كرحفرت المعمسة والمحسن عسكري على ستقيام كى زيارت كريس مكرد يكاكر آي بى اس کے سامد جارہے میں ۔ اِمل لیے آپ کی والیسی کے انتظار میں دویا فوں کے درمیان بیٹر گئے تحوری درین آپ وایس موے اور سارے مقابل مبو منی رقرب بی کھوے

بو گئے اپنا التحرف الم اسریے فی اُتاری اور دوسرا الم تعدا ہے سرم بھیرا اور م میں سے ایک

تخفی کے سامنے تبسیم رائے لگے .

دینا دول ک*ی مشد دیفرودت میش آئے گی وہمین ن*یس کے متم اُلنے بح*روم دیہ کے* ا درسچامیی ایسا پی - آپ نے واقعاً ہے ہی فرہایاتھا۔ وہ دینا رچڑایٹ سیز سجے عطافر کئے تے امنیں خرج کرارہا ، گرایک وقت الیامی آباکہ مجھے اُک کی سٹدید خرورت بیش آگئی ، دوزی کے تام وروازے بند مرسکے تھے میں نے حب اپنے دفن شدہ دینا رول کو کمود کرنے النا جا با آووه وال سے غانب سے میں نے غور کیا نوجھ میں آ یا کرمیرے الم کے معلوم تھا کہ میں نے د نیار کہاں وفن کیے سي . وه امنين نكال كرك كيا راوركبي معاكب كيا اميرااس بركوني نس من جلار (الارشاد مستس) و فتادا فرائح میں بھی اسامیل سے اسی کے شل دوایت ہے۔ اس ـ تيري جائيداد والسل جائيگي عمربن افیسلم کابیان ہے کیسمن دائے یں مصرسے ایک شخص حیں کا نام سیعت بن لیٹ تھا ، مہدی کے پاس فریاد لیکر آیا کہ شفیع خادم نے اس كاجائيداد عضب كل اوراس كووباب سي فكال دياسيد بم لوكول في اسعمشوره دياكر حفرت الومحب يتداما حسن عسكرى علايت لام كوخيط لكهه دسيه تاكدوه تيريخ قامي دعاء فرمائيس اورتيرا ميكام ا*س نے خطاکھا' توآٹ نے جا ب دیا ' پرنشان مربو اود مس*لطان کے ماس نہجا تیری جائیداد کھے کوواہ ل جائے گئ ، بلکہ اس وکیل کے پاس حاجس کے فیضے میں اِس وقت تیری جائيداد ہے اوراسے سب مرسے مرسے سلطان خدات رب العليس سے ورا-ويتخص اس وكيل سے اللہ وكيل نے كہا ، تبرے جاتے ہى يرے پاس خطآ ياكسي تبرى جائر او تجے واليمة كردون. قاصى ابن ابی شوارب كاپريمكم شفا <sup>،</sup> اوراس پرگوامه<u>ا</u>ن تعیق -کیروری دن۔ پھراکے دہتری کی میں جانے کی خرورت بی نہیں آئی اوراس کواس کی جائیدا اله المحترطك فالمحن دى ت الجدباشم كابيان ب كرجب مي مي حفر ا مام مل أتى يا حفرت ا م من عسكرى عليمه السّلام كي خدمت مي حاضر سورًا مجيد الن مي كوفي ندكوفي المست

اخرامات کے لیے حرف کروں کا۔ اورس نے اپنے دل ہے کہا کاکٹس مجھے تین سو درسم کاحکم دے دیں توایک مودیم سے گرحا خریدوں گا ایک سودرہم دیگیا خواجات کے لیے اورایک سودرہم نیاس کیلے دھول گا پھی جبل كى طرت (تلاشِ معاش كى فرض سے) چلاجا وُل گا۔

حبب بم اوك آب كے ور دولت بر ميو يخ توا ندرسے آب كا خلام لكا داور اولا -على بن ابرامم اوراس كالركام مراندر أجائيس .

بم اندرگت سام وض كيار

آت في ميرك والدك فرايا : اعلى الم التك مم سكيول منبي عي ؟ مير والد في كما الديم المراد إسرم دامنك تفي كراس حالت بن آب ك خدمت بس كيه حاصر موحاول

الغرض حبيم وإن سے جلے تو آب كا غلام آيا "اس فير والدكوالكي لادي اورکہا،اس یں بایخ سودرم ہیں۔ دوسو، کیروں کے لیے، دوسوا نے کے لیے اورایک سود مراح

ام كرب معيم مي ايكتفيل ويركولا اس من تين سودريم بن . ان بن سايك و درم کا گرماخرمدنا' ایک موکیروں کے لیے اور ایک سودیگر اخرامات کے لیے میں اورسنو ابرادمبل مذجانًا على سورا (عراق مي ايك مقام كانام ب ) جانا .

رادی کابیان سے کروہ سورا حیلاگیا، اوروہاں کی ایک عورت سے شادی کرلی اور آج

اس کی آمرنی چارہ ار دینار تک بہوئے جبی ہے، مگراس کے باوج دوہ واقعیہ ہے۔

محربن الإبيم كردى في السي سي كما كركيا اس سي عي زياده واصح المست كي نشانى كي

اس نے کہائم کھ کہتے ہوئ گرم آوسیدسے ایک راستے مرسیلے جارہے ہیں اسے مسط سرح (الارشاد صابع-۲۲۰)

جيوروس \_ الوكرفهفكى سے روايت سے ان كابيان سے كرايك مرتيدس في سرمن ركئے سے کسی کام کے بے باہر جانے کا اداوہ کیا اِ اس لیے کرواں دیرتک قیام کر حیکا تھا جا کے کوچ کے دىن ميں نسكا اوراني قطيعه إن وا وؤك واست ياكر بيطو كيا۔ اتنے ميں حضرت الومعسستد امام حسن مسكرى علالسست لام درمار عام مي حاسف كحديد ادحرس آست موس نظرآت ـ میں نے لیے ول میں کہا ' میں آپ سے عرض کروں گاکہ مولا ' میرے لیے دعا کیے کم

أشخص في فورًا كما مس كواي ويتابون كمآب واقعًا حبّت خداا وراس كينخب

ہم لاگوں نے اس سے کہا ' کہ تھے یہ مرایت کیسے ہوگئ ؟

اس نے کہا کہ مجے حصرت الوجستدا الم صن عسكرى على المست بالم كا المست برشك مَمَّا الْهِذَامِين فِي ابنِهُ ولَيْن كَهِاكُما كُراَبٌ والْبِي مِن لِينَ مرس لُوبِي أَمَا دلس كُم وَسِ اَبْ كح الماست كاقاتل بوجاؤل كار الشعن الغر جلاس صدي

مختار الخرائج برمجى على بن تحرك يبى روايت مرقوم ہے ۔ (ممار الخائج مطال )

ولائلِ حمیری می ابرسہل بخی سے روایت ہے ات كابيان بهكدا يكسحص نے حضرت الوحمست واليست لام كوضط لكما ا وراس بم ليف والدين کے لیے دعاری ورخواست کی اس کی مال غالبہ متی اور ماب مومن تھا۔

آب في جاب مي تحدر فرايك الشريب باب بررم فروا م امك دوسر يتخص في محى خط لكها اورائس في مجى الني والدين كي يع دُعارى درخواست كى .اسكى مال مومنه عنى اوداس كاباب تنويه تقار

آب نے جواب می محسد مرفر وایک انشر تیری ماں بررجم فروائے۔ وتحشف النغه جله مست

ا بن کردی محرب علی بن ابرا چیم بن دوسی بن حعرے روایت ہے اُن کا بیان ہے کہ میں بہت سنگ معاش بی بیتلا ہوالد میرے والد نے مجد

ہے کواکہ مجھے اس شخص معنی حضرت الوحسة دا ما حسن عسكرى علاست ام كے باس بے جہار ا نے شیاب وہ مرسے تی ہیں۔

میں نے بوجھاکیاآٹ کاان سے تعارف ہے ؟

آمنول نے کہا' بنیں' میراآت سے کوئی تعارف نہیں' بلکٹس نے قالُن کو کھی دکھیا

الغرض ہم دلگ بیلا. داستے میں میرے والدنے کہا 'کائن وہ مجھے یا کا سودرہم دینے کا حکم وے دیں تو دوسو درم کھڑوں کے لیے ، دوسو درم آ منے کے لیے اود ایک سو درم دوسرے

الم وعارديل المالت

جب ت الكه يلك او محبر باس كرف لكه اور فلم وقلم ال كرومال س صاف كركيميري طرف برمعا ديا اودفرمايا: كے احب ! ليے ليلو۔ اورلينے باس دکھ لور نیس نے اسے ہے *کرد کھ* لیار • \_\_\_ محدب احدانهاری سے روایت ہے اُن کابیان ہے کر قوم مفرصنہ ورمقعرہ كايك كروه في كافل بن الرابيم مرتى كوحفرت الوحسستدا مام سعسكرى ملاكست الم ك ياس اينانائنده بناكر صيجاء م کافل کابان ہے کمیں نے دل میں کہاکھیں آپ سے یہ دریا فت کروں گا کہ آپ یہ دریا فت کروں گا کہ آپ یہ دریا فت کروں گا کہ آپ یہ دراخل ہوگاجی کامونت ہاری جی کافراجی کا قول بھی اس کابیان ہے کہ حبیس آپ کے پاس بہو نجاتود مکھا کہ آٹ ایک سفیدادر نرم دباس دیب تن سکیے ہوئے ہیں۔ میں نے بہنے دل میں کہا ، معبلا کوئی ولی خدا اور جت خداالیا نرم دیاں مہنہاہے ؟ مہیں توجیس کم دستے ہیں کہ اپنے معانبوں کے سامع حسنِ سلوک کروا اوراس اطرح کا اساس پہنے ا ما کابیان ہے کہ میرے جی میں یہ بات ابھی آ تی بی تھی کر آپ متبسّم ہوئے اور منسرايا: كامل إ ادهود كيور يكركرآت نے اپنی دولوں استينيں اليس ميں نے ديجا 'آپ اس زم لياكس كے تيج سياه مؤما لبامسي پہنے دہوئے تتے۔ بعرفرها المحيو! يدا مَدونَ لياس توالسّرك يله ب اوراويوالالهاكسس تم لوگوں کے لیے ہے۔ لی بن جعفرنے حلبی سے دوایت کی سے کہ ہم لوگ محسکم عسكرس جمع موسمے اورح ضربت الوحستند امام حسس عسكرى علائست لام كى سوارى كے دن كا اتنا كرف لك قرآت كالمسدرياً فأحن من المعاملان وخروار الم مي سے ذكوئي ميك لام كرے الدن مائ طون كوئي اشاره كريد اس مائل

میں سرمن دائے سے خررت کے ساتھ سکل جاؤل ۔ يرى كرمين مسكرايا حب آب ميرے قريب آئے تو آب مى مسكے اورى ائسی دن سرمن رائے سے تکل گیا۔ • \_\_\_على بن زرين على بن بمسين بن زيدسے روايت ہے۔الت کا بيان ہے کہ ايک دن مين حفرت المجمعة رامام من عسكري عليك الم كا خدمت مي حاخر موا. اودامي مين وال بيها بى مقاكه تمجه يادا يا كريب رومال من بياس دينار تصد وواب نهين بي مجعي اس كى لمرى فكر بوئ ، محرس نے آپ سے نداس کاذکر کمیا اور ہذاس کا اظہار سونے دیا کہ مجھے اس کی فکر لاحق ہے ا ك با فتودآت مع فرايا: ومحفوظ ب انشاء الله رجب مي كروابس آياتومير بانى ف د مخارا کوانج صفاح) ، وی۔ • \_\_ کشف انفر میں بھی دلاً لِی حمیری سے بھی دوایت مرقوم ہے ۔ وکشف انفر مبلسے ہوں • \_\_ ابوالعندا محدین قاسم المحی سے روایت ہے۔ ان کا بیان سے کریں حفرت البيحسندا مامسن مسكري عليت لاملى خدمت من حاضر بواكريّا ، وبإل مجع بياس للَّت مكر با مانكنا اين يح حجوني مات مجتاب آتِ فورًا أوازدية س علم إان كويان بالدر كبى دلى أكاكراب برال سے جادل ـ ات ورُ آآ وازدية العفلام النك سوارى حا هركرور (مناقب حلدم مسيم) • \_\_ احد بن اسحاق كابيان ب كرمين اليك وترية حفرت الوفح مدا ما تمن عسكري ال فدمت من حافر سواا ورعض كياكرآب بير عسلف كجولكيس الدجب آب كاخط بهو بخ توسي بہجان لیاکروں کریائٹ ہی کاخطہے۔ آپ نے فروایا اللہ کھیک ہے۔ مبرفرایا کے احر! قبل کے موٹے اور باریک ہونے کی وجہ سے خط مختلف موجا ياكرتلب دابذااس ميں شك بذكيا كرول مجرآت نے فلداں منگوایا میں نے بینے دل یہ کماکلیں وقت آپ حمالت م ما السام كالمسين وه السلم أب سے ما الك اول كا ."

طرف برصائين السي كلول دي جور يرى طرف ديجد كرنظر موالين ومي ان كى الممت كاحت كل حبِ آپْ ميرے قرب بهو نجے توآپ نے اپنا ما تھ لینے سرکی طرف بڑھ ایا' مرتحولا مجرايك نظرمري ديكها ادرنكاه موثرلي -آت نے مجدسے فرایا اے بینی استعارا وہ جیازاد معانی کیا ہے مستحماری المدت كے متعلق مجت موتى ہے۔ ؟ مين في عض كيا الصيح وتندرست حيوراً يابول. آت نے فرمایا ، تم اس سے بحث مذکیا کرو۔ ( منبار بخائج - كشعث لنميطيس عالس) اس كى بعدا ب يلى كتى -عربن ابسلم كابيان ب كريم من نافي عص محيدبت ستا تانفا اوراس كى طرف سے الىبى الى ماتى مجھ كى ميرى تى تى كى تھے براد كھ بوتا تھا۔ اُس كا مكر ميري كرس بالكل لا بواتفا مين في حفرت البحب تدعليك لام كوخط لكماكه وعار فراتين مجے استخص سے چنٹا دائے۔ آت نے واب می محسدر فرمایا محمیں فوشخری موکداس سے بہت جلد حیشکارا مے گا اورتم اُس محے تحریے تھی مالک بن جاؤگے۔ ب مرحد بالمراب المراب المراب المراب المراب المراب المربي المرب الماليا. البين ايك ماه ك بعد وه مركبا من في اس كالمرخريدكر إن كالمرب الالياء د كشف الغسّه جله مستبير) س معتزی معزولی کی خبر احربن مين بن عربن يزيد كابيان سيحك جھے سے الومنیم بن سبانے نایا کہ وفہ جاتے وقت جن معترف آپ کوسعید حاجب کے حلك كرف كاحل كم ديا ا ورقع رمير كاوا قعد فيش آياتواليتي ف آب كوفط كعاكم: مي آب ي قربان مجھے البی اطبلاع لی ہے جس کوسن کر مجھے بیونلق ہے ۔ -آب نے اس کواپ می محسدر فرایا ہ ے او بڑے ہے گھبراؤ تہیں ہیں دن بعرتم لگ لکو

جانوں كاخطروب -مريد بيروس ايك نوان كمرامقا بس نه أس سد بوجيا بتم كبال ك باشده م السس في كماء مينه كارست والامول. مين اوجيا البال من كام سع آنا بوا . ؟ اس نے کہا کہ سارے بیاں ( مرینہ میں ) وگوں کو حفرت الومستدائم می کری علاست المست کے تعلق اختلات ہے۔ میں اِس ہے کا باہوں کہ خوچ کی کردیکیوں اوراُن کھیے باتير كسنول يا ان مي كوتى علامت امامت ومكيول " تاكيم إول طائن بوجلت - اورس حفرت الوفرخا كا امبی یہ گفتگوموری تی کرآٹ بنے ایک خادم کے ساتھ در دولت سے براً مرج حب آت قرب بريخ توايك نظراس نوجان بردالي اورفروايا: كياتم غفارى بوع م اسس نے وض کیا ہی ماں۔ آت نے فرمایا معاری مال حمویکسی ہے ؟ 'المس نے عرض کیا' مھیک ہے جمعے وتندوست ہے۔ آت يه دِجِهِراً كُر بُرمد كُنْ تُوس نے أس نوجان سے دوجها : كياتم نے ا سيدان كرمجى دريجعامها ؟ اكس نے كما انہيں -میں نے کہا ، بھریہ تھارے اطینان کے لیے کافی ہے ماس نے کہا، جی باک اسپیم کتے ہیں اب مزید معلومات کی هرورت نہیں (مختارا لخلائج) (٢) \_ علم ما في الضماير کی بن مرزبان سے روایت سے اس کا بیان سیم میں ایک مرتبدالی سبت کے ایک خص سے الاجس کا نام اوالخرتا۔ من نے بیان کیا کومیرا جها زاد مجاتی اماست اورخصوصاً حضرت الوحستدام م ماکن ماليت لام كا مامت كيمتعلق مجه سے بحث كرا مقا ميں اس سے كماكرا، حب سي خوداك م المامت كے اتاروعلامات مدد ميكدلوں ايكورن كول كا-بينا بذمس كمى هرودت كم ليعمل معكرس واردموا و ديجاكر حضرت الوحستد المامة حس عرى عليست لامتشرلين لارسي بي ميس نے دلي کہا' اگريدا بنا ما تعراب مرك

كخط الكهاكد مولا ! خدا كالشكريد كراس في اس كوخودا بي ف كري يجينسا ديا ، ورن مشنا ب كه وه كبنا مخاكد خواكى تسمس تم توگون كوملك مدر كريك دمول كار توآت في وداين التصيه اس كاجواب تسدير فرما ياكري بات اس كى عرك محفظ کاسبب بن منی ۔ آج سے بائ دن اور شاد کراو جھٹے دن وہ بڑی بے عزی اورتومین کے بعد قتل كرديا جامع كار اورجيها أيّ في فرمايا تفاوليا بي موار (٧٧ \_ معتزين دن ين سل بوطائكا گرفتاد کرکے کونہ بیجا یا جائے۔ البيشيم ني آپ كوخطلكها ، مولا ! مين آپ پرقربان 'مجھے ايك خبر لي سيحس آت ني وابي تسدير فرايا ، تين دن بعدتم كوايك فوشخرى ه گى دادتسير ى دن معترفتل كرديا كيا-(٢٨) = تين دن بعدخوتسخبري ملے گ على بن محرب زياده يمرى ك كسالا وصياً مي مرقيم مع كرحضرت الوجمسة والممسن عسكي عليست للم مصتعتى مستعين كي حوزيت تى دە فلاڭىرىپى .اس ئے اپنے حاجب سىعدكو يى كەركىپ كوكوف يىجا ۋاود دائىستىمى ان بر يخرشيون يميلكى عب سائيس طرى فكربوئ اوريدوا قداس وقت يش اً يا جبكه المجي حضرت الوالحسن اما على النقي علايست المام كي وفات كوياريخ سال بعي نبين بموسق چاکچه محرین عبدالشرا وریشم بن سسبابدنے آپ کوخط انکساکیم لوگ آپ برقریان ہم لوگوں کوایک ہی جبر لی ہے کرحس کا ہیں بڑا دکھ اور ریج ہے۔ آت ناس كيوابس كسروفرايا تن دن بعد تنص وشخبرى ملے كا اور ا كارشا وكيرهابق متعين نعيري بي ول خلانت سيمعزول كردياً كيا اوراس كم جكَّر معتز تخت (ميج الرعوات مسالك ) خلافت پرشکن بهوار

(غيبترشخ مهس اوتسيري بى دن معترخلافت سيمعزول كردياكيار سمستعين بن دن يس كرنيا رعدا بع كا را دی کا بیان سے کرایک ون میں ابداحرعبیدا شرین عبداسترین طا سرکے باس گیا۔ ان کےسامنے حفرت ابوع سیدامام حس عسكرى علاليستسيلام كاليكب رقعه ركعا مواً مقاجس مي تحسد يرتفاكم يس خاس ظالم وكرش العنىستىين كے يے اللہ سے بروعاكى ب يرتين دن بعد عذاب مي كرفتا رموجائے كا اللہ بخانجية سيري بي دن وخلانت مع ولى بوكيا اورائجام جيساكه لوگ سيان كرتے بي كرائے واسط ليجاكر قبل كردياكيا۔ ( بيج الدعوات ) (۵۷ = مهتدی کی مرت عرحتم - صيمري نے ہى يەمىي دوايت ابو ہاشم ہے کی ہے۔ اُن کابیان ہے کہ میں مبتدی کی قیدی حضرت البوم سندعاليت الم کے أبِ فع بعد ما ياك الواشم إين ظالم وسُنْ آج شب المدين الي ساق كرناجا ستاتها اس يے الله خاس كى مزت عرض كردى كے ميرے كوئى اولاد تنہيں انگراللہ لينے لطعن وكرمست ايك الأكاعنايت فرائسكا-غرض جب مبح ہونی قوتر کول نے مبتدی پھسلد کردیا اور مامنہ اسلمین چونکر جلنے تے کہ مہتدی اعترالی اور قدر کامعتقدہے اس بے سب لوگوں نے ترکوں کاساتھ ویا۔اور مبتدى كوفت ل كركم اس ك جگرمعتر كومرندخلافت بر سطايا اوداس كى سبت كى مستدى فحصت المحسق عليست الم كقتل كالجنة اداوه كرايا عما الكرالله في واس كوستال كالجنة ( جيج الدعوات صهبيس ) ومعيبت كرديا اوربالة خوتسل مواا ورواصل جبنم بوكيا (۲۷) = مندى تى قىتلى كىپىتگونى اجری محرے روایت ہے جب و مبتدى تركى واليول كي قتل مي ما خوذ بوا توميس في حفرت الومسستدا مايين مسكري عليستيل

يزيدين عبدالت وتواس كااور تمعارا فيصله التدك سائف موكار جنا يخه والعزرز مركيا اور بزيدين عبدا للتقتل موكيار (مناقب طبرم مسميم ، كافي جلدا مسا<u>ره</u> ) محدين اساعيل بن ابراهيم بن موسى سے دوايت سيے كرحفرت الوحسسندا مسام مسن مسكرى علىيت لام ندمعترى وفات سے تقريبًا بيس دن جميع ابوالقاسم اسحاق بن جمع زبری کوخط لکھا " گھرسے ابرز نکلنا ایک حادثہ ہونے والاہے محرجب برجیتل ہوگیا توالدِائق مم اسحاق في آئ كوخط لكماكريرها وثة تورونما بوحيكا اب ميرب يع كيا حكم ب - ؟ آت نے س کے جواب میں لکھا ' برحاد شہیں ، دوسراحاد شد ر الكافي حلدا صعنه خابخراس کے بعد معتز کا واقع میش آیا۔ نيزات في ايك دوسر عضف كوخط الكها أداس كوتسل سے دس دن يميد محدين داورقتل بوگاي جانج دسوي دن ده قتل موكيار دارشاد مناي ابن فرات سے روایت ہے۔ اس کابیان ہے کہ میرے جا زاد بھائی پر میرے دس بزار درسم قرصَ مَعَ مِين نے حفرت الجمسسة علام سَن الم مَع لِيضِه المعاكد عا ، فرائس ك آب نے جواب می محسرر فر مایا ۔ وہ متعاری رقم تم کو والس کروے گا اور مجمد کے بغدمطت راوی کابسیان ہے ،میرے چیا زاد بھائی نے مجے میری رقم والس کردی میں نے اس سے پوچھا' متماری نیت تو والس کرنے کی ندیق' بھر والیں کھے کردی۔ او تم نے تو دسینے سے إس نے كما اس نے حضرت الوحسة داماح سن عسكرى علايست الم كوخواب من دمكھا اُمغوں نے فرمایا \* ویکہ تیری موت قریب سیٹہ اپنے چھا زاد میعانی کی رقم والیس کرتے ہے (مُمَّادالِخُولِيِّ - مُستَّفُ الغُرْمِلُدِس صَلِكًا ) السك=التدفضل بررهم كرے (علم منایا) سیدین جناحکش سے دواہت اس کابان ہے کس نے محرب اراہم وراق مرقندی کوبان کرتے ہوئے سنا کمیں چے کے لیے وطن سے نکلا اورا را دہ کیاکہ اپنے ایک دوست سے بھی ملتا ہوا جا وں جو ہوارے اصحاب میں

(۲۹) \_ گمشره غلام کی نشاندیی را دی کابیان ہے کہ آئے کا ایک جیوٹا ساغلام كم بركيا. ببت دهوندا كيا منهي الماء آب كوخبرد كاتق-ست نے فروایا اس کو جانوروں کے کمٹیرے میں دیمیو ولال ويميط كيا تووه مُروه برا بواتحا. محدبن صالح معى سے دوا ہے۔اس کابیان ہے کمیں نے ایک مرتبہ حضرت الوجمدا ام مس عسکری علاست الم الكر خراوزه كمتعلق دريافت كياكهاس كاليس بيدسالق بوال-آی نے جاب می تحسدر فرما یا کہ اس نہار منصد نہ کھا کاس سے فانچ کا ت اس كے الله ميراالده مقاكم مي صاحب زيج جس فريم و سے خروج كيا تقا اس كے سنا معلوم كرجول كياليكن آب فازخود تريفوا ديا كرصادفي كالبيت سي سينبي وكفي ترجي جعفر بن محدقلات نے بدروایت می کی سے کمیں نے می عبدالجبار خادم كى معرفت حصرت الجحستد علايت لام كوخط لكماص مي بهت سيمسال کیے اور ریمی تحسر ریما کی میرامجاتی آ دمینہ گیا ہواہیے۔ وعاد وایس صیح وسلامت والبس آجا ت نے میرے خط کا جواب تحسیر فرما یا حمل میرے سارے سائل کے جوابات مراس مير مير عان كي معلق كونى ذكر فين اس كي دون بعد آرمينه سي خبران كر تبرا اودوه اسى دن فوت بواتحاص دن حفرت الإمحب مّعاليت للم نه محيخط لكم اب م م مجد كري كد آپ كواس ك موت كى خبر تقى اس ليے اس كاكوئى تذكره نہيں كيا-(كشف الغرجلة الم ٢٩٧ على بن محرف بإرب معض اصحاب سے دوایت کی ہے۔ اس کا بیان ہے کہ محدیق فعفرت الوجم مدام مس عسكرى علايت إم وخطائها اوراس مي عبدالعزيز بن ولعن العلا يزيدىن عبالتركى شكايت كى -ت ناس كي جواب مي تحسد ريفروا ياكر عبد العزيز سيتمين جشكا وال جائد كالفا

البجع بن ا قرع كابيان سب كرميس ندح حرت الوحست د اماحس عري علاليسيلم كيضومت ميں خطارسال كيا اس مِي تحرير كيا كه آب ميرى آنكھ كے درد كے ليے دعاء فرمائيں اس ليه كرميرى ايك آ بحق توم يكادموم گئى تتى 'اب دوم يئ مي تكليف مشروع موكئى ـ آب في اس كي جواب ي تخسير وزايا الندف تيري آنكه روك دي. جائخ. وهیچ میکی را منزنے اس خراب مونے سے بچالیا۔ خط كم آخري آپ نے تحسور فرمایا كه الله تنجم اجر جزیل اورصر حبیل كرامت فرائے مجھے بڑی فکروامن گرمونی کرمیرے اہلِ خاندان میں سے کون مرکبیا،جس کی مرا آب ادا فرا دے ہے ۔ گرکھ واول بعد مجھ میرے اور کے طیب کی موت کی خبر بی رمیں ہے گیا کہ آپ نے اس کی تعربیت ادا کی تھی۔ (مناقب مبدم صهی) (۳۲) \_\_\_\_ مشقبل کاعلم - شابوي ب عبرب كإبرانس كرم راعباني صالح قيد مِن عَمَا مِين فِي حضرتِ الوِحسسَدِ المَحسن عسكرى علايستُ إلم كي خدرت مِن خط لكما اوراس بِي مختلف مسائل دربانت کے۔ آپ نے ان سب کے جواب دیے اور ریمی تحسسرے فرایا کرجس دن میرا پرخواتمعار اس برائع اس دن تعاد احالى قيدس رائى يائى ايم محدساس كيسعتن وجهنا جائة تع منگر عبول كئے تھے . اس ليے اكھور بابول -ابی میں آت کا بیخط پڑھ ہی رہا تھاکہ بہت سے لوگ آبیو یجے اور مجھ میرے عمالی ک ر بانی کی خوتنجری دینے ملکے یمیں بھی بہون کھ کراپنے بھائی سے ملا اور اس کو آیٹ کا پیخط پر ہے کرنیا یا۔ (مناقب جلدم مهميلً) س = مِشْكُوة مرادقلب فرت مرا روایت ہے۔ اس کابیان سے کرمیں نے حفرت ابتحسب تداما حسن عسکری علالست لام کو خط الممااوراس وريافت كياكة وآن مجدى آيت مَشْلُ نُوْرِة كَلِيتَسْكُوةٍ مِن مشكوة س

بحريه مي تريكيا كرميركا زوج كے ايے دعا فرائي وہ حاملہ يے نيز وعافر إنس كم

حمیکو . محرب عن بن فریرنے اپنے باب سے روایت کی سے اس کا بیان سے کہ وہ حقرت الوجستدا فاحس عسكري عليست لام كالنبن ولت مب اكثر غامشيد برداري كياكرتا مت اكيدون وه أب كي باس بهوي توآت كوهم موجود بايا اوراب كى سوارى خليف كر هرجان يك الم تازمتی اورآپ کاچېروغضس سرخ بورماتها اورآپ کے بېرلوس عامديس سے ايك اسان متعاکرجب آپ کہیں جانے کے بیے سوار ہوتے نودعائیں ویٹا اورائیسی الیسی باتیں کرناحین سے آ كونفرت بوتى اورآت ان كوناليب تدكرت . اس دن تودة عص يحيه بي يرارا بيال تك كرات السي جكر برديخ حبال سيدام دو لحرف جاتا دایک دامر ته سوادلوں کی گنزت کی وجهسے استخص کوٹنگ نظراً یا تووہ دومرست رائة برحلديا تاكراس طرح أكر برموكر ميراب س حاسا -جب وه اس راست برهبلاكيا تواكت في اينه خادم سع فرايا: جادُ استَفْعَر الكي خادم استخف کے پیچیے چلا۔ اور ادھ آت بازار تک پرونج کئے اور اُدھ و دہ خص مے دروازے سے نکانا تاکرآت سے آکرال جائے کہ ایک حکّمہ ایک خیر مبدھا ہوا تھا 'اس نے اس الیسی لات ماری کومی مرکبارخادم وسی مفرکیا اور آب کے مکم مے برجب اس کوکفن دیا اور وك آب كي ساخرآ مح براء كئ - ( مناقب عبدم صناك) دیگر " علی بن پربدالمعروت برابن رُش سے دوایت ہے۔ اس کا بیان ہے کہ میرالاکا ببي دموا ميں في حفرت الوج سندعاليت لام كوخطالكها ادراس ميں دعا ،كى درخواست كى أدَم سحوب آيا " او ماعلم ان لِكلِّ اجل كتب " كيانبيناً کہ ہرایک کے لیے ایک مدت تحسیریہ ۔ ر مختار الخرائج ، كشف الغمه اردسي جلد الم *خِانِج*رمبرالشُكامركيا۔ ا يوسليمان محودى سے روايت ہے . اس كابيان ہے كہيں نے جفرت الوجي ، احسسن عسكى علايست إم كوايك عراجة مي تحريركيا · مولا ! وعاد فرما تيم كه الشريجي لوكا على فرا دے واکسل آگے بھے) آپ نے جاب می محسدر فرمایا' الشقعیں لڑکا عطا فرمائے گا 'گرتمعیں اس می یے صبیحی کرناموگا۔ چانخيدميرے يبال لوكا بدا اوا ورمركيا -كشفت العثرا دوببي ميلوا صناس

اكيب دن اودايك رات مى تبس گذرب تحكد الشرف اس كوواصل كيم كياد آب واترس كيس اسى دات الشيس بدوعام كي اس اس طرح بينما ادراجى سيدة سوي مى مودار منهي مواحقا اور مزاعى ميرية خزاني مي الحي مون أكر مجي على كراس يراع وه بن ي كوشل كراديا. السراس براهنت كراد . د *رجالکشی مسیمی* 

دلائل صيدى يس محدبن على صيمرى سے روایت ہے۔ اس کابیان سے کہ ایک مرتبہ میں ابوا حم عبیدانشرین عبدالشر کے یاس پرونیا اس كيسا مفحضرت الوفحسة رعاليست لأم كاليك خط لكما بوا تفاحس الخسسر يقاكنين نے اس مکرش لیعنی زمیری کے بیلے السّرسے مبدعاً بھردی ہے۔ وہ تین دن بعدمبتدا کے عذاب

چنا کے تین دن بعداس کے ساتھ جو موا وہ سب کومعلوم سے ۔

وكشعث الغرب حليه معين

محدين لعيقوب كأبيان سيء کہ حضرت الوجم ستندا ماخ سسن عسکری علائست لام کا ایک طویل خط عمری کے نام موصول ہوا جس مي ريمي تحسدر يقاكمس ابن بإال لعنة الشعليس ابني برأت كا المباركرة المول الله استخص سيعي برائت كا اظهار كم تا بول جو ابن بلال سي برائت كا ظهار يذكر سعد المذا اسحاق اوراس كالإشركوره سب كجوببا دوج مس في استخص فاجرك متعلق نهي بتأياب بلك مراس تخص كوتبا وجم ساس عص فاجر كم متعلق دريافت كريد

(غیبتد لخوی صفی )

فرزندىيا بونيز ائت اس مواود كانام مى تجويز فرمادي . أيني في واب مي محسد يرفر ما ياكه ميشكوة سي مراد قال فحمّ سي -مرات فيري زوج كي تعتق كيون لكما الكراخ بالدكاخ المسرر فروا إكره ف تجهم بردے ۔ اور تخبے خلف (فرزند سِعاد تمند) عطافرائے ۔ يس، زوج كے مردہ او كا بدا موا اس كے بعد جب حافر مونى قرار كا بيدا ہوا۔ رکشف النے مالک ) اللہ مالک ) علی بن زمیرب علی بن تحسین بن زمیرب علی روايت ب ان كابيان ب كرايك مرتب جب حضرت الوحم تدامام سن عسكرى عليست لله

وارالعامتر سے اپنے گھرنشرلعی ایجانے لگے ترمین آپ کے ساتھ بولیا 'اور آپ کو آپ کے گ تك پيونجا كروائيس موسف سكا:

آب اندرداخَل ہوے ، مجے تی گھرکے اندر کالیا اور دوسو دینارع طالیہ -بعرفرایا: تماری کنرتومرگی اب دوسری کنیز کے لیے تیمت لیتے جاؤے حالاتكرجب بي اين ككرس جلاحا تووه بالكل صحح وسلامت تمى غرض جب سالية كريوكي تومير علام ني اظهاما دى كراك فيلال كيزامي المجي مركبي -

میں نے پوچیا کہا بات ہوئی اکسے مرکئی ؟ اس نے کہا موہ بانی پینے لگی ، بانی کے میں الطا اور اس کادم مکل کیا۔ رمناقب جدم ماسي ، منتار الخرائي مسال )

(۳۵ \_ عروه بن کیلی کیلئے بردُعاء

بغدادى سے روایت سے كرحفرت الوجستد الم مسن عسكرى عاليست الم نے عروه بن يجي لعنت كيمتى اوراس كى وجرير تى كه حطرت الإحسستدا ما محسن عسكرى عدالت للمكاليك خسرا (توشدخان) تقادوه عرده بندي كي ميروكياكيا - اس في اس خزاف يوسع ببت كي چزي پ یے نکال سی اور بقیمی حفرت الوحسندا مام سن عسکری علیات بام کارند سوئیا نے سا ياك سكادى - آئ فاس بردست كى اوراس كے يے بددعا رسى فرمان ، اوراس بردعا مكا بیشک الشرکایہ بڑافضل وکرم ہے کاس نے آوگوں پرچند واکن عائد کیے ہی اسس یے نہیں کہ اس نے آوگوں پرچند واکن عائد کیے ہی اسس یے نہیں کہ اس سے نہیں کا کر کیے ہی کہ اس سے نہیں کہ اس کے نہیں کے اس کی کہ لوگوں کے مہدائے کہ اسٹر خبیث اور طیب کو گرا جُدا کردے منظاری نیتوں کا امتحال لیے انتحال کے دوسرے پر دلوں کو گوئندگیوں سے پاک کرے تاکم تم لوگ انٹرکی دحسے اونی ہول ہے۔ سے اور جبتت میں تھاری نیزلیں ایک دوسرے سے اونی ہول ہے۔

جنائیسہ اللہ نے مولوں ہرج ، عر ، اقامتِ نماز ، ادائسگی زکوہ ، عدده اور ولایت کوفرض کیا۔ اور انسسس کے بیے اس نے متعادی بیے ایک دروانے کو کافی قرار دیا تاکہ اس کے ذریعے سے وائض کے تمام دروانے کمل جائیں اور راہِ خدا کی نجی متعادی ہاتھ آجائے واقع اگر حفرت محسلی اللہ علیہ اللہ وسلم اور ان کے لبعد اُن کے اوصیار نہ تہوتے توتم لوگول کا المان جائوں میں سے کوئی فریف صبح طور پر دیجھ کے ، اور کسی شہری آس کے دروازے ہی سے تو داخل ہوا جا تا ہے !

التُرَفِي النَّرِ النَّرِ الْمَا اللَّهِ الْمَالِيَةِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمَالِمَةِ مِي الْمُرَدِي اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللْمُلِمُ اللللْمُلِمُ الللِّلْمُلِمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ الللْمُلِلْمُ الللِّهُ الللِلْمُلِمُ اللِ

ترمبہ: (آج کے دن میں فے تمارے سے دین کو کائل کردیا ، اور تم پرائی نعمت تمام کردی اور میں نے تمارے لیے وین اسلام کولیسند کردیا ۔)

اولیا سے خوق تم پرفس کے اور ان حقوق کی اداشیگی کا تعییں حکم دیا تاکہ تعادے اصلاب وارحام سے پیدا ہونے والے بجتے ، تمعارے اموال ، تمعارے کھانے بینے کی جینزی سب حلال موجائیں اور تعابی معلوم موجائے کراس سے تمعاری دولت و شروت بیں کتنی ترقی اور توہ یہ دیکھے کہ تم میں سے حکم غیب کی کون اطاعت کرتا ہے الشرافطان کو ارتفاد ہے : وقع من کی کہ آئی الفری کی الساد کے کہ الفری کی الفری کی الفری کی الفری کی الفری کی الفری کے سے المور فرای کا سے میں کے الفری کی الفری کی الفری کی الفری کی کا در سے دوروں کی الفری کی الفری کی الفری کی الفری کی الفری کی کا در سے دوروں کی دوروں کے دوروں کی دوروں

رّجہ دامرولے دیول میں اس کاتم سے کوئی اجرائیں انگتا سوائے قریبیوں کی مودّت ہے ، بیمچہ لوکہ اس بیں ہو تجنسل کرے گا وہ درحقیقت اپنے ساتھ نجل کرے گا۔ انٹرخنی ہے تم لوگ فقر ہو ، سولے اس کے کوئی اودانٹر نہیں ہے ۔

مارے ادر مقارے درمیان گفتگو بہت طویل ہوگئ جرب ہی تھارے قائدے

ياجوني اس برادات كرفرورى ب-

چناکچرالد فی پیاری الد فی المحداد و المحداد و المحداد المحداد المحداد المحداد المحداد المحداد المحداد المحداد المحداد و المحداد المحداد و المحداد

حباب سول النصلى الشرعل في الموسلم كى وفات سے بيہ كے زمانے اوراً اللہ كے زمانے اوراً لا كے زمانے اوراً لا كے زمانے مولائی ہوں کے مالات السير مذھے جوقائل تعرفیف رہے ہوں اور الشركى بورى تونيق مار شائل حال رہی ہو اے اسماق ! بقين كروكہ جواس ونيا بي النصابين كردہے كا وہ آخرت يہ كھا۔ النصابي رہے گا اور السے راہ نجات مذھے كى ۔

اندهانوں ایران اسماعیل ایران اندها ہونے کامطلب انکول سے اندهانہیں 'بلکر ان دلوں کا اندها مونل ہے جوسینوں کے اندر میں۔ چنانچہ ایسے ظالم کے لیے اللہ تعالی ای کاپ مکل

م ارشاد فر آبا ہے کہ وہ قیامت کے دن کھے گا: ﴿ وَمِنْ لِمُحَشَّرُ ثَنِيْ آهُ مِنْ وَحَنْ كُنْتُ بَصِيْرًا وَ قَالَ كَنْ لِكَ وَتَتُكُ الْ يَتُنَا فَنَسِيْتُهَا وَكَذَٰ لِكَ الْيَوْمِرَ تُنْسُلَى ٥ '' رسوره لَا آيَكِا وَتَتُكُ الْ يَتُنَا فَنَسِيْتُهَا وَكَذَٰ لِكَ الْيَوْمِرَ تُنْسُلَى ٥ '' رسوره لَا آيَكِا

(پروددگارا ؛ تونے مجھے اندھاکیوں مشود کیا ' حب کہ (دنیاس) میں آنکھ والانتھا انٹر کمے کا ' اس لیے کہ ص طرح تبرے پاس باری نشانیاں آئیں اور تونے اُنھیں مجلا دیا ' بیس مجے کے دن اسی طرح ہم نے تجھے مجھ لادیا۔)

رابتم ی انصاف سے کہو) جوذات اپنے آیائے اولین لینی انبیا گراورآ بائے آفرانی ایسے اور آبائے آفرانی ایسے اور آبائے آفرانی ایسے اور آبائے آفرانی اللہ کے ملک کا امات مار ہو اللہ کی طرف سے اللہ کے ملک کا امات مار ہو اللہ کی طرف سے اللہ کے ملک کا اشام و فکر اللہ کی اللہ کے ملک کا اشام و فکر اللہ کی اللہ کے ملک کا شائی اور آبت کون سی جزیم کئی ہے ؟

مع بھا ہوں الکارکیوں سرگرداں ہو؟ جانوروں کی طب رے جدورہ کیا 'ادھرکہاں جلیے جارہ ہو ہوئے گیا 'ادھرکہاں جلیے جارہ ہو ہوں کا گردان ہو؟ جافوروں کی طب ہو؟ الشرکی اس نعت سے کہوں انکار کرتے یا اُسے مجھ للتے ہو؟ یہ بتاؤ 'پیخفس کتاب خدا کی تعق باتوں پرایان رکھے اولی انکار کرتے یا اُسے مجھ للتے ہو؟ یہ بتاؤ 'پیخفس کتاب خدا کی تعق باتوں پرایان ارکھے اور کھا ہوئے گئے ہے کہ وہ دنیاوی زندگی میں میں انکار کرے 'اُس کی مراسوائے اس کے اور کھا ہوئے کہ وہ دنیاوی زندگی میں میں مہت للد ہے۔ خدائی تسم! یہ بی میں میں مہت للد ہے۔ خدائی تسم! یہ بی ناکام یا ہے۔ خدائی تسم!

سے بہت نالاں تغاراس کی شکایت مفرت اوجستدا مام سن عسکری علیات ام سے کی مگر ولی کہا دکھوں غم کرتا ہے ) کیا حفرت ابوعیدالشرا مام حبفرصادتی علیاست ام نے پر منہی فرمایا ہے کہ" ہمار سے ساتھ رہ کرتٹ گھرسی موسروں کے ساتھ رہ کردولتمندی سے زیلوہ بہتر ہے اور ہمار سے ساتھ رہ کرفٹل ہوجان مہمارے دشنوں کے ساتھ رہ کرزندہ رہنے سے کہیں بہتر ہے۔

الى \_ فقرسى كناه معاف بوتى بى

میرے خط کے جاب برا آئے نے محسر پر فرمایا 'سنو اجب ہمارے دوستداروں کے گناہ بہت ہوجائے ہیں توجرالٹرافیس فقر وشکرستی بی مبتلا کر دیتا ہے تاکہ اُن کے اکثر گناہ معاف کردیے جائیں 'اورجیسا کرمقارے دلی نے فود کہ دیا تھا کہ ہم لوگوں کے ساتھ دہ کرفقر 'اور ہم رے وشمنوں کے ساتھ دہ کردو لتمندی سے کہیں مبترے ہم ان لوگوں کے لیے جائے بناہ ہیں جو ہم سے صفاظت جاہے ہم ان لوگوں کے لیے فوروروشنی ہیں جو دیچھنا جاہے ان لوگوں کے ملے فوروروشنی ہیں جو دیچھنا جاہے ان لوگوں کے ملے سے مغوف ہوا اس کا لائستہ جہتم کہ سے مغرف ہوا ہی ہو گا۔

( مشف انفر مدرم مدوم موری حسن بن شمری سے ہی دوایت سے دواکھ ساقہ جاہم ہے میں دوایت سے رجا کہ شروم ہو کہ میں دوایت ہو گا۔

(رطال من مسير منتب عبدم مهري)

ع الشركية

سعدنے ابو باکشم جوزی سے روایت کی ہے اس کا بیات ایسے کہ میں نے حضرت ابوص شدا مام سن عسکری علاست بام کو فر ملتے ہوئے ہے ا آٹ نے فرایا ' اُن گنا ہول می سے جی بخت نہ جائیں گے ایک گنا ہ یہ بچی ہے کہ کوئی شخص ریکے کہ کاش مجد سے اس گناہ کے معواکسی اور گناہ کا موافذہ نہ ہوتا۔

میں نے اپنے دلیں کہا کہ بات تومشکل ہے یعنی مرزدی کوچلہے کروہ خواسے

لیث تام امورکا جائزه لیتا دید ؛ میرے ولی یہ بات آت ہی آپ میری طون توج ہوے اور فرمایا 'اے الو اسم اتم صحے سوج دید ہو اور جرکھی ہوج تھیوں ہرکار مبد ہوجا و کیونکر شرک انسان کے اندواس سے بھی زیادہ مخفی چلد ہے جنی کوئی چیونٹی کسی سیاہ تھر رہا ندھیری دات ہیں جاتی ہو۔ د فینہ الشیخ میس ا زیادہ مخفی چلد ہے دی دوائل حمیری سے بھی موات مرقوم ہے ۔ دکشون القر جادہ مداوی س ایک دوستدار کو دُعار کُتعلیم

الدواست سے روایت ہے کہ آپ کے دوست کی کرآپ کوئی دعا بہ تعلیم فرا دیں ا آپ کے دوستداروں میں سے سے نے آپ سے درخواست کی کرآپ کوئی دعا بہ تعلیم فرا دیں ا آپ نے اس کے جاب می تحسیر پر فرایا کہ بیا دعا ر پڑھا کرو۔

يَااسَهُ السَّامِعِ إِنَّ يَاابُصَّرَا لَهُ صِي نَنْ يَاعَنَّ النَّاظِينِ الْكَالِمِينَ يَاعَنَّ النَّاظِينِ ا عَااسَرَعَ الْحَاسِينِ يَا أَسْ حَدَالِنَّ احِينَ يَااحُكُمَ الْحَاكِمِينِ صَلِّ عَلَى مُتَحَمَّدٍ وَالْمِ مُحَدَّمَ لِا وَالْحَدِينِ فَا وَلِي فِي وَزُقِي وَمُلَّ لِحَا فِي عُنْ مِنْ فَا مُنْ مَنْ عَلَى بِرَحْمَتِكَ وَالْجَعَلَى مِتَى مَثَنَ تَلْتَصِلُ بِهِ حِنْ فَا فَ لَا تَشْتَبُ لِ لَهُ فِي عَلَى إِلَى مُعَلَى اللَّهِ مَنْ اللَّهُ عَلَى مِنْ مَثَنَى مَنْ تَلْتَصِلُ بِهِ حِنْ فَا فَ وَلاَ تَشْتَبُ لِ لَهُ فِي عَلَى مِنْ الْمَالِمَ عَلَى إِلَى الْمَالِمِي وَالْمَالِمِي اللَّهُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ اللَّهُ الْمُلْمِي وَالْمُلْمِي اللَّهُ الْمَالِمُ الْمَالِمُ الْمُلْمِي وَالْمُلْمِي وَالْمُلْمِي وَلَا الْمَالِمُ الْمُلْمُ الْمُلْمِي وَالْمُلْمِي وَالْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمِي الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمِلُمُ الْمُلْمُ الْمُلْم

ه = حزَّبَ الله يكس كاشمار وكا

الوالمشم كابيان بي كما كي ت

میں نے اپنے دلی کہا' پروردگارا! تو مجھے اپنے گروہ ادر اپنے جتے میں قرار دے۔ آپ میں طون متوج ہوئے اور فرایا' ہاں' اگر ٹم اللہ مرابیان رکھتے ہو' اس کے رمول کی رسالت کی تصدیق کرتے ہو' اس کے اولیا می معوفت رکھتے ہو' ان کا اتباع کرتے ہو تو تمیں بشارت ہوکہ تم اللہ کے گروہ اوراس کے جتھے میں شامل ہو۔

رکشفنالغہ جلدا مد<u>اوا )</u> محدی حسن بن شعبوں سے روایت ہے۔ اس کا بیان سے کہ س این فقوتنگرسی باعث إلاكت إلياء

تم نے پیمی لکھ ہے کہ تم فارس جانا چاہتے ہو' جاؤ اللہ تمحاری مدد کہنے گا مصر جاؤگ انشاء انداس وسکون پاؤھے۔ میرے موالی اورشیعوں میں سے جس پرتھیں وٹوق ہواس کومیراسلام ہونجادیا' انحیس خوب خدا اورادائے امانت کا حکم دینا اورا نہیں بنادینا کہ مارے خلاف پروس گینڈ اکرنا در حقیقت ہم سے جنگ کے مترادون ہے۔

رَاوَيْكَا بِيانَ سِي كَرْجِبِ بِينَ فَي آبِ كَخْطِينَ يَرْبُوهِ الْمُ فَنْ حَلْمُ مِنْ

انتشاء الله امناك تومي مجدنه سكاكراس كامطلب كياب

الغرض ميں بغدادگيا ارادہ تھا كروناں سے فارس جلاجا دُں كامگراس كى كوفى تور پيانه ہوئى اور مجھ معرمانا برا۔

منتارالزائ میں بھی ابوالفاسم ہروی کی بہی دوایت مرقوم ہے۔ مرعود دور (مختارالخرائ مرا<u>قع</u>)

الى = حريث من كُنْتُ مولالة كامطابُ

حیین بن طرلیف سے دواہت

ے اس کا بیان ہے کہ میں نے حفرت البامس تدامام سن عسکری غالیت للم کوخطا کھوکر دریا فت کیا کہ حفرت اورالوئیس عالیست بام سے معلق رسول السّصلی اللّه علق آل وسلم کے قول بعنی حدث وہ مین کنت مولالا فعسلی مولالا کا کیا مطلب ہے۔

ات نے وار ای تحصر برخرا یا استعماد میں استعماد استعماد میں استعماد میں استعماد میں استعماد میں استعماد میں اور حب میں فرقہ بندی اور گروہ بندی ہو تو حضرت علی علی سنتیام البی گروہ کی علامت قرار یا ہیں۔ رستان میں نہ میں نہ میں استان میں استان میں استان میں میں نہ میں استان میں استان میں استان میں استان میں استان

السية قراني آيت بي وليجة سے مراد

أتبت جوابي فسرر فرماياك وليعية ولى امركا تانب بيتا معدات

پاس حفرت ابومستدا مام سن عسكرى علايست لام كاليك خطآيا ـ اُست خص كابيان سے كميں نے اُن جاب كوضط لكها عظاكم آپ كے شيعوں اور مواليوں ميں بڑا اختلات پيدا سوگيا ہے . آپ اپنی آ ما كى دئى واضح دليل كوئى معزه ظاہر فرماديں -

آپ نے اس کے واب می تسریر فر مایک انسرتیالی می صاحبان علی کو طالب آلا اور سنو اکا مُنات بن کوئ ایک مجی ایسا نہیں جو حقرت خاتم النبیتی سیدالرسین محل الله علام آلا سے مرحد کر دلائل ومجر اس بیش کرے ، مگر اس کے باوجود نوگوں نے ان کو بھی سا حرکا بہت الا کاذب کہا ، تاہم ان ہی بی سے اللہ نے حس کو مرات دہی جا ہی اس نے مرایت بھی پائی بالیا یرضرور ہے کہ دلائل و مجر اس سے اکثر لوگوں کی سیمین موجاتی ہے دمگر میہاں توصورت اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ میں جب میں حکم دیتا ہے اللہ والو - تب ہم لوگ بولے نہیں جب محمم دیتا ہے اللہ والو - تب ہم لوگ بولے نہیں جب محمم دیتا ہے اللہ والو اللہ میں ورب بیں ۔

اوراگراندخی کوظاهر نه کرناچاستا کو انتے سارے انبیاد کولشیر وندیر بسائی مرجیجتا چنانچ په لوگ خواه محالت صعف مول منجاه محالت قرت مرحال میں حق پیشید کرتے دہے ، تاکہ امرائی کی تکمیل اور حکم صداوندی کا نفاذ ہوجائے۔

سوسی سه برای می مختلف طبقوں کے ہیں ۔ ایک طبقہ وہ ہے جو ہوشہ نجات کے ایک طبقہ وہ ہے جو ہوشہ نجات کے ایسے برنگاہ دکھتاہے ، حق سے متحق رمینا ہے اور ندریب ، نس امی کوا بناملجاء و مادی مجھتاہے ۔ ر

دور اطبقه ده ب حس نے حق کومی اس کے اہل سے نہیں ببا۔ ان کی مثال ا سے بھیے کوئی دریا ہیں اس کشتی پرسوار ہو حی کاکوئی ناخط (کشتی جلانے والا) مزمود دریا میں ہو تو وہ می متحرک ہوجا ماہے اور دریا ساکن ہوجا مے تو وہ می ساکن ۔

تیسراطیقه وه به حس پرشیطان کاتسدط سے ان کا کام اہل تن کی ایستان کا استدط ہے ۔ ان کا کام اہل تن کی ایستان کی الفت کرنا ہے 'اپنے دلی لعین وحسد کی بنیاد برباطل کے ذریعے سے لوگول کوئی سے ممانا ہے ۔ ہے 'محرصور و ! بدند دکھوکرکون دائیں جانب کی اورکون مائیں جانب اس لیے کہ جسکے مرصور و ! بدند دکھوں کو جسم کرنا چا ہتا ہے لوبہت آسانی سے پیجا کرلیتا ہے ۔ مروا ہا اپنی منتشر مجیر وں کو جسم کرنا چا ہتا ہے تو بہت آسانی سے پیجا کرلیتا ہے ۔

تم نے لیے خطاس ہمارے شیعوں اور موالیوں کے اندرافتلات کا تذکرہ کیا ہے۔ توجب وصیّت اوراولاواکر مونائی معیارا مامت عظہرا کو تھراب دیب وشک کی کیا گغالیہ ہے جوفیصلہ کرنے والافیصلہ کرنے بیٹے گا ، وہ خود بہترین فیصلہ کرسکا گا ، جوم سے بولیت طالب ہواس کی بہترین مواہیت کرو۔ اشاعیت اور طلب ریاست سے دور دہو ہے وول جیسٹ اے اسحاق ؛ استرتم پراور متعارے کوں پرچم قربات میں نے تم سے ہر بات و مقاحت سے بیان کردی ہے جیسے سے بیان کا و مقاحت سے بیان کردی ہے جیسے سی ابینے تحق کے سائے بیان کا جائے جواس امرا امت کو باکل سجا ہی نہ ہوا ولا ایک کو ہے ہے جی اس معاطع میں اسے قدم نہ نہ کہ اگر اُن کو سخت سے سخت بیم ترجی ہے ہے لیے اس کے اور فور الطاعت الی کی طرف واقع و ما کل کر خون نعوا اور فور الطاعت الی کی طرف واجع و ما کل کرخون نعوا اور فور الطاعت الی کی طرف واجع و ما کل موجوا ہے ۔ اب اس کے بعدتم لوگ جو جا ہو کرو۔ الشرا وراس کا درو گی اور فون میں تعمارے اعمال کو دکھیں گے ۔ اس کے بعدتم لوگ اس خوا کی طرف ایک اور میں ما قبت مقیوں کا جانے والا ہے اور اس وقت وہ تم لوگوں کو بتائے گاکہ تم نے کیا کیا اعمال کے ہیں ، ما قبت مقیوں کے بیے ہے اور میرت زیادہ حمد مقدل کے رہے العالی کے ہیں ، ما قبت مقیوں کے بیے ہے ۔

سے پیس بروبر ہوتی ہے۔ اسماق ! تم ہما دئے بیغام رسال ہوہتم آباہم بن عیدہ کومر ابیغام بہو کیا دواور النہ است تونیق دے کہ وہ ان باتوں برعل کرے جو میں انشار اللہ محدین ہوئی نیشا پردی کہ مرفت بزراجیم خطاس کومطلع کروں گا۔ یہ بیغام تما ہے ہے اور تمعادے سا دے المی شہر کے لیے بھی ہے کہ وہ ان اسکان بھر سے کروں گا۔ اسکان بھرس کریں جو میں نکھ کر انشا رائٹر روانہ کروں گا۔

ارامیم بن عده کوچاہے کوومیرافطاینے المی شہرکومی پُرھ کرٹ خادے تاکر دہ بازیں سے بی اور اللہ کی اطاعت سے تمسک بوجائیں۔ ابراہیم بن عدہ پراورتم پراسر کی طرف سے سلامی اور برکت خادل ہو انیزمرے ووستدادوں کو بہت بہت الام بنا المیر تعالیٰ اپنی آفیق تم سے گوں کے شائی حال کرے۔

محارے اہل شہری سے سمال حودد تداریم ارسے اس خطاد پڑھ یا تمالے عالم اللہ اس خطاد پڑھ یا تمالے عالم اللہ کے وہ لوگ بوت سے انوان نہیں رکھے ، اُن پر لازم سے کہ وہ ہما اسے تحقیق ابراہم کے حالے کردیں اور ابراہم پر لازم سے کہ وہ اسے مازی تک پہونچائیں ایس اور ابراہم پر لازم سے کہ وہ اسے مازی تک پہونچائیں ایس کے کردیمیرے علم اورمیری وائے سے سے (انشار اللہ)

## ا = تاریخ وفات

مصباح می مرقوم ہے کہ حفرت الجمستدا الم من مرقوم ہے کہ حفرت الجمستدا الم من مکری عدارت میں مرقوم ہے کہ حفرت الم عدارت الم می وفات بیم رہے الاوّل کومونی اوراسی روزسے حفرت الم می قائم آل می عالم کا دورا ا مشروع ہوا۔

د اقبال الاعال ) ویگو • کتب الدروس بی مرقوم ہے کہ حفرت امام سن مسکری مالیک بلام نے بروز مکیٹ نبہ شرین رائے میں وفات پائی ا ورشیخ مفید علیہ الرحمہ کا قول ہے کہ آپ کی وفات مرسج الال بروز حب سیرنز کی موثی ( کتاب الدروں )

دَيكُر و سَنَّ رَوْضَةُ الواعظين مِن مِي الى كَ مَثْل روايت سِي مِن يريب كراك كاعرالاً چِرْسال راميكم ما و ربي الأول كويعار بوث ادر بروز جعه اشقال فرا با ..

( روفته (اواعظین )

ر مصباح تقعی میں مرتوم سے کہ آب نے بیم رہیے الاول میں وفات ہائی اور الکی دوسرے مقام ہرہیے کہ مرسیح الاول موز جھروفات یائی دمعتر نے زم سے الدیکا ،

عيون المعرات بي احرب اسما ق بن صفل سدروايت ب اس كابيان سي ك الك مرتبهس حضرت الوحستدا المحسين عسكرى عاليت الم كاحدمت من حاضر بوار آت نے مجے سے فرایا کے احد اس وقت تم اوگوں کا کیا حال ہوگا مجب وگئے شک وریب می مبتلا مول کے ؟ مين في عض كياكر حبب بذر يع خط حفرت (المم قائم ) كى المسلاع لى قواس وقت بهادس مرود ن عورتون اور ما لغ الغم الأكون مي كوتى ايسان تعاج لي كا قائل م موكَّما مود آب نے فروایا میں ہے کیاتم دوں کا میں معلوم کر دمین کمی حجت خواسے خالی دریگی بيبااوراخين تبادياكرنا درميكيابون واللب بهرآت فاليم عظم وبزركون كقبركت اورك لاح وغيره سب حفرت الم م فائم علايست لام مح ميرد فرام اوراب كى والدة احده كم روان ہوگئیں۔ آپ نے ماہ ربیع الآخرسنان مریں وفات باتی اور مُترمن رائے میں اپنے پرونز کھار مربيلوس وفن كيه من رقت وفات آئي كي عمر ٢٩ سال مي - ( ميون العوات ) اپی والدة گرامی کوای منت کی افلاع حضرت الوجم تدا ما حسن عسكرى وليستك الم كى والده كراى سے دوايت كى ہے : أن كابيان بے کرایک دن میرے فرزندالوح سمدنے جمع تبایاک منزلندہ میں مجدیداکی معیب تے گ وسے کہ وہ مرافاتر مذکرت واگراس فاکیا تو مرائل مرس تولیتی ہے۔ اُن کا بیان ہے کہ بین کرسی نے گریہ وزاری شروع کردی۔ آپ نفزمایا "گرمه وزاری مه کرس" بدامرالیی وقوع پذیر موکرد منگار جِب ما وصفر ك ليدى ا مام عليت لام مذاك توده بي وصفر بالكيس و المرك چین تھا نہ بیٹے سکون حبل کی آباد لیب میں جات متیں اور پڑھیتی تھیں کرمیرے فرزاد کے متعلّی کوئی المسلاع تونهي آئي: أن كا يسلسد الام عليست لام كى وفات كى المسلاع طن ك حامى وط-س = جعفر بنائق اورعبد المت كى بصورى

ا \_ تاريخ وفات مصباح ين مرقوم ب كرحفرت الومستداماح ومكري علايست بام كى وفات يكم ربيع الاول كوبونى اوراسى روزسي حفرت امام قائم الم مخرع كا وورا، ر کانی جلدا مستنفی محدب بريطري نے كتاب التعربيات اور محدب بارون تلحكرى وسين بي حدان خطيب في يزين مغير عيد الرحرف الى كماب مولد التي والاوصيار عي الشيخ ف تہذیب میں حسین بن خریمہ ونفری علی جیھنی نے کتاب الموالید می اسی طرح خشاب نے ابی کتاب موالیدی اورابن شهر کشوب نے اپی کتاب الموالید می محسر رکیا سے کر : حفرت الميمسن عسكري كى وفات مرربع الادل كومونى كتب الدروس يس مرقوم ب كرحفرت المحمسن عسكرى عليست الم ف بروز مكيث نبه مرمن رائي مين وفات يائى ا ورمشيخ مغيد مليه الرحمه كا قول بيه كرآب كى وفات مرسي الله بروز جعب برسته به موسي ميوتي -كتاب كافى م رقوم ب كرحفرت الممن عسكرى عليست إم كى وفيات مراو رمیع الاول مزسید میں ہوئ ' اوراس وقت آپ کی عر ۲۸ مال تی ۔آپ مرمن وائے کے افدلین كوس بندر براد كوار كے بالوس وفن موت . (کای مبدا م<del>۳۰</del>۰) . ویکر . تروخته اواعظین میں بھی اسی کے مثل روایت ہے۔ نیزیہ ہے کہ آپ کاعمالیا چيسال رايم او ربي الاول كوبهار بوف اور بروز جعب انتقال فرايا معباح تعمى مين مرتوم سيكم آب في يح ربي الإول بي وفات إلى اود ديك ووسرت مقام يري كم الربيع الاول معذه بروات يأني ومعترف زيرسي شيدكي

## س امام عظرني آب كى نازمنان را

الجالا دیان سے کھیں حفرت امام سن عسکری بن علی بن محدیث بن مولئی بن مجفوی علی بن محدیث بن علی بن الم محاضوت کا در تقا آپ کے خطوط شہوں میں لیجا یا کرنا متسار چنا کچہ آپ کی اس میاری کے عالم میں جس کے اندر آپ نے انتقال فرمایا "میس کے اندر آپ نے انتقال فرمایا "میس

حامرِ طورت ہوا۔ ''آب کے کئی خطوط مخسد روز اکرمیرے سپردیکے اور فرمایا ' ایفیں مرائن ہجباؤ تم بہال سے بہٹ درہ دن خائب دمہو کئے ' گروب پیٹ درمہوں دن بہاں والیں آؤسکے توسنو گئے کمیم گھرسے گربہ و زاری کی آ واز ملیندسپے اورمیں سختۂ عنسل پرمہوں ۔

ا بوالاديان كابسيان سي كميس في عرض كيأة قا! أكرابيا بوا الدّعيراب كيعم

(ا مام ) كون ميوكا ؟

اس نے فرمایا وہ ہوگا جومیرے ان خطوط کا جوابتم سے طلب کرے گا۔ میں نے عرض کیا مجھے اور وضاحت فرمائیں ۔

آپ نے فرمایا 'میرے بعدوہ امام ہوگا جومیری نماز جنازہ بڑھائے گا۔

میں نے عرض کیا 'کھ مزیدومِنا حت فرائل ۔

آپ نے فرمایا ، میرے بعد وہ فض امام ہوگا جو بتا ہے گا کہ صیلی میک تن رقم ہے ؟
اس کے بعد آپ کی ہیں ہ و رُعب کی وجہ سے یہ مذیوجہ ساکھتنے ہی ہست و رُعب کی وجہ سے یہ مذیوجہ ساکھتنے ہی ہست و رُعب کی وجہ سے یہ مذیوجہ ساکہ ہندا ہوں کی چوب میں تنام خطوط سے کہ مدائن بہونچیا ، وہاں سے ان خطوط کے جوابات سے کہ میں درن وی دیکھا جو آپ نے فرمایا تھا لیعنی آپ کے گھرسے گرید وزاری کھتے ۔
اُواڈی بلند تھیں ۔ اور آپ کے مجانی جمع کھرکے درواؤے بریسے ہوئے سے اور سنیعد آپ کے گود رسم تعزیب کے گود درج تعریب کے گود درج تعریب کے گود درج تعریب کے گود درج تعریب کے ایکھیں کے میں میں تعزیب کے گود درج تعریب کے گود درج تعریب کے میں میں میں میں میں تعریب کے گود درج تعریب کے گود درج تا میں میں میں میں میں میں میں کہ درج تا میں میں کے میں کہ درج تا میں میں میں میں کہ درج تا میں کہ تھا کہ درج تا میں میں میں میں میں میں کہ درج تا میں کے تا میں میں کہ تا میں میں کے میں کے میں کے میں کے میں کہ درج تا میں کرد کے میں کہ تا میں کہ درج تا میں کہ درج تا میں کہ تا کہ تا میں کہ تا میں کہ تا کہ

دم مرسی سے بیلے ہات ہے۔ حبت کو کفن پہنا یا جا چکا ہے ۔ حجفر آگے بھرے کہ اپنے معانی کی نماز حبنازہ پڑھا ہیں۔ جیسے ہے۔ اکفوں نے تکبر کینے کا ارادہ کیا ' ویلے ہی ا مرسے ایک کسن صاحبزادے بڑا مرہ کے (جن کا رائک م گذی امر دگھنگھ ملے مال محوی نماط زیم ی انفوں نے اکر حفوض امام حل ان کا واج کا تعانی کا ایک انسان کا ایک کا دائل کے دائل کا دائل کا دائل کا دائل کا دائل کا دائل کے دائل کا دا یں میاد ہوئے اور اسی تن میں اسی جینے کی آطرنا ریخ بروز حب وفات پائی۔ وقت وفات آپ کی عراضاً میں سال کی تھی اور تھ ترمن رائے کے اندراس گھریں وفن کیے گئے جس میں آپ کے ایدر بزرگوا د مفون ہیں۔

آت نے اپنے بعدا نے فرزندا ام قائم المنظ کو حکومت حق کے قیام کے لیے جوڑا۔
امام قائم المنظر کی ولادت اورائن کے معاملات کولپرٹ بدہ رکھا گیا اس لیے کرزا نہ بہت سخت اگیا تھا۔ بادشاہ وقت کو آپ کی طری شدت سے ملائن تھی۔ وہ آپ کے معاملے کو معلوم کرنے کی شدید اگیا تھا۔ بادشاہ وقت کو آپ کی طری شدت سے ملائن تھی۔ وہ آپ کے معاملے کو معلوم کو معلوم کو کو گئا آپ حدوج بدر کررا محال کرنے کو انسان میں دوایات مشہور تھیں اور وہ کو گئا کی معاملے کا اس کے اس کے اس معاملے علایت کو معلوم سے کو شدہ میں دائی زندگا محر ان کی دولادت کو لیٹ مرد کھا اور آپ کی وفات کے بعد ریام عوام سے کو شدہ میں دائی دیا ہے۔

مپر حبفرین ا معلی انتی این محاتی حفرت الجمستدا احسن مسکری علات الم کے تمام کری علائے اس کے تمام کے تمام کے تمام کو برق العن موکیا ۔ ان کی ساری کنیزوں کو محبوس کرنے کی اوران کے حاکل پر برش لگانے کی تک کی اوران کے اصحاب پر جوان کے فرزند (ام عمر) کے انتظاری سے اوران کے وجود اوران کی اوران کے وجود اوران کی است کا قطبی لیمین درایا 'وحد کا یا است کا قطبی لیمین درایا 'وحد کا یا است کا قطبی لیمین تیدون بر مرد و تحقر' استخفات و تذلیل 'غرف برطرح کے مصات اوراس کی با دائش میں امنی تیدون بر مرد سے مصات برواشت کرنے بڑے ۔ مگروہ لوگ اپنے اس اعتقادے با ذیدا کے اور یا دشاہ وقت ان کو ایس کے برواشت کرنے بڑے۔ مگروہ لوگ اپنے اس اعتقادے با ذیدا کے اور یا دشاہ وقت ان کو ایس کے برواشت کرنے بڑے۔ مگروہ لوگ اپنے اس اعتقادے با ذیدا کے اور یا دشاہ وقت ان کو ایس کے برواشت کرنے بڑے۔

روسے ہی سی ماہ میں رہا۔
سعبفر بن اما علی انتی نے اپنے عبائی کے ظاہری ترکے پرتبغہ کرنے کے بعد رقب کوشش کی کوشش کی کرائی کا امات کی کرائی کا امات کی کہ برے بالی کا امات کی کوئی معتقد نہوسکا تو مجدد اسلطان وقت کے باس پہونچا اورائی سے ورخواست کی کہ میرے مبائی کے بعد آپ مجھے اُن کا عہد اُوا مت سبرد کردیں۔
کے بعد آپ مجھے اُن کا عہد اُوا مت سبرد کردیں۔

وری کا مرده المست جرور روی می این این این این کان مواکد برسلطان کے اس کام کے لیے گمان مواکد برسلطان کے اس کام ک

مقربين ميں سے بي اعنيں بجوار كرنے كاكوشش كى يگر كوئى فائدہ مرموا۔

سری سام ہیں۔ کا در روز کے متعلق اس تسم کی بہت کی دوایات ہی جن کی تفصیل پر کاب حجف بن اہ معلی انتی میں کے حیوار تاہوں ۔ وہ روایات ا مامیہ اور عاقد میں سے اُن میں خبیبی تاریخ سے محیب سے بہت مشہور ہیں۔

(الارتشاد شيخ مفيدج مد ٢٢٥)

حضرت الواحسن امام على اسق علاست لام في مايا ، يه تحارب الممهي سبي ا مام مجد الغين سلام مركزنا عماس المم تو (حضرت المم الوحسة حون عسكري الك طرف اشاره فرمایا ) يه بي . ( إن كوك لام كرو ) ( میبتہ طوسی صبی ) شا ہور بن عبدالسر بلآب کا بالنہ کمیں ہے حضرت الوالحسس المعلى التي عليات الماس ان كفرزند الوحيفر كمتعلّ ببتكالي باتس منین کوب سے کمان ہونے لگا کرایٹ کے بعدیدا م موں کے جمرجب ابو حبفر کا استقال ہوگیا ومجر را قلق بوا مجررى حران على اورمس برساس وبيش بين تفاكراس كيمتعك ات وخط المدكر دريافت كرون يا ذكرون يسجدين ببين آتا مقاكرة مئنده كيام وكأر بالآتوميس غيآت كوخط لكمعا اوداس اس ورخواست كى كدآب وما فرانس كەحكومت وقت كى طرف سيميں البين غلاموں كے متعلق برامن فكر موں ميرى يەفكرا وربر بينيانى وورم وجائے-آپ نے خط کے جواب میں محت در فر ما ایک میں نے دعا دکردی ہے ، متصاری عندام تمعين والبس ل جائيس كمر رام كے بعد خط كے آخريں يهي تحسير يفر ماياك بمقارا ارادہ مقاكر فجرس يرميدي الدِحبفر كالواشقال موكيا اب آي كه بعد آب كاجالسين كون موكات اس کی تعین بڑی فکرے و سکری کوئی بات نہیں السرتعالی کسی قوم کی برایت کرنے کے بعد گراہ نہیں ہونے دنیا' اُن پرراہ نجات کوواضح کردنیاب بسنو اِمیرے بعد م لوگوں کے اہام مرے فرزندالوجست موں مے ۔ اک کے پاس مروہ چنرے من کی اِس امت سلکو مرورت ہوگا الشرجي جامبًا بهي آك برصاديتاب اورجي جامبلب بعجي مثاد تبلب جنا في فراياب كم: " ہم من آیت کومی منسوخ کرتے یا مح کرتے ہیں اس سے بہتر یا اس کے مثل دوسری آیت لاحیفی پرومامان عقل و موش کے لیے کافی اور واضح ہوتی ہے ۔ ( غیبتہ لحوی صاحب ) ابن قوہ پرنے کلینی سے اکفوں نے علی بن محد پتدسے اوراً کمغول سنے اسحاق سے (كافى حبد المستام المادفية) اسی کی شاردایت کی ہے . واعلام الورى صلفه ) یعی بن بسارقبری سے روایت ہے ۔اس کامیان ہے کرحفرت البالمسسنی ا مام علی اُستَی علیٰ کِستَیا م نے اپنی وفات سے حیار ما ہمبل کہنے فرِّرَہ وصرِت

متوقه مهيئے اور فروايا: بان الدالة المراشم الشريعالى في الوحفر كانتعلق نياحكم جارى فرماديا اوراك كے بدلے الوجستد (اماحس عسرى ) عليست لام كوعبدة اماست سيردكرنے كاحكم بالكل اسى طرح جيد حفرت امام عيفرصادق عليكت الم كم لعد كم يدام موائح كم تعلّق نيا جاری کردیا تھا ، پر بالکل ایساسی ہے جیسا تھا را دل کہ ریاہی ، خواہ اہل باطل اس کوکتنا ہی ا كري رحمراب ميرے بعديميرا جالشين ميراف رزندالوفس تند (حسن عسكري) سے اس پاس مروه چیزیے حس کی امت اسم کے معرورت ہے اور الحرس کے باس امت کا ا (غيبة طوسى صنال ) کتاب ارشادیم بھی ابوہاشم حبغری سے اسی کے مشسل دوایت ہے۔ ر الارشاد صلاح ) محربن بيي سے روايت بي كرحفرت الم الوالم على النقى على البيت الم كے فرزند الوحيفرى وفات كے بعد ميں بغرض تعزيت آپ كى خدمت يو موااس وقت وبال حضرت الوحسيد (١٥ مصن عسكرى علايست ام مى تف ميس في حالي آب رورب بن حبب حفرت المام لل بنقى على التقطيع في آب كوروت مور و ويجا توارشاد ا بیا استر تعالی نے معیں شایت عطافر مانی سے اس لیے تم اس کاشکر اداکرو۔ ( اعلام الواري كافي جلدا مسته الارشاد صاح ١٦٠٠) احمرمن مجدمن رجاصاحب ترك كابيان سيحكر الدائحسن ( امام على التق عاليك الم على الم المرام المرام المركم ا (غیبتہ طوسی صنہ ) و) = لص آخسه احب بن عبيلى علوى جوعسلى بن عبفرى اولادي تغ أن كابيان ب كرايك مرتبه مي مقام صريابين حضرت امام الوالحسس عَلَى التي التي كى خدمت بين عاضر يوامي نے آپ كوسلام كيا اتنے بين ديجاكدوبان (آپ كے فرن الإحفراود الوحسية عي آكة -مين ابي جكرس أنظ الكر الدحفركوس لام كون-

آپ کے خطوط

والسيالية موابل أبدكام

انفیں اُن کے ٹیک اعمال کامپل ملا۔
اسٹیں اُن کے ٹیک اعمال کامپل ملا۔
اسٹیں اُن کے ٹیک اس کے بعد کسل مہادگوں کے اراوے سنگم ہوتے گئے بہارے داول کوم کو گوگا۔
انکے مغالات سے سکون متمار بائے ٹیر سادے اور تصارے درمیان مل اور تھی ہوئی قرابس فوی اور اس کی ہوائے گئی اس کے دھیا رہے اور تھا دے اسلاف و بزرگ اس کی وہیت اور اس کی ہوائے گئی اسٹی وہیت اور اس کی ہوائے گئی گئی اسٹی درمیان بیر توریق کے سکے تھے رہا ہے درمیان بیر توریق کے سکے تھے رہا ہے۔

مدردی اورمواسات پیداک ہے یہ اس کانیجہ ہے۔ خِانچہ عالم دحفرت الم حفومادقی علی علیہ الم کارٹرادی ہے 'و ایک مون دوسرے مون کا بعالی باکل واب اس بودا کہے جیسے لیک تال بالی ا سے دوسے معالی پیداموشے ہیں۔ سے دوسے معالی پیداموشے ہیں۔

س على بن ين بالويه في كنام

علیتیام نے علی ابن الحسین بن بالورقی کورخط مخسسر برفر مایا : علیتیام نے علی ابن الحسین بن بالورشی کورخط مخسس الشریب العالمین کی جرکہ کا المان المان کی جرکہ کا المان کی جائے ما جان نفوی کا ہے ۔ جنت موقدین کے ہیے ہے جنہم کمارین کے لیے ہے ، اور سالمان کے المان کی ہے ہے ، اور سالمان کی

صاحبانِ نقوٰی کاہے۔ جنت موقدین کے لیے ہے جہنم کمحدین کے لیے اوری برسزامی زبادتی زمبوگی رنیس ہے کوئی السّرسیا ہے اور اللہ کی استرسیا ہے اور اللہ کی استرسیا ہے اور اُن کی استرسیا اللہ میں موقع کر اور اُن کی استرسیا اللہ میں موقع کر اور اُن کی استرسیا اللہ

میرے دلیں یہ آپ آتے ہی آپ میں طرف توقیعوت اور فرایا " جرکیم تصارے دلیں آیا وہ صبح ہے وہ آک کے الحالق ٹوالا صرتبارات الله دیب العالمین • " دون کی دری گاہیں تاہدای آئے ہے ، ندایس اس کا مخلاق میں

میں نے عرض کیا' میں گوامی ویتا ہوں کہ آپ حجت خواہیں اس کی محلوق ہیں۔ ومقارا بوائح صصیحہ )

الله مَا يَشَاءُ كَاتُفِيرِ عِمِ اللهُ مَا يَشَاءُ كَاتفيرِ عِمِ اللهُ الغيرِ)

الإراشم كأبيال ا

اور اُسی کے پاکس اُم الکتاب ہے۔) کی تفیر وجی اور کہا اسٹرائی کتاب سے اسی چیز کانام قومٹا تاہے جو موکی اور اسی ج

کانام ٹابت رکھاہے جوامجی ہیں ہوئی ہے ؟ سے ٹیمس نیار بنر دل میں کیا کہ مشام بن حکم اس

یرسن کرس نے دیئے دل میں کہا کہ شام بن حکم اس قول کے خلاف ہے اکر شام میں میں میں کہ اسلام کہ ا

جبتک کوئی شے پیدا نہ ہو جائے ، وہ اس کاعلم نہیں رکھتا۔ میرے دل میں بیرات ایجی آئی ہی تفی کہ آپ نے مجے دیجے اور فرمایا : اسک

جبّار و حاكم و عالم بهد ، وه چیزون كے بيدا بونے سے بيداس كاعلم ركھتا ہے -پيسن كرس نے كها ، ميں كواہى ديتا بون كرآئ حبّت خدا ہيں ـ (آئ كوس

المناريون موس

دل کی اِت کاعلم سوکیان

الماسے قرآن مجید مخلوق ہے (علم ان الضمیر)

ابوباشم كابيان بي كاريد مرتبيس سوى ربا مفاكر معلوم نبين قرآن مجد مخاوق يوم كابيان بي كاريد مرتبيس سوى ربا مفاكر معلوم نبين قرآن مجد مخاوق الله المحسوات المواس كالوبالمث و سنو، خدا خالق ب اوراس كاسوات في جيزي بي وه سب مخلوق بي -

وشاتب جديم مسته

کومی بنا دیں اور مم ابن بلال سے (اسٹراس پررح بنکرے) انٹری بادگاہ بس اپنی برات کا اظہار
ہرنے ہیں ، بلکہ اس سے می برات کا اظہار کرتے ہیں جوابن بلال سے برات کا اظہار نرکیے۔
جوہات میں نے تم کواس فاہر (ابن بلال) کے معلق بنائی ہے وہ تم اسحاتی اور اس فاہر (ابن بلال) کے معلق بنائی ہے وہ تم اسحاتی اور اس کے اہل نا ندان کومی بست دور بلکہ برائی خص کوبت وجہ سے ابن بلال کے متعلق دریافت کرے خواہ وہ اس کے اہل خم بروں خواہ باہر کے ۔ نیز ان لوگوں کومی جنیس تم طلع کرنے کا اہل مجود نیز ہوائے وہ دوستداروں کی دوستداروں کہ مبارے دوستداروں کہ ہما ہے۔ بہر بہا ہر اس کے ایس اور انشاء انڈوں کے متعلق بھربت ایس کے ۔

بہوئی نے میں ۔ اور انشاء انڈوں کے متعلق بھربت ایس کے ۔

بہوئی نے میں ۔ اور انشاء انڈوں کے متعلق بھربت ایس کے ۔

الوحامد كابيان بي كراس كے باوجود ايك كروہ امام علايست لام كى تحسدىر سے الكار

براڑا را اوراً خول نے فوداس کے متعلق آپ سے رج ماکیا ۔

آٹ نے نسر برفر مایا : اس فض کوالٹر کا شکر اداکرنا چاہیے جس کے دل کوالٹر ہا یہ اسٹر مایا : اس فض کوالٹر کا شکر اداکرنا چاہیے جس کے دل کو اللہ بہتیا ۔ کے لیہ رکم او مور بہتیں وہیا ۔ تم نوگوں کو معلوم ہے کہ دم مقال دائد اس برلعنت کرے ) کا 'باوجود خدمت اور طویل صحبت کیا انجب مہوا ۔ اس کے کر آوت کی وصب سے اللہ نے اس کے ایمان کو کو سے بدل دیا 'اس کو مزر مہلت نہ دی افرام بتلائے عذاب کیا ۔ (رجال کشی صوب میں)

اسماق بن اسماعيل كنام كطويل خط

تم لوگ اور دہ لوگ چھادے جیے ہیں جن پراسٹرنے دحم کیاہے تھا دی جیسی ہیں ہیں۔ رکھتے ہی بالمل سے کمارہ کش میں ٹافرانی اور مکٹی میں اندھے ہیں ہیں۔ ہیں ہیں ان پرود حقیقت انٹر نے نعمت تام کردی ہے اس ہے کرتام نعمت جنست میں داخل ہوتا ہے اور مرافعت نحاہ وہ مجھا ہے۔

ر مناقب مشلام ۱۳۷۰ )

(٢) = قاسم بن علام كي نام

على بن محدين قتيبه في إحديث الراسم مراف

سے روایت کی ہے۔ اس کابیان ہے کہ حفرت الوجھ اہم سن عسکری علیست بام کا ایک خوا قاسم بن علاء کے پاس آیا جس میں ابن ہلائی پر نعن مرقوم تھا۔

اس کی ابتداریوں ہونی کہ آب نے عراق کے اندیاسے دکھیوں کو تحسیر روایا کا ا

بنافرن ورمنوى موفى سن فكررسا

اودا حرب بلال کا مال برستاکروہ چڑت ج کرمیا مقاح بیں ہے اس فیے پاپیادہ کیے تے عراقی را دبابی مدیث می اس سے ملاقات کے تے اوداس کی بیان کروہ حدیث کی کمید لباکرتے ہے اِس کے مقاق جب مندریتر بالانحسد بربیوی تو نوگوں کو تعجب بوار اورقاسم ب علیا پر زور ڈالاکہ ابن بلال کے مقاق امام سے بھر رجوع کریں۔

أنغون في الشيسة دريافت كيار

آپ نے اس نے وابی تھسدر فرمایا کہ اس مصنوی صوفی ابن بلال کے متعلّق کی ا حکم تم کو بہونی جہائے ، میں اس کو بہلے ہی سے جا نتا ہوں الشرندائس پررھم کیسے گا اور نہ اس کے گناہوں کو معاف کرسے گا ، نداس کو عذاب سے رائی وسے گا۔ وہ مباری اجازت اود مرضی کے بعنب دہار سے عاملت میں خیل ہوتا 'اوراپنی لائے حب لا تلب سے ہے نے اس پر هبر کیا ، بہا نتا کہ بہاری مہ وعاد سے الشرف اس کی عمر کا سسلہ مقطع کرویا ۔

اوراں اور اسٹراس برجم ندکرے میں نے قواس کی زندگی میں ہی لینے دوستداروں کے ایک کرندگی میں ہی لینے دوستداروں کے ا ایک گروہ کواس کے تعلق بنا دیا تھا اور ہے کہ ویا تھا کہ یہ بات وہ ہمارے منافس دوم تداروں

وصى اورتمعار حنگر كانگرال تعاراس پرجزع فزع ذكرنا احبروهنبطست كام لينا ورد بمقال بعربرك كمرسة خطآ باكد تمحارا جيوالمالط كإبيارى سيصمتياب بوكيا الكرموالوكا أس دن مراص دن حفرت المحسة علاست الم في خط محسدر فرا يا تفار (كشف الغمر حليس مستبس مناقب میں بھی سیعت کی بھی روایت مرقوم ہے۔ (منا قب حلدی مستلیم) ( کافی جلدا ص<u>وه ۵</u>) دلان جیسدی می محرب حسسنرہ سروری سے دوابیت ہے کرمیں نے الوہائم واؤد بن قاسم كے ماغذ جس سے ميرا بھائى چارہ تھا' ايك خطاح حضرت اوجستدا مائم ن عسكري م كى خدمت مي رواندكيا اوراس بي التجاكى كرآب وعار فرمايس الشر مجيع بجرس عنى كرد يدين فلس موكيا موں. (ماکرمیرے حالات مہتر موبوائیں) أيّ نه اس كم بالتدير ع خط كاجواب روانه فرماً ياكس ! التدف تحيم عيفى كرديا٬ تيراچچازا ديمائي ي بن حمزه نے وفات پائی اودايک لاکھ دريم چھوڑ گيا۔ يرقعنقريبَ تيرے پاس بيو يخ والى بے رائد كاكب كراداكر اففول خرى جوز اعتدال سے خدرج كر اس كے بعد تران سے ايك تخص ايك لاكھ درسم كى بېندى ليك كرايا ،اوراس سے علوم مواكرميرا حجا زادمعانى أس روزمراجس روز الوبإشم ميرب موالس ميرس خطاكا جواب يكروالس موأ تقاربهمال جيهاكه ولا في فالاعماء مرافع دورموا اورس معرغي بوكيا - اس بي سيمس حق الشراقع نكالديا ، كيديت معائبون كى مدى يجرا تحدوك ليا بعيساك ولأكاحكم تحار حالاتكراس سے بميلمين ( كشف الغم حليه مهيس حجاج بن مفیان عبدی سے رواب سب اس کابیان ہے کہس اینے دولیے کولھرہی عليل حيور كآيا تقاراس يعصفرت الوجمستدامام حسن عسكرى عليست لام كوخط لكعا اورآث سطالب آبِ نے جاب می تحسد رو فرایا 'اگر تھا دانو کا مؤن تھا توالٹر اس بررھم کرے۔ عماج کابیان ہے کراس کے بعد بعر سے خطآ باکھرال کا اسی دوزمراجی دن حفرت الدِمِحسة معلليت لِمن مجع خرط كلها تها داوروا قعًا مرال كاشيول مِن اختِلات كى بنا ديرَابٍ كَى ابامت میں شک کرنے لنگامتھا۔ کشف الغرمي دلائل جميي سے حجاج کی بھي روايت مرقوم ہے ۔ (کشف الغرمایس)

صدق وصلاح ورع القوى وسيكى من بهت مشهور تفاجس كولوك بورق بوشنجانى كے نام سے یاد کرتے تھے۔ بوشنجان سرات کے دیبا توں میں سے ایک دیبات ہے۔ الغرض الادہ بواکرائن طاقات كرون ماكرعبد محبت مازه موجات -میں اس کے پاس بیونیا تو دہان فضل بن شاؤان کا ذکر آیا، تو بورق نے ستایا فضل بن شاذان بریٹ کے شدر وض میں مبتلا تھا اشب میں قصا سے حاجت کے لیے موڈ مراح بورق نے یہ مجی تبایا کہ ایک مرتبہ چے کے لیا توم رہی عسیٰ عبدی سے جی جا کھ دیماکرساری کیفیت جیمی ومکھ گیا تعادور ہوگئ سے میں نے پوچھا اب کیا خبرہ ؟ انعون ني بناياك وحرت الوجم تدعاليست الم قيدس رام موكة . بورق کا بیان ہے کہ معرمیں وہاں سے سرمن رائے آیا 'میرے باس دوزوہ ا ك اعال كى ايك كتاب عنى من اسے بيك رحصرت الوجم تندا ما محسن عسكرى عالي الم مديت ي حافر بوا اوروض كيا مين آي يرفدا ذراس كتاب ينظر فوالس آب نے اس کتاب کا ایک ایک صغه اورایک ایک درت و میما اور فرمایا - بیایی مناسب بيكواس كعمطابق اعمال بجالاك حاشي-میں فروض کیا مولا! فضل بن شاؤان شدید بارہے ہوگ کہتے ہی کہ جنگ يركبات كرا بإنجيم كے وصی مفرت محست مرسق الشرعاد كالوب لم تحے وضی سے بہتر تقے . اس م بن نے اس کے لیے بدوعار کروی میاسی بدوعار کا اشہد مال کد میں آپ برقر بان میں ا أس في بركز بنبي كي رياس برلوك جوط اوراتهام لكلت إي-تَتَبِي نِهِ وَمانًا ، إن واقعًا جور في دا تهام تكاتيبي دالله فضل يردم كر-بورق كابيان بى كىمى وبال سے واليس موالومعلوم كوفسل الى مى ولول مى مرا جن داول مي آب نے فرایا تھاكم اس فضل بردم كرے " (رجال كمنى مامع) سیف بن لیت سے دوایت ہے اس کا بیان ہے کجب می معرسے لاتوا بیٹ ايك وكرك كوعليل جور عبلا مقائب مراايك اور لوكا مجس مي اس ما رلوك سے مرامقا معراف اورميرسانل وعيال وجائيراد كالكال مقاعصت مندا ورتندرست تحاميس فيحفرت الجسس ا مام س عسكرى عاليت لام كوخط لكها اورلين بهار ليلك كى صحت كے ہے دعاد كى درخ لست كى۔ آت نے جواب سی تحسد پر فر یا ، شمعا داچوٹا افر کا اجہا ہوگیا ، گرم الا کا مرکبا جوتھا

واخطى اجارت نبيس وى تحى ماكه وه شراب نوسي سے توب كريس -مَعِينَ فرمايا مَ سِي كِيَةً مِومَكُرُمُ مِدِ لازم بِهِ كدان لوكون كاكرام واحرّام كروان ک تحقیر و آدین نه کرواس لیے کریہ سب ہماری طرف خسوب ہیں ، ورنہ تم خانب وخاسر دمو کے۔ الغرص بب احرب اسماق ج سعة والبي آئے توا شرائ سے سنے کے لیے آئے اوران کے ساتھ حین بن حسن می تھے جب احد نے امنیں آتے ہوئے دیکھا توفورا اُٹھوکان كى طرف دورس دائ كالستقبال كيا اورببت عرّت واحترام كسا تعامنين مدرميس ميكايا حين بنصن كويدوي كدكر فراتع تب بهوا وراس كاسبب يوجها ا حدیثے حفرت ام حسن عسکری علیسے لام اور اُن کے درمیان جو کی موامقا

وه نبيان كرويا-عين بن حسن فحب يرك نا الواين افعال قبير برمبت نادم بوك اس قدم كل الني كرواب آمي حتى شرابي تعين سب بجبينك دير اس كيرسار عربن أورد ادر صاحبانِ تَقْنَى وبرسِرُ كارى اورِصلَحار وعبادكى صفول مي شمار دونے لگے۔ اُنھوں نے مسىداختياركرلى، اعتكاف بي سين كله ايبال تك كدوفات بانى اورحصرت فاطمه دمصومهم > کے مزارکے قریب وفن ہوئے -

چىيانا . بال جولوگ بمتعارسە مخالفىن سىسىيى ائن كود كمانے كى خرورت نہيں ، إن موتيوں كو خنازىيك بروب تىلى دىكى دىناان يى كونى جسلانى نېرىپ

ميس فتحارياس خطي وصوليا بيمي لكعدى سي اود متعارس ليعاور جس کے لیے تم نے دعاء کی وزواست کی تمی اس کے لیے دعامی کردی ہے۔ ہم نے سیدکوائس كىسائل كے جوابات مى دىيىيد سى مگرستى كوچورنے كے بعدسوك مرابى كے اوركيار وجاتا ب يتم اي ننهرس اس وقت تك بركز بامر من جا ناجبتك كم عرى صلاقات مذكر يو ماكر تم دونون كاليكروس ستعارف بوجلت وه ایک طابر این اور پاکدائن شخف بس جوبلار مقرب ید اطان وجوانب سے جاتد و تقط وفيره ساك ليراني وه بالأخرال تكريبونينا جاب أكدوهم مكر برخاري والدالدي ببت ببت حد

العاسماق النشريعاليهي اورتهي الني رحت كدامن من جعبائ سكه. تحادے تام امودی ای قدرت سے معادی مدو کرے ۔ تم براور میرے تمام دورستدادوں بربرا سسلام بوا الشركي رحمت اوراس كى بركت مازل بور اور درود وسلام بمار سدستدوسردار ني صلى الشيط مي المسلم - ١ ١ م م الكشي صفي - ١ ١ م )

سادات کا احترام ضروری ہے من بن محقق نے اپنی کتاب تا ديخ قم " مي كركيليه ان كابيان ب كرمين في كم بردو ل سے سنا ہے كر حين بن حن بن حبغربن محدين اسماعيل بن الم حبفر صادق على السيت الم قم من رست سق عقد اور علامني تشراب نوشى كرت تے ايك دن وكم كاكم كے ليے احرب اسحاق وزير إوقائ قم كے دروانسے پر بہو بخ سیکن امنیں القات کی اجازت نہیں می محزون ومغوم لینے گھروالہیں آئے۔

اس کے بعدا حمدین اسحاق جھ کے اداوے سے شکلے ، جب مرمن دائے بہو بنے تو حفرت الجمستدام سعسكرى على المستقيلة مس الاقات كى اجازت جابى رآب في اجازت مذ دىدا مرن اسماق ديريك وي كوف دفي اوركر كولة ديد ريالك خدر آب في الفيس

حب اندوا عل بوس توعض كيا ، فرزندرسول إمي توآث كي شيعول الصعوب الا يس سيمول أب ن مجه حافر خومت مون سي كيون منع فرياديا مما ؟ آبیت فروایا اس کے کہتم نے میرے ابن عم کولیت وروازے سے محکادیانها يسن كراحربن اسحاق دعسف سكك اورحلعث كمرسا تفكها كم ميس نے توحرت اس سے

1.4

ماملوں کا عراش بحار مصفی میں اپنے حقابی للمنا مجول کیا۔ اور حطر وار کرویا۔ وہاں سے جواب آیا کہ منے حضرت قائم اَل محسم مدیم منعلق دریافت کیا۔ ہے۔ توہ وگل کے مقدمات کافیصلہ حفرت واؤد علائے لام کی طرح اپنے علم کی بنیا دکریں گے۔ طرفین سے

دلیل وگواہ نہیں طلب کریں گے۔

نیز تعدادا ارادہ یہ تعالد چ تعقیا بخار کے لیے کوئی تعویذ انگی مگرتم اکم تعدادا کے نیز تعدادا ارادہ یہ تعالد چ تعقیا بخار کے لیے دی کوئی ایک پرچ بریہ آیت لکے کوئی اور نیا تا دی کے کیے ہیں ایک پرچ بریہ آیت لکے کوئی اور ایک بردی اور کے کا در کیا تا در کے کی آیا کہ کوئی اور ایک بردی اور کی کا در کیا تا در کے کئی اور ایک بردی اور کی کا در کیا تا در کے کئی اور ایک بردی کا تا در کے کئی کا در کیا تا در کے کئی کا در کا تا در کیا تا در کے کئی کا در کا تا در کیا تا در کے کئی کا در کا تا کا در کا تا کا در کا تا در کا تا در کا تا در کا تا کا در کا کا در کا تا کا در کا تا کا در کا تا کا در کا کا در کا تا کا در کا تا کا در کا تا کا در کا در کا در کا کا در کا کا در کا در کا در کا کا در کا کا در ک

میں نے یہ آیت ایک پریچ برلکھ کر مرتین کے گئے میں لٹکادی اوروہ اجھاموگیا ( مناقب طبدی صلای ) مختار الجائے )

م اعلام الورى د ارشاد اور كافى مى حن بن ظراميت كى بى روايت مرقوم ب راعلام الورى مده من ارشاد مستري ، كافى جلدا صاف )

المشون كمانيكافي

على بجسين بن فضل سے روایت آ اُن كامان سے كراك حجفہ طیار میں سے ایک حجفری برایک خنن کٹیرنے یلغاد كرد كارائس نے حفرت ا مام من عسكرى علائست لمام كوشط لكمعاء

آب نے جابیں تسریکی انشار استر تم لوگ ان کے لیے کافی ہو فکرنہ کرو۔ مخالف جمع بسی ہزادسے زیادہ مقارید لوگ ایک مہراسے میں کم تع سم ت کرکے مقابعے پر نکلے اور سب کا استیصال کرویا۔

ال = اوگوں كتين طبق ہيں

و الله المراك المدولية الله كابوان ميماكي نما المساوليك المستواكم

عرب عبرالعزیدی کابیان ہے کہ میں ایک دن جس کو گوا اور جا کر شارعِ غنم مریٹھ گیا ، نئے میں حفرت الوحب تدامام سن سکری علیاست لام درمارِ عامی حافے کے لیے اپنے کھرسے آتے ہوئے نظرا کے جس نے اپنے دل میں کہا کہ اگر میں با واز ملبند کھار کیا کریے کول کہ لوگو! یرحج تب خداہی اسمیں بہجا لو ۔ تو کیا یہ لوگ مجن تل کردیں ہے ؟ مگر جب آپ میرے قریب آتے قواتی نے اپنے کل کا انگی اپنے لیوں بردمی اسمیا کیا کہ خاکموں رہو۔

منادالزائج برسمي محدب عبدالعزيز كي يبي دوايت مرقوم ب ( مننا والزائج هفا )

٨ = جائزنفع ؟ (مسكر تزيد وفروخت)

الوباسم کابیان ہے کہ ایک برتر میں مجاج بن صفیان عبدی کولینے سامند حضرت الوجست کابیان ہے کہ ایک برتر میں مجاج بن صفیری م کی خدرت میں میں کا برائی ہے اور کہا جب بدائلگا خدرت میں سے گیا ۔ اُس نے آپ سے مزید و فروخت کے مسائل دریا فت کیے اور کہا جب بدائلگا کے باقد کوئی شے فروخت کے باور ہوجاتی ہے ۔ آپ نے فروا یا کوئی مرج نہیں 'اگر ایک دینا رکی چیز دو دینا دیں می فروخت کے ۔ آپ نے فروا یا کوئی مرج نہیں 'اگر ایک دینا رکی چیز دو دینا دیں می فروخت کے ۔

جائے مب بی رہے۔ میں نے اپنے دل ایں کہا ' پھر یہ توسود خوروں کے مشاہر ہوگیا۔ میرے ذہن میں یہ مات آئی می کھی کہ آپ میری طون متوجہ ہوئے اور فر مایا ' وہ حرام نفع اصب جمتھارے ذہن میں ہے۔ اگر فقع حدسے زیادہ ہوادد اسے کھٹا کرایک دینا ہوگئے

دوديناري عي دي جائي ورج نيب ب. (منادانوا كا مسال)

9 = تعویز برائے لوبتی بخار حسین عرب مواہت ہے۔ اس کا بیان ہے کہ دو کسٹنے میرے دل میں چنائج صیقل کو ابن ابی شوارپ کی نگرانی میں دے دیا گیا۔ اسی اثنا دہمیں ال کی عبد اللہ بن کی بن خاقان کی موت کا حادثہ میش آگیا۔ ادھر میرہ سے صاحب زیخ نے خروج کی اس برلیشائی میں وہ لوگ صیفل کیزے عافل ہوگئے۔ اور خدا کے درب العالین لاشریک الکھ تکم کووہ ان لوگوں کی قدید سے نکل مجا گی ۔

( کمال الدین مصنون کی جدر وایات کے وہ ان لوگوں کے جدر وایات مصنون کی چذر وایات حضرت امام قائم اسے طاقات کرنے والوں کے باب میں کی تحریک ہیں ، جو انشار اللہ دوسری جلدوں میں مرئے نا طرین کی جائیں گی۔ یہ انشار اللہ دوسری جلدوں میں مرئے نا طرین کی جائیں گی۔ یہ انشار اللہ دوسری جلدوں میں مرئے نا طرین کی جائیں گی۔ یہ انشار اللہ دوسری جلدوں میں مرئے نا طرین کی جائیں گی۔

على الله الماريك وفات برحكومرت وفت كارد على الهرين مبيدالله كارد على الهرين مبيدالله كارد على المراد الله كارد كالمراد المراد المراد

ہوئے قدمیرے والد کے پاس آدی آیا کہ ابن رصار لعنی امام سی عمکری ، علائے الم سیادی ہے۔
والد سوار سوکر فوراً دارا لحف لا فرم ہونچے اور وہاں سے بہت جدد والیں ہوئے ، ابن کے مشاطر امیر المونین کے خاص اور باوٹوق بائی خدام تع جن میں ایک نخریمی تھا ، آئے ہی میرے والی حکم دیا کہ دیسرے خفرت امام صن عسکری علائے اس کے مکان پر رسی اور ان کی دیکھ میالی کے اس دیا کہ دیسرے فرت امام صن عسکری علائے ہے۔
رہیں ، مجرح نید اطباد کے باس آدی معجا کہ دہ آگر صبح وشام انتین دیکھتے رہیں ۔

دو دن گذر جانے کے بعد ایک عمی نے اکر خبردی کہ آپ پر ضعف ہاری ہے۔ صبح ہوتے ہی میرے والد آپ کے گھر پہویٹے ، اطباء کو حکم دیا کھ مسلسل بہاں رہیں۔ قامنی العقیق کے پاس آدی بھیجا اوراس سے مبلاکر کہا کہ ایسے اصحاب میں سے دس اشخاص السے عُن کر الم معرف کے۔ دین والمانٹ وار مرد تعوٰی ہرائے کا ل بھروسہ ہو۔

بجراك دس آدميون كومع حطرت الم حس عسكرى علاست الم كري وإ الفيد

حكم دياكهوه ون رات وسي بوجودرسي \_

چناپنریمام دوگسلسل وہیں رہے یہاں تک کرنٹ نہ مریں او رہے اللہ لیکھا چند دن گذرنے کے بعد آپ نے دفات بائی اسادے مُترمن دائے میں ایک گہرام فی گیا کہ جائے۔ ابن رضائے انتقال فرایا۔

ادھ سلطان ( حاکم )نے فورًا چنداً دی جمیح کرجاکرات کرنکای افغیر فائد کی تلاشی لوا ودج چیز بھی ہے اس کو مرجم پر کردو' اودائ کے فرزندکو تلاش کروں کے معاصر کردو' اورائ کے فرزندکو تلاش کروں کے معاصر کی مارک کے درتیں آئیں۔ اُمعوٰں نے اندرجاکرائٹ کی کنیزوں کو دیچھاکدائن میں کوئی مارک

چانجرعيز انيامند بنائ موث يجيرسك كئ اوران صاحزاد سف اكح كمط بوكر نازمنانه برماني اورآت ك يدرزركوارك سيلوي آت كوون كردياكيا . ترنين سے فارغ مونے كے بعدان صاحبزادے نے فرطايا كے بھرى ! ميرے والدين كفطوط كيجابات ومقارب ماس سي مجع وكماؤ-مین ده ان محروا بے کیے اور دل میں کہا ایر دوباتیں تو ہوگئیں اب صرف ہمیان کے متیلی کی بات روکنی۔ اس كابدس وبال سے شكل كر عبر كے باس آيا وہ لمبى لمبى أبي مجروب تقے ماجزوتنامن انسے بوجها عباب عالى إيه صاحر ادے كون تقے ؟ جنون س غاز خيازه مين امامت فراقي - ئ صرب والله ملائد ملی ماری الله میں نے اُن کومی دیکھاتھا اور تراخیس بہمانتا ہو ا المجام لوگ بیٹے می ہوئے تنے کہ قم سے کھے لوگ آئے انھوں نے مفرت اوجہ اماح من مسكرى علبست لام كاخبرت دريافت كى المغين بتها ياكياكدات كاستقال موكيات أنفول نے بیجیا ، مجرآت کے لبد (امام) کون ہے ؟ الوكول في معلى المالية في الله الله الله الله الله الله الله ان وكون في النصيب سلام كيا ال ورسم تعزيت اداى ادركها المله ولي الم اور قوم بي ، آپ بتائين كديركن كيخطوط بين اوركتني رفقوم بي ؟ یس کروہ دامن سیٹے ہوے اُسٹے اور اور اب اوگ جاہتے ہیں کرمیں اخت غيب ي مي باتين ستاول-اتنے میں ایک خادم اندرسے برآ مرسوا اور لولاء تم وکوں کے پاس فلال فلال خطوط میں اور ایک تعیبی سے حس میں ایک مزار دنیا رہی حن میں سے دس دینا دول کے نقوش میں المخول نيه وه خطوط اودرقم خادم كيحواله كما وركها يسب نے تجيماس کے ليے جسيجا سے واقعثًا ومي المام عقرَّب -ا مرا کے بعد حیفر بن ۱۱مل بنقی امع کرے پاس گئے اور سا داوا تعد بالن کیا۔ معتد نے فور البینے خدام دوانہ کیے ۱۱منوں نے آکوسیقل کبنر کو گرفتنا رکیا اوراس أن صاحبزادس كامطالبكيا-صيقل في الكاركيا اوركها كرمير اس كوتى صاحزاده نبيب المجالوس عاطر بول

## اس = واقفيون سيرك بوالات كرو

احمد بن محد بن معلم سے موامیت بھر بن معرب معلم سے دوامیت سے۔ اُن کا بیان سے کہ اہلے جبل بی سے ہمارے بعض اصحاب نے حفرت الجمعت معلیات ہم کی خدمت میں خطالکہ کوائی کی ایسے خص کے متعلق دریافت کیا جو حفرت امام کوئی بن جو صادق میں کی امامت براکر توقف کرتامتا (بعن اُن کے بعد کے اثر کا قائل مزیما ہے کہ کیا اس سے توالا رکھا جائے یا اس سے تبراکریا جائے ؟

آب نے جواب میں تحسر پرفر مایا کیاتم اپنے چہا کے لیے دحمت کی دیاہ کروگے ؟
اسٹر صحاب جیا پردھ مذکرے گا' اس سے تراء کرو' میں ان ( وا تفیوں ) سے بری ہوں اِن
سے میں مذلاپ نرکھو' ان کے بہاں وں کی عیادت کونہ جا ؤ' ان کے جنازوں میں شریک نہ ہو اور
اگران میں سے کوئی مرجائے تو ان کی ناز جنازہ کھی نہ ٹرچو بھواہ ان میں سے کوئی ایسا ہوج ایسے امام کا اضافہ
سے انکار کرتا ہو ہی کا امامت الشرکی جانب سے ہے' یا اماموں کی فہرست میں کسی ایسے امام کا اضافہ
کرے بھوٹ جانب انشرا مام نہ ہو۔ یہ ایسا ہی ہے جہے کوئی اسٹرسے ان کا دکرے یا اس کو تھیں میں سے ایک سمجھے' ووڈوں برابرہے۔

یاددہ کوبا پہلے کی امات سے انکادکیا ' اس نے گوبا پہلے کی امامت سے انکادکیا ' اس نے گوبا پہلے کی امامت کا سے می انکار کردیا ' اور سب نے ہم انکٹر کے ساتھ کسی اور کا اضافہ کیا وہ گوبا ہم سب کی امامت کا مسئ کرسے۔

اوروہ سا کنہیں جافتا تھا کہ اگرس کا چھا بھی واقفیوں ہیں سے مقار آ بہند کے اس خطسے اس کی معلوم ہوا۔ (کشعن العنہ جلدس مسئلیں)

س = انگلی کے اشارے سے ہدایت

کتاب الدلائل می مون رمی مشیباتی سے دوایت ہے اس کابیان ہے کہ ایک میں رمی مشیباتی سے دوایت ہے اس کابیان ہے کہ ایک مرتب مقام امواز میں مجسے اور ایک مرد شویہ سے مناظرہ موار اس کے بعد سی سرمن رائے آیا مگر ہیں ۔ دل میں اس مرد شویہ کے درواز ہے رہی ما موائن کا کہ موت دیکا اور اس کے درواز ہے رہی ما اس کے درواز ہے کہ میں میں مور درواز مام سے محل کرا دھر سے گذر ہے آت نے میری طوف دیکا اور اللہ اس میں مور درواز مام سے محل کرا دھر سے گذر ہے آت نے میری طوف دیکا اور اللہ اللہ میں ایک کا کہ دوائی اللہ میں ایک کا کہ دوائی اللہ میں ایک ایک میں ایک ایک میں میں میں میں میں موائد کی ایک کی مواث دیکا اور اللہ اللہ میں میں ایک ایک میں ایک ایک میں میں مواث کی مواث کی ایک کروائی کا کہ کروائی کا کہ کروائی کا کہ کروائی کی کہ کروائی کی کہ کروائی کا کہ کروائی کی کروائی کی کہ کروائی کا کہ کروائی کر

الے اپنے کام سے کام رکھو اور اللہ جنوی نے داور من اسود

ابو ہاشم جنوی نے داود بن اسود سے دوا کی ہے۔ داود بن اسود سے دوا کی ہے۔ داود بن اسود سے دوا کی ہے۔ داس کا بیان ہے کہ ایک مرتب میرے مولاحضرت ابوجستدا مام سن عسکوی طابقت میں ہے۔ اس کا بیا ایک لمبی گول لکڑی دی جیسے دروا دے کی چرکھٹ ہو۔

بعرفه إلى ليجاؤ عرى كودس آؤر

سي كب كرجيل الجي راسة بي بين تعاكد مرب سامني ايك سقاء إلى فيركيسا تع

أكيا خرجم وبرطيعا آرباتقار

مواكرشفى ر

سنقے نے آوازدی کہ فیرسے بج ہو ۔

میں نے وی لکٹری جومیرے پاس متی اُٹھائی اور نی کواں وہ لکڑی میں کے عورے دیکھا کا اور کی میں کے عورے دیکھا تو اس لکڑی میں کے خورے دیکھا تو اس لکڑی میں کی میں میں میں میں میں میں میں اور وہ سرے مالک کوگا لیال دیتا دہا۔ اور وہ سقام برکار کی کار کر مجے اور میرے مالک کوگا لیال دیتا دہا۔

جب میں پرب سینٹے ہوئے آپ کے گریپونجا توعیبی خادم مجھے دوسرے دروالے م سر پر سریت نے خبری سال جس مراکلای اور مجھے دوسرے دروالے م

بملا اور الله آقا كتيب كتم في الكون ما دايس سي لكوي المعالمي .؟

میں نے وق کیا کہ مجھے معلوم نہ تھا کہ اس لکڑی میں کیا ہے۔ میں نے وق کیا کہ مجھے معلوم نہ تھا کہ اس کا متعلق معن نہ کے فن طری

آپ فرمایا نم نی ایسا کام می کیول کیا بھی معیں معذب کرنی بڑی۔ دیکھو یا اب ایسا نہ کرنا۔ اوریا درکھو اجب سنو کہ کوئی بہیں گائی درے رہا سے توج وہال سے اینا واست ہی میل دو اور جہاں تھے میں کی جہاں ہے وہال جاؤے وہیں گائی درے رہا ہو' اس سے دست و گھیاں مذہبو اور کسے یہ دست و گھیاں مذہبو اور کسے یہ در بنا دکر تم کون ہو' اس ہے کہ مم لیک بڑے شہراود رہری آبادی میں ہیں۔ اچھ اور میں اور تھارے میں اور تھارے میال جارے میں اور تھارے میں اور تھارے میالات سب ہوارے سامنے ہیں۔ اور تھارے میالات سب ہوارے سامنے ہیں۔

دمناتب مبدس صد٢٧٠ - ٢٧٨)

اعلام الواری میں معلی سے محبی اسی کے مثل روابیت ہے۔

( اعلام الواری صفی )

( اعلام الواری صفی )

( )

سودنے الی ہشم جعزی سے روایت کی ہے۔ اس کا بیان ہے کہ حفرت الوالحسسن عسکری (امام علی انقی) علیات الم مے فرزندا بوجیز کی وفات کے وقت میں وہاں موج دمخاا ودامس دقت تک الوجیز کی امامت کے اشارے اورد لائل سامنے نفے میں لینے دل میں سوچ رہا منا اورکہ در امتاکہ ہے تو باسکل ابوا بہم اور اسماعیل کا فقیسے کتے ہیں میروں طرف ا عضرت الم محمد تقى علايت لام كالرشاد

اس کا بیان ہے کہ میں نے حضرت الوجیفرا ما موتیقی ابن حضرت امام کی ابن موٹی الرضا اللے کے کو مات کے میں الرضا الل کوفرماتے ہوئے کشنا کا میرے بعد میرا فرزندعلی انتی امام ہوگا ' اس کا قول میرا قول اوراس کا کا میری اطاعت ہوگا ' میرے کی اطاعت ہوگی' اوراس کے بعد اس کا مت رندھت امام ہوگا۔

اورت ب الترجيدي مرقوم ہے كرعم العظيم بن عبد النسر في حضرت الم على القى على السست لمام النظام النظام النظام الن المام وترقى على كتب الم سے روايت كى كہم آئٹ نے فرايا 'ميرے بعد ميرا فروندهن 'المام گراکسس كے بعد وكان كا حال عجيب ہوگا .

لرگسس كے بعد وكان كا حال عجيب ہوگا .

س\_نقي أخسر:

صقرین دلف سے روایت ہے اُس کابیان ہے کے روایت ہے اُس کابیان ہے کے روایت ہے اُس کابیان ہے کے روایت ہے اُس کابیان ہے کہ اِس کے دورت ام مسئن ایم مسئن کے بعداس کا فرزند قائم ام موگا جو میں مسئن کے بعداس کا فرزند قائم ام موگا جو کے قسط و عدل سے اس طرح مجردے گا جیسے اس سے پہلے وہ سلم وجودسے مجری ہوئی ہوگی ۔

کو قسط و عدل سے اس طرح مجردے گا جیسے اس سے پہلے وہ سلم وجودسے مجری ہوئی ہوگی ۔

لکو قسط و عدل سے اس طرح محردے گا جیسے اس سے پہلے وہ سلم وجودسے مجری ہوئی ہوگی ۔

كفية الازم ميى على بن الإمم سع أى كهشل روايت سبع - د كفاية الأرص الم

العرائے الحسر: ابو ماشم معنوی سے روایت ہے کہ میں نے ابوائسن صاحبے کو (اماعل بنتی می) ان اسحاق ؛ استرتم پر اور متحارے بچی پرچم فرائے جیں ہے ہے ہے۔ وضاحت سے بربات وضاحت سے بیان کردی ہے۔ جیسے کے ایستی کے سامنے بینان کو دی ہے جیسے کی ایستی کے سامنے بینان کو دی ہے جیسے کی ایستی کے سامنے بینان کو دی ہے جیسے کی اس معلط میں اس نے قدم خرکے اس امرا بامت کو بائن کی جواس امرا بامت کو بائن کی جواس امرا کی سی معرف کو بھیں ہے کہ فوت خوا اور فور کا اطاعت الی کی طرف واقع و ما کل کے فوت خوا اور فور کا اطاعت الی کی طرف واقع و ما کل سی میں گار اس کے بعدتم لوگ جوج ہو کرو۔ اللہ اور اس کا میں کے باس کے بعدتم لوگ اس خوا کی طرف بیٹا ہے جا کہ ہے جو غیب وضہود ظام و باطن میں کا جانے والا ہے اور اس وقت وہ تم لوگ کو بیٹا ہے جا کہ تم نے کیا کیا اعمال کے ہیں ، عا قبت متقیق کے لیے ہے اور میں تربادہ حرر خوا کے رب العالمین کے بیے ہے۔

کے اسحاق ! تم ہمارے بیغام دساں مرد ہم ابر ہم بن عبدہ کومیرابیغام مہونما دواور اللہ اسے توقیق دیے کہ وہ ان باتوں برعمل کرسے جومیں انشار اللہ محدین ہوئی نیشا پوری کی معرفت بزرلیر خطاس کومطلع کروں گا۔ یہ بیغام تمعارے لیے اور تمعارے سا دے المی شہر کے لیے بھی ہے کہ وہ ان احکامات جوسل کریں جومیں خطیس لکھ کر انشا رائٹر روان کروں گا۔

ابرامیم بن عدہ کوجا ہے کہ وہم اضطابے اہل شہرکوسی ٹیرھ کرٹ نا دے ماکہ وہ بازیر سے بیں اور اللہ کی اطاعت سے تمسک موجا تیں ۔ ابراہیم بن مبدہ پراور تم پرانشر کی طرف سے سلامی اور برکت نازل مو انبرمرسے دوست ادوں کو بہت بہت مام کہا اسٹر تعالیٰ ابی توثیق تم سرا ہو گوں کے شامل حال کرے ۔

متعارب اہل تمہرس سے ہمارا جودو سنداد مہادے اس خطاکہ ہڑھے یا تحالے عالم ا کے وہ لوگ جوش سے انوات نہیں رکھتے 'ان پر لازم ہے کہ وہ ہمادے حقوق ابراہم کے حوالے کوری اور ابراہم برلازم ہے کہ وہ اسے لازی تک پہونچائے ' یا دازی جن کا نام بنائی اس تک بیونجائیں ایس لیے کررم رے حکم اورم ری دائے سے ہے ( اِنتاء اللہ)

ا اسماق ایم مرایخط بالی کومی برموکرم ناده وه می ایک مروز قد بربرگار اور این ایا ایک مروز قد بربرگار اور این والفن کوفوب حانتا ہے۔ نیز محدوی کومی برموکرم نا دو وہ می این ایا عت کی وجب بہارے نردیک محدد سے اور جب بھارا اور وہ بعدا دجانے کا بوق ہارے دوک تداروں سے بھارے حقوق کی رقم جمع کرتا ہے اسے مبی پڑھوکرم ننا وینا ، بلکہ بھارے دوک تداروں میں سے جن کومی پڑھوکرم ننا وینا ، بلکہ بھارے دوک تداروں میں سے جن کومی پڑھوکرم ننا وینا ، بلکہ جواس خطاک نقل اینا جا بتا ہو اس کو اس کو اس خطاک نقل اینا جا بتا ہو اس کو ا

اورنقصان کی دونوں طرح کی باتیں آگئیں اوداگر الندکی طرب سے اتهام نعمت و بدایت زمن نه بوتا تو پدر بزرگواری دفات کے بعدتم لوگ نهم اکوئی خطوب بیجند نه مجھ سے کوئی ایک حریف مُسنة -

درحقیقت تم لوگ اپنے معادسے غافل ہو۔ میرادوسرا فرستا وہ تم لوگوں کے پاکس کیا ، چرس نے ابراہیم بن عبدہ کو مقرر کیا اوراس کا خطامی نوشنا لودی کی معرفت م تم لوگوں تک ہونچایا۔ اورالند سرحال میں مرد کا رہے گرمیس دیکھ رہا ہوں کہ تم لوگ زیادتی کرہے ہوئے ا خیب تم لوگ خود کھالے میں دسویے۔

بو خص الله كا ماعت معمد وراك اس كے اوليا دك صيعتول كون سن كا وه رحمت خواس دور اور بہت دور موكا؛ الله تعالى في وكول كوم ديا ہے كہ الله وحدة لاشر كي لاك المامت كرون أس كے دمول كى اطاعت كرواور اولى الام كى اطاعت كرو."

الله تولان كے من من من اور بے صبرى پررم كرے ، تم لاكوں كے من من مركادعا قبول كرے ، ميرے معنوں متعارب امودكا امسلاح كرے - الله لغالى كا ارشاد ہے -كيور فرك م كے لگ أفياس با منا و بعد (سورة رالله مرا آیت ان) ترجہ: (روز قبامت ہم شخص كواس كے امام كے ساتھ بلائيں گے -)

َ أُورِيهِ مِي اُرِشَاُ وَمِرابِا ہِ : "جَعَلُنْ كُورُ اُمَتَةً وَ سَطًا لِتَكُونُوا شُهَدَاءَ عَلَى النَّاسِ وَ يَكُونَ النَّاسُولُ عَلَيْكُمُ نَنْهِيْ لَا اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ

رج، (تم لوگوں کوم نے ایک درمیانی اُمت قرار دیاہے تاکہ تم لوگ انسانوں کے اعمال کے شاہر سنے ۔) کے شاہر سنو اور رسول تم نوگوں کے اعمال کا شاہر سنے ۔)

نیزیدی فراہے، «کُنْ تَوْخَدُی اُمْتُ اِ اَخْدِجَتْ لِلنَّاسِ تَالْمُوْدِنَ بِالْمَعْمُ وْفِ ورورہ آلِمُران آیت الْمُنْکَو ترجہ: (تم ہبری اُنٹ ہو، جواس لیے پیدا کیے گئے ہوکہ لوگس کونیکی کا حکم دواور بڑائی سے مُنام کو۔)

برق مے ق ورسی کا کوٹ کا کہ فیاست کے دن جب اللہ جمع کلائے اور میرے ساتھوں کے اللہ فیاست کے دن جب اللہ جمع کلائے اور اس کو بہلاے ساتھ اللہ خار میں سے ب کو بلائے تو یہ دیکھ ہے کہ میرااس سے کتنا تعلق خاطر بھا اور اس کو بہلاے ساتھ اللہ فی اللہ میں میں کے کتنی آل قد و تمثنا تھی ۔

میرے والد فے اُسے ڈانٹا اور کوکی کوئٹنائی اور کہا اُلے اہم قا اور کوئٹ اُلے اہم قا اور کوئٹ اُلے اہم اُلے اُلے اللہ اُلے اہم قالیہ اُلے اور ترب عبائی کوا مام ملنتے تھے اُل پرسلمان نے فوع بر فوع مظالم ڈھائے تاکہ وہ اس احتقاد سے باز آجائیں مگری مکن مزہوسکا ، وہ ال لوگول کواک دو فول کی امامت کے احتقاد سے مزہلا سکا کہیں اگر تولیت باپ اور لیے جا اُن کے شیعوں کے نزدیک امام ہے تو پھر تھے اس کی کیا خرورت سے کے سلمان مجے یہ مرتبہ امامت عنایت کرے ، اور اگر تو اُن کے شیعوں کے نزدیک امام بنیں ہے توسد طان کے امام بنانے سے کیا فائدہ وہ لوگ تو تھے ہر گردام مسلم مرکب کے۔

اس کے بعدمیرے والدنے اس کوبہت ذلیل کیا اورحکم دیا کہ آمٹندہ اگر جھیے ہے ملنے کے لیے آئے تو اجازت نددی جائے ر

چانچرمبرے والدجب کک زندہ رہے ،اُس سے ملاقات مہیں کی معاملہ اسی طسر ج چلتا رہا اور آج تک سلطان محفرت امام سن مسکری علامست بلام کے صاحبزادے ک تلامش میں ہے ۔ د کال الدین جدا مدھلا۔ ۱۲۰)

حسن بن نحراشوی اور حمربن کیجی وغیرہ سے دوایت سے ان سب کا سیان سے کہ احمد بن بن نحد اشتری اور حمل اور اس کے احد احمد بن عبیدالنڈ بن خاقان قم میں خراج اور مالگذاری کی تحصیل پرمقرد بنا اور اس کے بعد اسی سے مثل دوایت کی میں ر بعد اسی سے مثل دوایت کی ہے ۔ (اعظام الوری ص<u>یفت</u> کا فی جلدا میں ہے۔

ع اربناه منا = حکومت وقت کو آپ فرزند کی تلاش

عقيدخاوم كابيان بي كمآت في مصطلى كيسا تقد أيل بوا يا في منكوايا مين في يانى حا منركيا عيرفرايا: مين خادير حول كار

ہے وہ موادیا ۔ آپ نے جرے میں ایک رومال بچیا دیا۔ آپ نے صیعتل سے پانی ایا ' جرو دھوا۔ آپ نے صیعتل سے پانی ایا ' جرو دھوا۔ وولاں باخذ ایک ایک مرتبہ دھوئے ' سرکا سے کیا ۔ وولاں باخذ ایک ایک مرتبہ دھوئے ' سرکا سے کیا ۔

سے کسی نے کہاکہ ایک کیزے جوحا المعلی موتی ہے۔

جن بخراس کمنزکو جہے ہیں بندکر کے اس پر کخریا وراس کے ساتھیوں کا بیرہ بھا دیا ، اورعور آول کو جی وہی درکھا۔ اس کے بعد آپ کے غسل وکفن کا ابتہام ہونے لگا۔ تام ما ذالہ بند میرے والد تام بن بائم ، سردا دان سشکر اورحکومت کے محرّرین ، بلکہ تمام لوگ آپ بند میرے ایسا معلوم ہو تا تھا ، گویا مرّمن دائے میں قیامت مربا ہوگ ۔ کے جنا نہے کے ساتھ ویک ہے اور ملطان نے الجعیسی ابن متوکل کے پاس آدی جمیم ااور جب غسل وکفن ہو جبکا توسلطان نے الجعیسی ابن متوکل کے پاس آدی جمیم ااور

جب من موجها توسلطان کے الجامی ایک الجامی ہے الجامی الجامی الجامی ہے الجامی المجامی ہے الجامی المجامی المجامی ا مکم دیاکہ نما نرجبازہ بڑھا دو۔

بنائی جب آپ کاخانه نازکید رکھاگیاتو الوعینی قریب گیا ، چرے سے کفن سٹایا اور تمام علوبوں عباسیول ابنی باشم ، سرواران بشکر ، سکومت کے مرزی ، قاضوں اور فقها ، کو دکھایا اور کہا کہ دیکھ لوا برحن بن علی بن محرس رضا ہیں جو ابن ملبی موت سے تر میں اور وقت وفات امرالونین کے خدام میں سے فلاں فلاں فلاں اور قت وفات امرالونین کے خدام میں سے فلاں فلاں مودوستے ۔ الله ودوستے ۔

بهرابنِ عیسی نے آپ کے چبرے پرکھٹن ڈالدیا ، کھڑے ہوکر نماز حبنا زہ پڑھی جب یں

يايخ تجيريكين اس كے بعده كم دياكر جنازه المفاؤر ا

بیت سے اعظامی ایک کے کا جنازہ آپ کے گھر کے درمیا فی مصلے سے اعظامیا اورجہال آپ کے بدر بزر کوار مفرت ا مام علی امنی علی سے الم معلی مدون سے وہاں دفن کیا گیا۔

جب سب دفن وغیوسے فارغ ہو کہ جاچکے توسلطان اور ان کے اصحاب طر امام من مکری علائے لام کے صاحبزادیے کی تلاش کے بے بید دبیتا ب ہوئے بختلف کھروں کے تلاشی کی اوران کی میراث کی تعت ہم کوملنوی کیا ،حس کنیز برچا طربونے کا کٹ بہتھا اس پردوال بلکہ اس سے زیادہ عرصے تک نگران عورتی اور مرد مقرر کیے گئے ۔ جب برواضح ہو گیا کہ اس کبر کے حل ہنیں ہے تو اس کے بعد آپ کی میراث آپ کے بھائی حجفر اور آپ کی والدہ بیوسیم کردی رنگر آپ کی والدہ نے آپ کی وصیّت کا دعوی کیا اور قاصی کے ساسے اس وصیّت کو ثابت کیا۔

سلطان بہت تلاش میں راکد کہیں حفرت امام من عسکری علایت لام کے صاحبراد

کایتہ ونشان مل جائے۔

میرات کافتسیم کے بعر بحفر میرے والد کے پاس آیا اور بولا: آپ مجھے دی مرتبہ اور متعام دیدی بومبرے بھائی اور میرے والد کا تھا۔ (بینی امامت) میں آپ کو بیں مزار دینار سالامذویتا دیوں کا۔ سیسرا فرقراس عقیدہ برتفق ہے کرحفرت امام من عسکری علایہ الم مرآل میں المقالی کا الم میں الم می

بعدوسہ کہ اماست آپ کے معالی حجفہ کی حق ہے۔ پانچیاں فرقہ مبی حبفہ بی کی اماست کا قائل ہے مگر بربیائے وصیت حفرت امام می کوی

عليك المسي

و حیث فرقہ کہ آئے ہے حفرت امام ن عملی علاست ام کے بعدائی کے صاحبزاد سے علی است ام میں اور قبلی کے ماحبزاد سے علی اختلاف است اور قبلی اختلاف اور امام کے میں کیات کا نام می مرح مرد ہے۔

ساتواں فرق حفرت امام س عمری علیت طام ہی کوامام منبی تسییم کرتا ہوہ کہتا ہے کہ امام وی ہوگا جس کے کوئی فرند ہو کا کہ ابنے باب کا حیات تک وہ امام ہوں ہو اور اس کے بعد امام ناطق اور امام سسن عمری علیات بلک وہ العام کے ابنا ہم کوئی ہوں ہو گئے ہیں جا اُن لوگاں کا دعوی ہو گئے ہوں ہوں کے ہیں جا اُن لوگاں کا دعوی ہو کہ مست عمری علیات کا دعوی ہو کہ مست عمری علیات کا دعوی ہو کہ مست عملی میں است کے دور ہوت کا کہ بہ خاندائی تما ہی ہونے والد امام علی اُنقی مرکے ورمیان طریع کی مار محد ہوت اور اُن کے والد امام علی اُنقی علیات کا مربیات کا مربیات کے دور میان طریع کی مار موسک مربی ہوت کے دور میان طریع کی مار موسک ہوت کے دور میان طریع کی مار موسک ہوتے ہوتی ہوت کے دور میان میں ہوت کی ہوت کی

آسطوال فرقبہ وہ سے جو رہیہ وشک میں متلاہے ، اس کونہیں معلی کے مقرت اللہ ا حن صری ملکی علیات لام کے استقال کے بعد المست ال کے معلی ال کے عالی معلی علیات کے استقال میں معلی مالی سے اس لیے وہ حضرت الم مست مسکری علیات بام می توقف

م تنه بي الك ك يدي كي الميان كي الم

ان کے علاوہ سنیوں میں اور میں متعدد فرقے میں۔

ك-شيعون ين افتراق

الوغانمے دوایت ہے کہ میں سفی عفری الا ابع سندس مسکری طالستہام کوفرائے ہوئے کشارا کہ تب سفاؤا یا کہ شارات کا دورائے ہوئے کا استعمال کا دورائے ہوئے کا مشیع میں بی افزاق پراپیا کا دورائے ہوئے کہ اورائے کا دورائے کا دورائے کا دورائے کا دورائے کا دورائے کا دورائے ابے استرسی پر تازم اواکی اس کے بعد پینے کے ہے ایک پیائے میں بانی لیا ہوں ہی ہیالہ متھ کو دیگایا 'آپ کے ونوان مبادک پیاسے پر بیلے گئے ' باتھ کا بینے لگا صیفال نے فوڈاآپ کے متعدس پرواذ کرگئی ' اورج اردمت الہی میں جا کے باتھ سے پیالہ لے دیا ' اور فوڈا آپ کی روج مقدس پرواذ کرگئی ' اورج اردمت الہی میں جا بہونی ۔ شرین رائے میں آپ کے والد بزرگوار کے بیہلومی آپ کودنن کردیا گیا۔ اس وفت آپ کی حرکامل انتین سال میں۔

اسی دوایت کے خمن میں ابن عباد کا بیان ہے کہ حفرت الوجمسة دام حن عسکری م کی والد کا گرامی درنے سے مُستر من رائے تشرلیت لائیں اور میراث کے متعلق آپ کے عبائی جعفر کے معاقب اُن کے بڑے قطبے دیسے جس کا بیان باعث طوالت ہے ۔

حیدر توسلطان کے پاس حاکمیغلی کھائی اوروہ دانتھے انسرنے جیبانے کاحکم

ديا تقا اس كوانشار كرديا ـ

"مرقرج الذهب" میں ہے کہ خوت الدم مستدامات ناعسکری علیت الم فی عہد ا خلافت معترس من کہ موجی وفات بائی اوراس وقت آب کی عمر ۲۹سال بھی فرقر ک تطعید لین جہورت میدے نزدیک آپ بار بویں اعام حضرت اعام مہدی منتظر کے والدِگرامی ہیں ۔

محمتعتق اختلات بوااوريبس فرون مي بجعركة

نوف : حفرت ا ما مصن عسكرى عليك الم كا وفات ك بعد لوكم تعدو فرقول مين

نفسيم سويگئے۔

ایک فرقے نے امام سی عملی علائے الم می وفات سے انسکار کیا اور کہا کہ وہ فاک سے انسکار کیا اور کہا کہ وہ فاک سے اور وی قائم منظر ہیں ۔

ہیں اور وی قائم منظر ہیں ۔

ورس فرقد آپ کی موت کا قرار کیا ، گران کاخیال ہے کہ وہ ازمر نوز موہ اور موزور موہ کو در موزور موہ کا اور مورد کا قرار کیا ۔ اور وہ کا مام منتظر ہی ۔ پہنومی اُن کی طرت دُخ کر کے بیٹے گئے ' اُن سے باتین کرنے گئے اور نام کے بسید احترا گالی کی کنیت استفال کرتے اور کھے کرمیرے مال باب آپ پر فدا ہوں۔ مجھے بیدو پھوکر ہجر توجب ہوا استے میں چند حاجبین دربار آسے اور بوسلے امیروفق آ پاہے ۔ مدر مدر وقت میں دربار آسے اور بوسلے امیروفق آ پاہے ۔ مدر مدروفت میں دوروفت میں اور محضوص نقام

امیرموفق حب میرے والد کے پاس آیا کرتا آواس کے لیے معاجبین اور مخصوص نقدام آگے بڑھ کرامستقبال کرتے ' نیزمریے والدی مجاسس زجائے لئے سست) اور گھر کے وروا زسے کے درمیان دو بروے مشکا ویتے ، تاکہ بے تکلف آ نا جانا رہے۔

ابني ديرے والداس نوجوان سے معروب گفتگونى تھے كہ اُن كى نظروفن كے حساوم

مساص پریژی

ا مُنوں نے اُس نوج ان سے کہا کے الومستّد اسی آپ برقربان 'اگرآپ جاہیں اُ تو بہاں سے اکٹو کردو سری افرف چلے جائیں ہے

مراین فلام سے کہا العنیں پردوں کے پیچے لیجاؤ تاکر موفق کی نظران پرم پیڈسکے۔ اس کے بدریرے والدے اُمٹ کرائنیں ملے لگایا اُک کی بستانی کولیسدویا 'اوروہ

ىپىس پردە چلے گئے۔

میں نے اپنے والد کے حاجبوں اور فلا دون سے پوجھیا ' یہ بنا و کہ یہ کون ہیں جن کے سا تفدیرے والد اس طرح بیش آئے۔

منفول نے وض کیا اسدایک مروعلوی ہیں ان کا نام حس بن علی ہے مراب منا

کے نام سے متبود میں۔

سے ہور ہیں۔ یسن کر مجھے اور تعجب ہوا۔ میں دن بھراس نوجان کے اور اپنے والد کے دریان ان روابط پرسوچتا اور غور کرتا رہا ، یہال نک کر دات ہوگئی میرے والد کی عادت بھی کہ لبعد نمازعشا بینطے اور خروری حکم احکامات کو 'نیز بومعا لم سلطان کے سلسنے پیش کرنا ہوتا اسسے نکوت تھ

اب جبكروه ان تمام امورس فارغ بوكر بييط، تومين بجي أن كے ساست عب اكر

مبھگیا۔ آکھچے وریافت کروں۔ میرے والدنے کہا' احد ! کیامتسیں کچے کام ہے ؟ میں نے کہا بھی باں ' بابائداگرآپ کی اجازت ہوتوایک بات لچھیوں۔ اُنھوں نے کہا' باں باں' پوچھو۔

چانچہ اسی سندس آپ نے وفات بائ اوراَت کے تشیوں اورنھرت کرنے والوں میں افتراق پیداہوگیا ۔ کچر حمغر کی طون مائل ہوگئے ، کچسنے اس کوامام مان لیا ، گرشک میں رہے ، کچھ گومگ میں رہے ، کچھ لوگ اللہ کی توفیق سے اپنے دین پر ثابت قدم رہے ۔

دكفاية الأثرميسي

اُبی اورابی دلید و دنول سودی عدالشرسے روایت کرتے ہیں۔ اُس کابیان کر وقت موجد اوران کے وفن میں شرکیت کے مختوب کی مختوب کر ہے گئی کا کہ اور ان میں شرکیت کی مختوب نے مختوب کے مختوب کے مختوب کے مختوب کے مختوب کا کہ مختوب کے مختوب کا کہ مختوب کے مختوب کے الزام دیا ہے میں کا کہ مختوب کے الزام دیا ہے میں کا کہ مختوب کے الزام دیا ہے کہ کا کہ مؤجوا زمنہیں ۔

الغرمن حفرت الوقعت قدا ما مهمن عسكرى عليات آلم مى وفات كے الخارہ بالآق ربایدہ سال بعد سست نبیع میں عبیدانشر ابن خاقان کی عبس میں حاضر ہوئے۔ وہ اس وقت قُم بِضِلِيفَ وقت كى طرف سے خواج و مالگذارى وحول كرنے كے بيرعاط ليمقردها مگروہ اول درج ناصبى اوراً كي الحوطالب كاش دير ترين وشمن متھا۔ وورائي گفتگومي آلي ابى طالب بيرسے اُن الحا كا ذكر جيو كيا جو مُرمن رائے ميں مقيم ميں ، وه بركم ان كا فرمپ كيا ہے ۽ ان ميں صلاحيت كسي سيا

باوشاہ کے تزدیک ان کی قدر و منزلت کیا ہے۔
احرین عبیدا نشر فی تنایا کہ میں نے مُسّر من رائے میں علولیں کے اندرا ہل بید وسلطان وقت اور تمام بنی باشم کے نزدیک بایت وخامی وعفت وکرم میں حفرت المجھ علیٰ بن محرّ بن رضا علیٰ کشتیدا مجیسا تخص مزد بیجا ' خرصنا ۔ یہ لنگ پنے بزرگو ب رکھی ،ان کھا عنقہ مجھے تھے اور اسی طرح سروادانِ شکر اور وزرا ، وکاتبین اور وام الناس بھی ان کا احرام کیا تھا محرب عبیدا مشرکا بیان ہے کہ ایک ون میں اپنے والد کے لیس پیشت کھڑا تھا۔
اس روز ور بارعام تفاکہ حاج بین ور ماراکے اور عوض کیا کہ حضرت ابن رضا مور وادے پر ہیں۔

میرے والدنے با واز بلند کہا' امنیں فرا آنے کا اجازت دو۔ بھرس نے دیجا کہ ایک نوجان' سرگیں انکیں' میار قد بخسین جرہ گرانہا ا چرے سے میریت وجلال آشکا دا' اندرداخل ہوئے ۔ میرے والدتے جب امنیں اُت ہوئے دیا تو اُن کے استقبال کے لیے اُمٹر کر نود چند قدم آئے بڑھے ۔ میں نے مبی نہیں دیجھا کہ اُمحوں نے بنی باخم میں سیکسی کے لیے یاکسی سروار پشکر کے لیے یاکسی وئی عہد کے لیے ایسا کیا ہو۔ جب میرے والدائ کے قریب بہو نچ آؤرگا دیگا یا۔ اُن کے چرے اور دواؤں کا ندھوں کولیسے دیا' اُن کا بامندانے مامند میں ڈالا اور اُمنیں لاکر لیٹے مصلے پر جھا یا مجس پرجہ جو چیٹے میں سے اور اُمالہ اُن کا اور اُمنی والاکر لیٹے مصلے پر جھا یا مجس پرجہ جو چیٹے میں اُن کے اُل ها \_ نص اخسر:

على بن عبر بارسے روایت ہے اُس کا بیان ہے کمیں فر بارسے روایت ہے اُس کا بیان ہے کمیں فر ایک میں خوارت الم کھی ہتھ کا میں مائیلتے الم سے عض کیا اُ اگرنعوذ باللہ آبیا کو کچھ ہوگیا تو میسے دیم کوگئس کی طرف رجوع کوہے ؟

آئی نے ارشاد کسند مایا ، میرے بعد میراعبدهٔ امامت میرے بڑے فرزند عی حن عمری ملے گا۔ رالارشاد صلاح

(۱۲) = نص آخسہ :

علی بن عروعطارسے روایت ہے اُس کا بیان ہے کہ ایک مرست میں ماہر ہوا اوراس وقت آپ کے ایک مرسی میں ماہر ہوا اوراس وقت آپ کے مند زندالج جبفر زندہ سے اور میرا گلان مقالم آپ کے بعد ہیں (ابوج بفر زندہ سے اور میرا گلان مقالم آپ کے بعد ہیں (ابوج بفر) آپ کے جائشین ہوں گے میں نے وض کیا میں آپ پروت ربان 'آپ کی اولاد میں سے خاص الخاص کون ہے؟ آپ نے تنے ت رمایا میری اولاد میں سے امکی کی کوخاص الخاص شرجھ وجبتک کہ میں تم کوئی کوئی کوئی کوئی کوئی کا مدوں ۔

لوی کابیان ہے کہ جسومیں نے وفات ابد بعفر کے بعد آپ کی فدرت بی خطالکھاکہ (آپ کے بعد آپ کی فدرت بی خطالکھاکہ (آپ کے بعد) یدام المستکس کے بیے ہے ؟

الصيرة فسرك المنسر

 الم مسن عسكرى على مستقيلهم كوابنا وصى بنايا اوراپنے بعدان كى الممت يرض فرايا : مزمجه اور این خدام کی ایک جاعت کواس برگواه نبایا ( اعلام الورى صدفي ) ابن قلویرنے کلینی سے اسی کے شل روا بت کی ہے 🔰 🐧 مارٹ د صاح یجیلی بن بستارعبری سے میں ای کےشل دوایت یے وقی طرا مستسسے و عیست کوشی میاساسیماا كمايك مرتبيمين حفرت الوالحسن اماع للنقى عليست الم كاستمة آب كالمرتج یں بیٹا ہوامقا کراد مرسے آپ کے فرزند او حیفر حمر کا گذر ہوا۔ میں نے وصی کیا اس آپ رقر مان اکیا آپ کے بعد یہ ہم لوگوں کے اہم ہو آب نے فروایا ، نہیں ، میرے بعدتم لوکوں کے امام حسنگی مول کئے۔ (الارتثاد ص ٢١٥) ( اعلام الذي صف الماقي جلدا ص ٢٠٠٠) ميداللرب محراصفهان كابيان ي كرحفرت ا على المنى عدالت بام فرميد سرفر ما ياكرمير بعدتم لوكون كا مام وه سوكا جوميرى تازجت

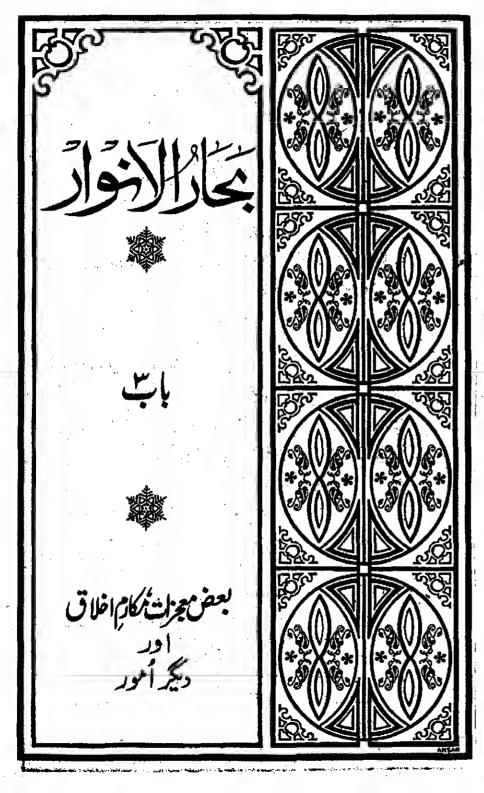
راوی کابیان سے راس سے پہلے حضرت الوجستد (حس عسکری) علا المنظیم میں معالی میں معالی میں معالی میں میں میں میں م مہم پینے نہتے ، مگرا مام علی انعنی علا است بلام کی مفات پروہ برآ بر موسمے اور انحفول نے آپ من زیجازہ مڑھائی ر

السينس الخسر:

على بن جنو كابيان ہے كہرس وقت حفرت الم

ملی انتی علالت ام کے فرزند محد کا اشقال ہوا تو بیس وہاں موجود مقا۔ آپ نے معرت امام صن عسکری علالت الم سے فرط یا کے فرزند! خدا کا سکے کہ امرا امت معارب حقے میں سبے ۔ کہ امرا امت معارب حقے میں سبے ۔

واعلام الوزى مذهع ، الارتشاد صفاع )



حفرت مسرى على ست المريان جاك آب كي الأمراك موسكة الكوميجانة محى منسقه ان ك كوف بدف ك لك ساعت بعد خرت الم على التي عالية الم الم التي طرف دیکیس اورفرطایا : کے فرزند و خدا کاسٹکر اواکروکہ اس کے امرا ماست کو تھارے کیے ہے ين كرحفرت المص عسكرى عليست لام رون لك اورا قالله وإقالل ماجين ميرفرايا الشرب العاليين كي حدا وراس كابشكر ب كرأس في م برايني نعت كوتام كيا - إنَّا وَإِنَّا اِلسِّيهِ دَاجِعُونَ -مم نے دریافت کیاکہ برکون ہیں ؟ سى نے كہا ، يرام على انتى على السك الم كے فرزند صن ابى -جارے اندازے کے مطابق اُس وقت آپ کی عُرَتقریبًا سیس سال ہوگی۔ دن ہم نے امنیں پہچانا ور مجھ کے کہ امارت کے لیے ان ہی کو انتخاب کیا کیا ہے ۔ اوران می ات في اينا عالمتين المزوز ادياب - (كافي علد ا - من ٢٢٠ ) (الارتادي الإلمسن المام على لنقى على سيسكلام نے مجھے خطیں لکھاکہ میرانسنے زند الوفسیة تدر الائم ن عسکری المحستدين ليح ترزفيطوت كا ماكك ب اوران ين سب سے زيادہ مؤلّق اورصاحب حبّت يميرى ادلادي سبس طراب يهي مراجات ب المت كاعبده اس كوسط كا حومساكا جھے وجینا جا سے ہواس سے اوجی اس کے پاس مروہ جیزے سی معیں احتیا جے۔ ر اعلام اورى مرام كالم علد اعتب الماسكاد مشام )

## ایک شیج کا ازاله

واضح بوكر مرت المرين مرين رائ كاندر روض منورة عسكر والك حادثے سے دوجارسوا اوراس کی صورت میہوئی کہ سرمن رائے میردومیوں اور احلام تاریخ غلبهاليا ال كظلم وتمسه ماجر آكروبال كرسادات واشراف اينا لكر بالصور كريس اوق ان رومیوں اور اجلائے عرب نے روحہ مقدمی کے احترام داکام میں بر تو ہے کا اور جنائحہ ایک شب دوھنہ کے ا نور حرارتاکسی نامناسب سیسی ایک ا ہوا فقیلہ اتفاقاً کر مواص سے روضہ کے فرش اور لکرولوں نے آگ کرم فات میں ا كوئى رە دىگا تھا جواس كوبروقت بجهادينا ، اس يى روض كى سارى فروال ورو مقدس صدوق وغيره جل محتى ـ بيجيز ضعيف العقل شيول كا عقادات الم ناصبول مي بياكي دكستاخي مي اضا فركاسبب بن گئي . حالانكدان جا بلول ا سے النرکی بارگاہ میں ان ذوات مقدّسہ کی بلندگی مقام اور وفعت شال میں کوئی فرق ہے حا دنہ و باں مے موجود باسٹندوں سے انٹری کا داختگی کی علامت سبے۔ یہ نوی انٹری انٹری ہی ہوتارے کیونکم معزی معالی کلید اوراس ارخفیہ کے تالیع ہویا ہے سالیا جا ا مكتفين كواك ك وليضه كا احساس ولانا اوراك كى تنبيد وكذبالسش مج القصوي فللناس علاده ازي اليه واتعات وحادثات تومدية متورجك اندور وهنا المتعالة مبى بيش أجيك مير مينا بخريش كامل وفاضل يحيى بن سعيدً ابني كتاب وان النسائي بالباللة س تحسدر ولت بركه دينه جلن كالوق ع وستحب ب كدا كفرت كالمنبر مي نمازیرمی جائے۔ اوراس کے بعد لکھتے ہیں کہ: گراس سال بعن کاف ندو ہی واقع ا اندرمنز رسول اورسيريسول كي حيتين سبجل كثين اوراب اس كيد بديك نيرصاحب كمّابٌ عيون الوّاريخ "جو فاصّل مخالفين إلى معالية واقعات كي ولي من محسد رفرات بن كرشب معركم ما ورمفال المحدد صنی التعطی الم عرب اک بلی اوراس کی اجت را شمال مغرب کے گوشے سے المان وافل مواأس كے ما تقال متى اُس سے وال كى نعف جزال ا

احترام داكرام كاسلوك كريب عقد ؟ اور فراسب تف كدير الباب آي يرقر بان -المفول ني كما سية اوه ابن رضائي جورافضيون كا مام بن ي میر خودی در خاموش رہے، اس کے بعد بھیے اسٹے واگر بہ خلافت بنی عباس نكلى تدبنى بإشم ساس خلافت كالمستحق ال كعلاوه كوفئ اوريباس سيد اوريدار سحقاق ال كاين فضل وشرف ابني عفّت ومدايت ابني صيانت فيس ابني مريم زگاري اورعها دت كيني بترين احسلاق وصلاحيت كى بنادىرب يتمامفين حب ديجيو كے توبيہ مجو كے كرايك مروطبل وشرفين اورعالم وفاصل كى زيارت سىمستفيض مورم إبول-جبيس نے اپنے والدسے ال كيمتعتن يركناتو مجھے اپنے والدريغقد آيا۔ لیکن میں ان کے مالات لوگوں سے دریافت کر تااور ان کے متعلق بحث کرتار ہا میں نے بنی احتم مرداران شكر الاتبان حكومت وضيان ملكت فقها يعمر اورتمام وكول من حي سعي ان کے تعلّق دریافت کرتا ہم معلوم ہوتاکہ ان لوگوں کے نزدیک ان کا درجہ اعظام واکرام ہے ' سب الن کواچے الفاظ سے یا دکرتے ہیں ۔اوراہل بیت اپنے کوڑھوں اور بزرگوں برحی انفہی مقدم مجتدمی گرمرایک بی کہناکہ وہ رافضول کے امام ہیں۔ مجر تومیرے نرویک ان کا قدر فرز اور مراح کی میں نے ان کے تمام دوست اوروشمن سب کور کھاکہ وہ سب ان کے مراح تھے۔

ایک مرتبہ میرے والدکی مجلس میں مجھواشعری علی موجود متھ۔ اُن میں سے ایک نے بوجہا اے الوبکیسر ! یہ جی تو بتائیں کراک کے عبائی جعفر کا

کیا حسال ہے؟ معنوں نے کہا، حفر کون ہے جس کاحال معلوم کیاجائے، یافس کا نام اُن کے سا تد دیاجا سے جغر بالاعلان فسق و مجد میں مبتلار ہتاہے، بیشرم و بے حیا اور شادب کخرہے تم نے ایسے لوگ کم ہی دیجھ ہوں گے۔ وہ زاکر مطاور احت ہے۔

الوماشم حعزى كابيان بيركس ايك مرتيد حفرت الومستدامام سن عسكرى ماليك الم كافدت من ماحز عقاء أَتِ فِي الْمَا سُرِكُفَتْكُوارشَادِفر الله حب الم قائم (مبرى ) كافهور مدي الله کمسجدوں کے تمام منادے اورمقصورے (میناراورکنگرے) حنبدم کردیے جائیں۔ میں نے اپنے ول میں کہا اُ آخروہ انساکیوں کریں گے ؟ ميريد دليس بدبات آتي آئي بيرى طرف متوجر حيا ورفر مايا - وه اليسا إس كرى كے كديد جِيّرت اور بدعت سے - مذبي صلى الشّعليہ واكريم نے مبى اپنى سحدَّى كوئى مينا والم النساليّ بنانے كا حكم ديا ، اور دكسى حبت خواف بنوايا - د مناقب آل ابي كالب حبد م صيام - ) كشف الغرب ولاكل حميرى سے الواشم كى نبى دوايت مرقوم سے ر دِ کشف انتشہ جلدس میروس) اعلام الوری میں بھی اسٹ اوکے ساتھ عفری کی بھی رواست مرقوم سیعہد اسحاقِ كَرِيكِ كَيْ تَنَاقَضِ قَرَالُ اورام من كري السيامي ترديم ابوالقاسم كوفي نے كتاب التّبريل مين تسسدر كياب كساسحات كندى جوعراق مين اين زملن كاسب سيدمشور فلسفى تعااس في ايك كماب " تناقض العراك" تصنيف كرنى مشروع كى السدايي إس تعنيع بريرًا تازموا اودايي بكم إستحضالكاكداس في علما دس ايك منغور مقام هال كراياب. اس كاليك شاكرد ايك دن حفرت الومستدامام ص عسكرى عليمستهام كاخد ت خاش سے دشا وسنسوایا ، گیاتم میں کوئی ایسا مروکرٹ پرنہیں ہے جوکیے اُسّاہ كنى واش كام سے بازدكوك يووه قرآن كرسليوس كرد بلي ؟ اس شاگردنے وف کیا دم وی قال قاش کے شاگردس سارے یا یہ بات سناسب ہے کہ اُس کے کسی بھی کام پراعزام کریا۔

() ـــ آئ ڪسرا قدس کا نور کے عندلام بذل کا بیان سے کومیں نے دیجھاکہ حضرت امام حسن عسکری مالیات یام تقے اوراً یہ کے سرمبارک سے ایک فورساطع مقابح آسان تک بیوی کی رہاتھا۔ (مخاد بجائج مثلا كثعن الغدجارا مشيرا كآب الدلائل من جي اسى كيش موايت ب (٢) = اطلاع آمرامام دبدي عیسی بن مبیع سے روایت ہے اس کابیان ار حصرت امام صن عسکری علالیت لام م م اوگوں کے پاس فیدخانے میں آگ میں آگ کو پیچا خارا تھا أبيث نے مجد سے فرایا ممنیا ری عمراس وقت بینے مطاسال لتے جینے اورائے دوں 🕽 يري باس دعا دُن كُ كماب مى جس مِي ميري ماريخ بديالش تخسسري عي سن أت ديكا توطاقتا ج آئ في فرايا تعاده بالتكاميم تما-آيد فيروج ، مفاركون الأكلب؟ ىي*ن نے عض كيا ، نب*س -أي فروايه بروركارا إس كوايك الوكاعناية فرامعاس كاباندب كيونكي بب كے يے بېترىن بانوبوتا ہے -ميس في وض كاكر كياآت كيمي كون بيلب ؟ آت نے فروایا الل خلال تعمیرے ایک بیٹا ہوگا جودین کو قسط وعدل سے سرح بمردي حسر طسيرح وه طلم وجور سے بعری بولک . گر اِس وقت توکونی اوکا انہیں ہے

دیجے ہی دیکھے تیزی کے ساتھ جیست مجی جلے لگی مجروباں سے تیزی کے ساتھ آگے ہوئی وال نے آگ بجعلنے کی فوراً کوشش کی منگر سجد کی ساری فیشرے لیگئیں ' ملکربعض ستواول کے میدیمی بچمل کمتے ۱۱ ورسب کی لوگوں کے سونے سے پہلے ہوگیا۔ ینا کی آخصرت مسلی استرود الم وسلم کے جرے کی جیت تھی جل گئی اور لوگوں نے حمعه كوناهيج دوسري جگه يرحى يد بلكه تاريخ ك كتابون بين توسيان تك بي كر قرامطرف خانز كعبركو مساركيا اورجب واسود وبلاس أعفاكر لے كئے اورائسے محدكون من نفسب كرديا كمراكن من كسى وقع بركون مجدده ظامرتهي بولاودالله كى طرف سے ان مواقع يرفود اكونى روك كوك بني ہوئی، بلک مجے زمانے کے بعدان فہروں میں وہاں کے ماکشندوں رغصب المی کے آثاد ظاہر موے حب طرح سامرہ میں روصہ مسکرین کے جلنے کی وجہسے عضب الہٰی کا افجہاداس طرح ہواکہ روم کیر عربوں كوفت بونى ان كے كئ شراعفول نے جين عليه أن كيشيار آدى تسل بوت اور بيجنگ كأنك الاواف مي تيزي تيز تربوني كئ میران کی سلطنت برا دیگی قابض بوگے 'اوراعول نے می اُن کے سیار آدی آل کے اوربسب تیج تھااس امر کا کہ امنوں نے امور دین میں نسابی برقی اور ائم علیہ استال مے احتسام مي يرتجي سي كام ليا . امور متذكرة بالاسى غضب المي كى شبهادت كے ليے كافى بيداس كے علاوہ بخت كفر كا بديت المقترس يرقا لفن مونا اس كومنهدم كرنا اس كاحترام كوير بادكرنا وعالا تكريب المقدس انبيا بإدرادهميا ركاتعيركرده كقاء وهسب سركرى عبادت كاه اورسب سيرس معرق فبكرادل مقا ، گر بخت نفرنے وہال می بزار سی امراکی کے اصفیا ، وصلحا ، واخیار اور دہیان کوقت ل كروالا يهي اس يك مواكر بنا اسرأيل في أين انبيارى نافرانى كى النكى مدونهي كى النكى شان مي كستاخيال كين اورائنين قتل كياتها-ببرحال جب مُسرّمن رائع من رومة عسكيّن كم جلن كل خبرجب مطان حسين كويوكي تواخول نے اس رومنہ کی تعبیب نوکوایٹ ہے فرض عین سمجعا ، اور حکم دیا کہ جاروں صندو تول کی ترصیص و تزیین کردی هائے اور قبر کے گرد حالی دار ضریح بنادی جائے جوانتهائی خوکش کت اورديده زبيب مور